CTET SS L1 Telugu L2 Hindi P2

Topic:- CDP_P2_CTET

1) Which of the following is a part of the domain of emotional development ?

(1) Interpersonal Skills
(2) Attention and Memory
(3) Functioning of Body System
(4) Perceptual and Motor Capacities

निम्न में से कौन से संवेगात्मक विकास का हिस्सा हैं?

(1) अंतर्वैयक्तिक कौशल
(2) अवधान व स्मृति
(3) शारिरिक प्रणाली की क्रिया
(4) प्रतिबोधिक और गतिक कौशल

[Question ID = 1][Question Description = S10_CDP_Q001]

1. 1 [Option ID = 1]
2. 2 [Option ID = 2]
3. 3 [Option ID = 3]
4. 4 [Option ID = 4]

2) Which factors determine and influence development of children ?

(i) Heredity
(ii) Physical environment
(iii) Socio-cultural factors

(1) (i) and (iii)
(2) (i) and (ii)
(3) (ii) and (iii)
(4) (i), (ii) and (iii)

कौन से कारक बच्चों के विकास को निर्धारित व प्रभावित करते हैं?

(i) आनुवंशिकता
(ii) भौतिक वातावरण
(iii) सामाजिक-सांस्कृतिक कारक

(1) (i) और (iii)
(2) (i) और (ii)
(3) (ii) और (iii)
(4) (i), (ii) और (iii)

[Question ID = 2][Question Description = S10_CDP_Q002]

1. 1 [Option ID = 5]
2. 2 [Option ID = 6]

3. 3 [Option ID = 7]
4. 4 [Option ID = 8]

3) **Assertion (A) :** Motor co-ordination of children is not important for learning at the school.
Reason (R) : Learning and development are independent of each other.
Choose the **correct** option.
(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.
(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.
(3) **(A)** is true but **(R)** is false.
(4) Both **(A)** and **(R)** are false.

कथन (A) : स्कूल में सीखने के लिए बच्चों के गति कौशल का समन्वय महत्वपूर्ण नहीं है।
तर्क (R) : सीखना और विकास एक दूसरे से स्वतंत्र हैं।
सही विकल्प चुनें।
(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R)** सही व्याख्या करता है **(A)** की।
(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R)** सही व्याख्या नहीं है **(A)** की।
(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।
(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत है।

[Question ID = 3][Question Description = S10_CDP_Q003]
1. 1 [Option ID = 9]
2. 2 [Option ID = 10]
3. 3 [Option ID = 11]
4. 4 [Option ID = 12]

4)
What is the role of family and peers in the development and socialization of children in middle school ?
(1) Both have no role.
(2) Family does not have any role; peers have a significant role.
(3) Peers do not have any role; family has a significant role.
(4) Both have important though different roles.

माध्यमिक स्कूल में परिवार व समकक्षियों की बच्चों के विकास में क्या भुमिका है?
(1) दोनों की कोई भुमिका नहीं है।
(2) परिवार की कोई भुमिका नहीं है; समकक्षियों की महत्वपूर्ण भुमिका है।
(3) समकक्षियों की कोई भुमिका नहीं है; परिवार की प्रमुख भुमिका।
(4) दोनों की अलग-अलग परन्तु महत्वपूर्ण भुमिका है।

[Question ID = 4][Question Description = S10_CDP_Q004]
1. 1 [Option ID = 13]
2. 2 [Option ID = 14]
3. 3 [Option ID = 15]
4. 4 [Option ID = 16]

5)

A student is able to interpret the logic of a verbal statement without questioning the validity of the statement in reality. According to Piaget at which stage of cognitive development is the student ?

(1) Formal operational stage

(2) Pre-operational stage

(3) Concrete-operational stage

(4) Sensori-motor stage

एक विद्यार्थी शब्दिक कथन के तर्क को बिना वास्तविक परिस्थिति से सम्बन्धित किये विवेचित कर लेता है। पियाजे के अनुसार विद्यार्थी संज्ञानात्मक विकास की किस अवस्था में है?

(1) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था

(2) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था

(3) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था

(4) संवेदी गामक अवस्था

[Question ID = 5][Question Description = S10_CDP_Q005]

1. 1 [Option ID = 17]
2. 2 [Option ID = 18]
3. 3 [Option ID = 19]
4. 4 [Option ID = 20]

6) As per Jean Piaget, children's thinking is __________ that of adults.

(1) Qualitatively different from

(2) Quantitively different from

(3) Inferior than

(4) Superior than

जीन पियाजे के अनुसार, बच्चों की सोच वयस्कों __________ होती है।

(1) से गुणात्मक रूप से भिन्न

(2) से मात्रात्मक रूप से भिन्न

(3) से कम

(4) से बेहतर

[Question ID = 6][Question Description = S10_CDP_Q006]

1. 1 [Option ID = 21]
2. 2 [Option ID = 22]
3. 3 [Option ID = 23]
4. 4 [Option ID = 24]

7)

At which stage of Kohlberg's moral development do individuals believe that rules should involve mutual agreements and the rights of the individual should be protected ?

(1) Instrumental purpose orientation

(2) Punishment and obedience orientation

(3) Social contract orientation

(4) Good boy-good girl orientation

कोलबर्ग के नैतिक विकास के किस चरण में व्यक्तियों का मानना है कि नियमों में आपसी समझौते शामिल होने चाहिए और व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए?

(1) यांत्रिक सापेक्षता अभिविन्यास

(2) सजा और आज्ञाकारिता अभिविन्यास

(3) सामाजिक अनुबंध अभिविन्यास

(4) अच्छा लड़का–अच्छी लड़की अभिविन्यास

[Question ID = 7][Question Description = S10_CDP_Q007]

1. 1 [Option ID = 25]
2. 2 [Option ID = 26]
3. 3 [Option ID = 27]
4. 4 [Option ID = 28]

8)

In his __________ theory Lev Vygotsky proposed that learning is a process of co-construction of knowledge.

(1) Behaviouristic

(2) Socio-cultural

(3) Information-processing

(4) Psycho-dynamic

लेव व्यागोत्सकी ने __________ सिद्धान्त में प्रस्तावित किया कि सीखना ज्ञान के सह निर्माण की प्रक्रिया है।

(1) व्यवहारवादी

(2) सामाजिक सांस्कृतिक

(3) सूचना के प्रसंस्करण

(4) मनोगतिकी

[Question ID = 8][Question Description = S10_CDP_Q008]

1. 1 [Option ID = 29]
2. 2 [Option ID = 30]
3. 3 [Option ID = 31]
4. 4 [Option ID = 32]

9) An important classroom implication of Lev Vygotsky's theory is that :

(1) Children should be expected to discover things completely on their own.

(2) Children should be rewarded appropriately to increase desirable behaviour.

(3) Children should be punished to decrease undesirable behaviour.

(4) Children should be guided and assisted in their learning.

निम्न में से क्या लेव व्यागोत्सकी के सिद्धान्तों का उपयुक्त कक्षागत निहितार्थ है?

(1) बच्चों से अपेक्षा रखनी चाहिए कि वे पूर्ण रूप से खुद से चीज़ों को खोज पाएँगे।

(2) बच्चों में वांछनीय व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए उन्हें इनाम देने चाहिए।

(3) बच्चों में अवांछनीय व्यवहार को कम करने के लिए सज़ा देनी चाहिए।

(4) बच्चों का सीखने में मार्गदर्शन व सहायता करनी चाहिए।

[Question ID = 9][Question Description = S10_CDP_Q009]

1. 1 [Option ID = 33]
2. 2 [Option ID = 34]

3. 3 [Option ID = 35]
4. 4 [Option ID = 36]

10)

Roma helps Jaspreet solve a crossword puzzle by giving prompts and cues gradually reducing her support as Jaspreet becomes better at it. This is an example of :

(1) Scaffolding

(2) Observational Learning

(3) Multiple Intelligence

(4) Cognitive conflict

रोमा,जसप्रीत को एक क्रासवर्ण पहेली सुलझाने में संकेत व इशारे देकर मदद करती है जब तक जसप्रीत उसे करने में बेहतर न हो जाए। रोमा का धीरे-धीरे कर अपनी मदद कम करना, निम्न में से किसका उदाहरण है?

(1) पाड़

(2) अनुकरण अधिगम

(3) बहु बुद्धि

(4) संज्ञानात्मक द्वंद्व

[Question ID = 10][Question Description = S10_CDP_Q010]

1. 1 [Option ID = 37]
2. 2 [Option ID = 38]
3. 3 [Option ID = 39]
4. 4 [Option ID = 40]

11)

Assertion (A) : In a progressive classroom the teacher should be diadactic and keep the children in control by maintaining 'pin-drop' silence.

Reason (R) : Children learn only when teachers exercise total control over them.

Choose the correct option.

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.

(3) **(A)** is true but **(R)** is false.

(4) Both **(A)** and **(R)** are false.

कथन (A) : एक प्रगतिशील कक्षा में शिक्षिका को होना चाहिए और बच्चों को नियंत्रण में रखना चाहिए।

तर्क (R) : बच्चे तभी सीखते हैं जब शिक्षक उन पर पूर्ण रूप से नियंत्रण रखते हैं।

सही विकल्प चुनें।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R)** सही व्याख्या करता है **(A)** की।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R)** सही व्याख्या नहीं है **(A)** की।

(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत है।

[Question ID = 11][Question Description = S10_CDP_Q011]

1. 1 [Option ID = 41]
2. 2 [Option ID = 42]
3. 3 [Option ID = 43]
4. 4 [Option ID = 44]

12)

Individuals with __________ are able to make connections based on their prior knowledge and are drawn to categorization, patterning, and relationships between ideas.

(1) Logico-mathematical intelligence

(2) Bodily-kinaesthetic intelligence

(3) Interpersonal intelligence

(4) Linguistic intelligence

__________ वाले व्यक्ति अपने पूर्व ज्ञान के आधार पर संबंध बनाने में सक्षम होते हैं और विचारों के बीच वर्गीकरण, पैटर्निंग और संबंधों को गहराई से देख पाते हैं।

(1) तर्क–गणितीय बुद्धि

(2) शारीरिक–गति संवेदनात्मकता बुद्धि

(3) अतंर्वैयक्तिक बुद्धि

(4) भाषाई बुद्धि

[Question ID = 12][Question Description = S10_CDP_Q012]

1. 1 [Option ID = 45]
2. 2 [Option ID = 46]
3. 3 [Option ID = 47]
4. 4 [Option ID = 48]

13)

A teacher's remark in a co-education class to boys, "Be brave and don't behave weakly like girls" would encourage :

(1) gender equity

(2) gender stereotyping

(3) gender role flexibility

(4) gender equality

सह–शिक्षा कक्षा में लड़कों के लिए एक शिक्षक की टिप्पणी, ''बहादुर बनो और लड़कियों की तरह कमजोर व्यवहार मत करो'' किसको बढ़ावा देगा ?

(1) जेंडर समता

(2) जेंडर रूढ़िवादिता

(3) जेंडर भुमिका में लचीलापन

(4) जेंडर समानता

[Question ID = 13][Question Description = S10_CDP_Q013]

1. 1 [Option ID = 49]
2. 2 [Option ID = 50]
3. 3 [Option ID = 51]
4. 4 [Option ID = 52]

14)

Which of the following are key characteristics of Continuous and Comprehensive Evaluation ?

(i) It's primary objective is to segregate and label childrens.

(ii) It provides opportunities for teachers to reflect on their pedagogy.

(iii) It incorporates assessment as a part of learning.

(iv) It helps to promote learning by inducing fear and anxiety.

(1) (i) and (ii)

(2) (ii), (iii) and (iv)

(3) (ii) and (iii)

(4) (i), (ii), (iii) and (iv)

निम्न में से कौन सतत् एवं समग्र मुल्यांकन के प्रमुख अभिलक्षण हैं?

(i) इसका प्राथमिक उद्देश्य विद्यार्थियों का पृथक्करण व नामीकरण है।

(ii) यह शिक्षकों को अपने शिक्षाशास्त्र पर मदद करने के अवसर देता है।

(iii) यह मुल्यांकन को सीखने का हिस्सा मानता है।

(iv) यह डर और चिंता पैदा करके सीखने को बढ़ाता है।

(1) (i) और (ii)

(2) (ii), (iii) और (iv)

(3) (ii) और (iii)

(4) (i), (ii), (iii) और (iv)

[Question ID = 14][Question Description = S10_CDP_Q014]

1. 1 [Option ID = 53]
2. 2 [Option ID = 54]
3. 3 [Option ID = 55]
4. 4 [Option ID = 56]

15)

Which of the following questions promotes critical thinking rather than mere recall of information ?

(1) In which year was the last census held ?

(2) Where was Mahatma Gandhi born ?

(3) Who was the first President of India ?

(4) How can democratic ideals be promoted in a society ?

निम्नलिखित में से कौन-सा प्रश्न समालोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देता है बजाए कि सूचनाओं के मात्र प्रत्यास्मरण को?

(1) आखिरी जनगणना किस वर्ष में हुई थी?

(2) महात्मा गाँधी का जन्म कहाँ हुआ था?

(3) भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे?

(4) समाज में लोकतांत्रिक आदर्शों को बढ़ावा कैसे दिया जा सकता है?

[Question ID = 15][Question Description = S10_CDP_Q015]

1. 1 [Option ID = 57]
2. 2 [Option ID = 58]
3. 3 [Option ID = 59]
4. 4 [Option ID = 60]

16)

For successful inclusion of students belonging to disadvantaged groups the teachers should :

(1) include aspects of their culture through various activities.

(2) discourage them to take part in cultural activities and ask them to focus on studies.

(3) encourage them to take part in cultural activities but not on studies.

(4) gently ask the parents to enroll children in home tuitions.

वंचित समूहों के विद्यार्थियों के समावेशन को सफल बनाने के लिए, शिक्षकों को :

(1) अलग-अलग प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से उनकी संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को शामिल करना चाहिए।

(2) उन्हें सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए हतोत्साहित करना चाहिए और पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहना चाहिए।

(3) उन्हें सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए परन्तु पढ़ाई पर नहीं।

(4) प्यार से उनके माता-पिता को उन्हें घर पर ट्यूशन पढ़ाने को कहना चाहिए।

[Question ID = 16][Question Description = S10_CDP_Q016]

1. 1 [Option ID = 61]
2. 2 [Option ID = 62]
3. 3 [Option ID = 63]
4. 4 [Option ID = 64]

17) A key pedagogical strategy to ensure inclusive education is :

(1) Collaboration

(2) Segregation

(3) Negative discrimination

(4) Labelling

समावेशी शिक्षा की प्रमुख शिक्षाशास्त्रीय रणनीती क्या है?

(1) सहयोग

(2) पृथक्करण

(3) नकारात्मक भेद-भाव

(4) नामीकरण

[Question ID = 17][Question Description = S10_CDP_Q017]

1. 1 [Option ID = 65]
2. 2 [Option ID = 66]
3. 3 [Option ID = 67]
4. 4 [Option ID = 68]

18)

A teacher should support inclusion of students belonging to disadvantaged groups by :

(1) creating a classroom ethos where differences are accepted and every child is valued.

(2) identifying children's academic abilities and always group children of same ability together.

(3) segregation of children groups based on their caste.

(4) promoting them to reproduce textbook knowledge even if it is meaningless to them.

एक शिक्षक को वंचित समूहों के विद्यार्थियों के समावेशन के लिए क्या करना चाहिए?

(1) एक ऐसी कक्षा–नीति का निर्माण करना चाहिए जहाँ पर वैयक्तिक भिन्नताओं को स्वीकारा जाए और प्रत्येक बच्चे को महत्व दिया जाए।

(2) बच्चों की शैक्षणिक क्षमताओं की पहचान करके समान क्षमताओं वाले बच्चों के समूह बनाए जाएँ।

(3) बच्चों को उनकी जाति के आधार पर अलग–अलग समूहों में बाँटा जाए।

(4) उन्हें पाठ्यपुस्तक–आधारित ज्ञान का पुनरुत्पादन करने के लिए बढ़ावा दिया जाए, भले ही वह उनके लिए अर्थहीन हो।

[Question ID = 18][Question Description = S10_CDP_Q018]

1. 1 [Option ID = 69]
2. 2 [Option ID = 70]
3. 3 [Option ID = 71]
4. 4 [Option ID = 72]

19)

A child's intelligence test score shows that she is above average, she is regular and active in class. Her mathematics grades and writing skill is good but when given the task of reading loudly her performance is poor, the child is likely to have :

(1) Dysgraphia

(2) Dyscalculia

(3) Dyslexia

(4) Autism

एक बच्ची के बुद्धि परीक्षण के स्कोर यह दर्शाते है कि वह औसत से ऊपर है, वह कक्षा में नियमित तथा क्रियाशील है। उसके गणित के ग्रेड तथा लिखने का कौशल अच्छा है परन्तु जब उसे सुस्वर पाठन करने के लिये कहा जाता है तो उसका निष्पादन बुरा होता है। बच्ची में किसके लक्षण होने की संभावना है?

(1) डिसग्रफिया

(2) डिसकैल्क्यूलिया

(3) डिस्लेक्सिया

(4) स्वलीनता

[Question ID = 19][Question Description = S10_CDP_Q019]

1. 1 [Option ID = 73]
2. 2 [Option ID = 74]
3. 3 [Option ID = 75]
4. 4 [Option ID = 76]

20) What is creativity ?

(1) Ability to repetitively perform an action without being bored.

(2) Ability to rote memorize long passages.

(3) Ability to think divergently.

(4) Ability to copy and imitate others as it is.

रचनात्मकता क्या है?

(1) बिना ऊब के किसी कार्य को बार–बार करने की क्षमता

(2) लंबे गद्यांशों को रटने की क्षमता

(3) अपसारी ढंग से सोचने की क्षमता

(4) दूसरों की नकल ज्यों की त्यों करने की क्षमता

[Question ID = 20][Question Description = S10_CDP_Q020]

1. 1 [Option ID = 77]
2. 2 [Option ID = 78]
3. 3 [Option ID = 79]
4. 4 [Option ID = 80]

21) How is learning looked at in a socio-constructivist perspective ?

(1) As active and social in character.

(2) The process of passive acquisition of knowledge.

(3) Relatively permanent change in behavior.

(4) Conditioning between the stimulus and response.

सामाजिक–रचनात्मक परिप्रेक्ष्य में सीखने को किस प्रकार देखा जाता है?

(1) सक्रिय और सामाजिक प्रक्रिया के रूप में

(2) ज्ञान के निष्क्रिय अर्जन की प्रक्रिया

(3) व्यवहार में अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन

(4) उत्तेजना और प्रतिक्रिया के बीच अनुबंध

[Question ID = 21][Question Description = S10_CDP_Q021]

1. 1 [Option ID = 81]
2. 2 [Option ID = 82]
3. 3 [Option ID = 83]
4. 4 [Option ID = 84]

22) __________ is an example of intristic motivation.

(1) Studying to get first prize.

(2) Learning to satisfy curiosity.

(3) Completing work to get appreciation.

(4) Coming first to get a bicycle.

आंतरिक अभिप्रेरण का उदाहरण क्या है?

(1) प्रथम पुरस्कार पाने के लिए पढ़ना

(2) अपनी उत्सुकता की संतुष्टि के लिए सीखना

(3) सराहना पाने के लिए काम पूरा करना

(4) साईकिल पाने के लिए प्रथम आना

[Question ID = 22][Question Description = S10_CDP_Q022]

1. 1 [Option ID = 85]
2. 2 [Option ID = 86]
3. 3 [Option ID = 87]
4. 4 [Option ID = 88]

23)

Assertion (A) : Effective teaching includes forming positive relationships with students and giving importance to their emotional needs.

Reason (R) : Emotions and learning are inter-related.

Choose the correct option.

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.

(3) **(A)** is true but **(R)** is false.

(4) Both **(A)** and **(R)** are false.

कथन (A) : प्रभावी शिक्षण में छात्रों के साथ सकारात्मक संबंध बनाना और उनकी भावनात्मक जरूरतों को महत्व देना शामिल है।

तर्क (R) : भावनाएँ और सीखना परस्पर संबंधित हैं।

सही विकल्प चुनें।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R)** सही व्याख्या करता है **(A)** की।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R)** सही व्याख्या नहीं है **(A)** की।

(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत है।

[Question ID = 23][Question Description = S10_CDP_Q023]

1. 1 [Option ID = 89]
2. 2 [Option ID = 90]
3. 3 [Option ID = 91]
4. 4 [Option ID = 92]

24) Mastery oriented learners :

(i) Set learning goals.

(ii) Believe that ability is stable and permanent.

(iii) Set very easy or no goals.

(iv) Seek help and support to facilitate their learning.

(1) (i) and (ii)

(2) (iii) and (ii)

(3) (i) and (iv)

(4) (iii) and (iv)

महारत उन्मुखी विद्यार्थी :

(i) सीखने के लिए लक्ष्य तय करते हैं

(ii) मानते हैं कि क्षमता स्थिर व स्थायी है

(iii) बहुत ही आसान लक्ष्य करते है या कोई लक्ष्य तय नहीं करते हैं

(iv) अपने सीखने को सुसाध्य करने के लिए दूसरों की सहायता व मदद लेते हैं

(1) (i) और (ii)

(2) (iii) और (ii)

(3) (i) और (iv)

(4) (iii) और (iv)

[Question ID = 24][Question Description = S10_CDP_Q024]

1. 1 [Option ID = 93]
2. 2 [Option ID = 94]
3. 3 [Option ID = 95]
4. 4 [Option ID = 96]

25) Questioning by children :

(1) Should be ignored.

(2) Should be punished.

(3) Should not be allowed.

(4) Should be encouraged.

बच्चों के द्वारा प्रश्न पूछने :

(1) को नजरअंदाज करना चाहिए।

(2) पर उन्हे सजा होनी चाहिए।

(3) की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

(4) को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

[Question ID = 25][Question Description = S10_CDP_Q025]

1. 1 [Option ID = 97]
2. 2 [Option ID = 98]
3. 3 [Option ID = 99]
4. 4 [Option ID = 100]

26) Students learn effectively when the teacher :

(1) does not have any expectations from them.

(2) has very low expectations from them.

(3) does not give any autonomy to the students.

(4) focuses on the processes of inquiry through discovery learning.

विद्यार्थी प्रभावी तरीके से तब सीखते हैं जब शिक्षक :

(1) उनसे किसी प्रकार की अपेक्षाएँ नहीं रखते हैं।

(2) उनसे बहुत कम स्तर की अपेक्षाएँ रखते हैं।

(3) उन्हें किसी तरह की स्वायत्तता प्रदान नहीं करते हैं।

(4) खोज–अधिगम द्वारा अन्वेषण की प्रक्रियाओं पर ध्यान देते हैं।

[Question ID = 26][Question Description = S10_CDP_Q026]

1. 1 [Option ID = 101]
2. 2 [Option ID = 102]
3. 3 [Option ID = 103]
4. 4 [Option ID = 104]

27)

During the teaching-learning process, children are constantly encouraged by the teacher to create new knowledge through exploration, games, and various practical activities. This is an example of :

(i) A progressive classroom in which children have the opportunity to learn by doing and their active participation.

(ii) A traditional classroom in which there is active participation of teacher rather than students in the teaching-learning process.

(iii) A classroom in which the teacher focuses on child-centered methods of learning rather than textbook knowledge.

(iv) A progressive classroom where the students are expected to be passive recipients of knowledge.

(1) (i), (iii)

(2) (i), (ii)

(3) (iii), (iv)

(4) (ii), (iv)

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान शिक्षक द्वारा बच्चों को लगातार नए अन्वेषण, खेल और विभिन्न व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से नया ज्ञान के सर्जन के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह उदाहरण है :

(i) एक प्रगतिशील कक्षा का जिसमें बच्चों को करके सीखने का अवसर एवं उनकी सक्रिय भागीदारी है।

(ii) परंपरागत कक्षा का जिसमें शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में शिक्षक की सक्रिया भागीदारी है।

(iii) एक ऐसी कक्षा जिसमें शिक्षक किताबी ज्ञान से अलग हटकर बाल केंद्रित विधियों से अधिगम कराने को महत्त्व देता है।

(iv) एक ऐसी कक्षा जिसमें शिक्षक को अधिगम कराने के अन्य तरीकों की जानकारी नहीं है।

(1) (i), (iii)

(2) (i), (ii)

(3) (iii), (iv)

(4) (ii), (iv)

[Question ID = 27][Question Description = S10_CDP_Q027]

1. 1 [Option ID = 105]
2. 2 [Option ID = 106]
3. 3 [Option ID = 107]
4. 4 [Option ID = 108]

28)

Assertion (A) : While teaching diverse group of learners a teacher should not have any discussion regarding the social and cultural context of students.

Reason (R) : Social and cultural contexts do not play any role in learning.

Choose the correct option.

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.

(3) **(A)** is true but **(R)** is false.

(4) Both **(A)** and **(R)** are false.

अभिकथन (A) : शिक्षार्थियों के विविध प्रकार के समूह को पढ़ाते समय शिक्षक को उनके सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ के बारे में किसी भी तरह की चर्चा नहीं करना चाहिए।

तर्क (R) : सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ अधिगम में किसी भी प्रकार की भूमिका नहीं निभाते हैं।

सही विकल्प चुनें।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R)** सही व्याख्या करता है **(A)** की।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं लेकिन **(R)** सही व्याख्या नहीं है **(A)** की।

(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत है।

[Question ID = 28][Question Description = S10_CDP_Q028]

1. 1 [Option ID = 109]
2. 2 [Option ID = 110]
3. 3 [Option ID = 111]
4. 4 [Option ID = 112]

29) To facilitate deeper long lasting understanding amongst the students a teacher should :

(1) Focus on memorisation of concepts.

(2) Use the methods of direct instruction.

(3) Make provisions for materials to facilitate learning by doing.

(4) Make verbal presentations and discourage questioning by children.

छात्रों के बीच गहरी संप्रत्यात्मक समझ को विकसित करने के लिए एक शिक्षक को :

(1) अवधारणाओं को याद करने पर ध्यान देना चाहिए।

(2) प्रत्यक्ष निर्देश के तरीकों का उपयोग करना चाहिए।

(3) संसाधन के लिए प्रावधान करना चाहिए जिससे करके सीखने को सुसाधित किया जा सके।

(4) मौखिक प्रस्तुतिकरण करना चाहिए और बच्चों को प्रश्न पूछने से हतोत्साहित करना चाहिए।

[Question ID = 29][Question Description = S10_CDP_Q029]

1. 1 [Option ID = 113]
2. 2 [Option ID = 114]
3. 3 [Option ID = 115]
4. 4 [Option ID = 116]

30)

Using diverse physical learning materials helps the children to make progression in learning concepts in the sequence of :

(1) concrete to abstract
(2) unfamiliar to familiar
(3) higher-order to lower-order
(4) complex to simple

विविध भौतिक शिक्षण सामग्री का उपयोग करने से बच्चों को सीखने की अवधारणाओं में किस क्रम में मदद मिलती है?

(1) ठोस से अमूर्त
(2) अपरिचित से परिचित
(3) उच्च-क्रम से निचले क्रम
(4) जटिल से सरल

[Question ID = 30][Question Description = S10_CDP_Q030]

1. 1 [Option ID = 117]
2. 2 [Option ID = 118]
3. 3 [Option ID = 119]
4. 4 [Option ID = 120]

Topic:- SS_P2_CTET

1) Sangam literature were composed and compiled in assemblies held in the city of :

(1) Arikamedu
(2) Kaveripattinam
(3) Amaravati
(4) Madurai

संगम साहित्य की रचना एवं संकलन किस नगर के सम्मेलनों में की गई?

(1) अरिकामेदू
(2) कावेरीपट्टीनम
(3) अमरावती
(4) मदुरै

[Question ID = 91][Question Description = S10_Social Science_Q031]

1. 1 [Option ID = 361]
2. 2 [Option ID = 362]
3. 3 [Option ID = 363]
4. 4 [Option ID = 364]

2)

Which of the following statements are true about Buddha ?

(A) Buddha first taught his message at Sarnath.

(B) Buddha taught his message in Sanskrit language.

(C) Buddha taught people to be kind and to respect the lives of others, including animals.

(D) Buddha believed that the results of our actions (called **Karma**), whether good or bad, affect us both in this life and the next.

Choose the appropriate option.

(1) (A), (B), (C)

(2) (A), (B), (D)

(3) (B), (C), (D)

(4) (A), (C), (D)

निम्नलिखित में से कौन से कथन बुद्ध के विषय में सही हैं ?

(A) बुद्ध ने अपना सर्वप्रथम उपदेश सारनाथ में दिया था।

(B) बुद्ध ने अपना उपदेश संस्कृत भाषा में दिया।

(C) बुद्ध ने लोगों के दयालु होने तथा मनुष्यों के साथ-साथ जानवरों के जीवन का भी आदर करने की शिक्षा दी।

(D) बुद्ध मानते थे कि हमारे कर्मों के परिणाम, चाहे वे अच्छे हों या बुरे, हमारे वर्तमान जीवन के साथ-साथ बाद के जीवन को भी प्रभावित करते हैं।

उपयुक्त विकल्प चुनें :

(1) (A), (B), (C)

(2) (A), (B), (D)

(3) (B), (C), (D)

(4) (A), (C), (D)

[Question ID = 92][Question Description = S10_Social Science_Q032]

1. 1 [Option ID = 365]
2. 2 [Option ID = 366]
3. 3 [Option ID = 367]
4. 4 [Option ID = 368]

3)

Read statements **(A)** and **(B)** and choose the correct option.

(A) Under Alauddin Khalji the state brought the assessment and collection of land revenue under its own control.

(B) The rights of the local chieftains to levy taxes continued and they were exempted from paying taxes.

Options :

(1) **(A)** is true but **(B)** is false

(2) **(B)** is true but **(A)** is false

(3) Both **(A)** and **(B)** are true

(4) Both **(A)** and **(B)** are false

कथनों **(A)** तथा **(B)** को पढें तथा सही विकल्प चुने।

(A) अलाउद्दीन खलजी के शासनकाल में भू-राजस्व के निर्धारण और वसूली के कार्य को राज्य अपने नियंत्रण में ले आया।

(B) स्थानीय सामंतों द्वारा कर लगाने का अधिकार जारी रहा तथा उन्हें कर चुकाने से छूट दी गई।

विकल्प :

(1) **(A)** सही है परन्तु **(B)** गलत है

(2) **(B)** सही है परन्तु **(A)** गलत है

(3) **(A)** तथा **(B)** दोनों सही हैं

(4) **(A)** तथा **(B)** दोनों गलत हैं

[Question ID = 93][Question Description = S10_Social Science_Q033]

1. 1 [Option ID = 369]
2. 2 [Option ID = 370]
3. 3 [Option ID = 371]
4. 4 [Option ID = 372]

4) Which of the following statements are true about the epic *Manimekalai* ?

(A) It was written in Tamil.

(B) It was composed by poet named Sattanar.

(C) This describes the story of the daughter of Kovalan and Madhavi.

(D) This was composed around 2500 years ago.

Options :

(1) (A), (B) and (C)

(2) (B), (C) and (D)

(3) (A), (C) and (D)

(4) (A), (B) and (D)

निम्नलिखित में से कौन से कथन **मणिमेखलई** महाकाव्य के विषय में सही हैं ?

(A) यह तमिल में लिखा गया था।

(B) यह सत्तनार नामक कवि द्वारा लिखा गया था।

(C) उसमें कोवलन् तथा माधवी की बेटी की कहानी है।

(D) यह लगभग 2500 वर्ष पूर्व लिखा गया था।

विकल्प :

(1) (A), (B) तथा (C)

(2) (B), (C) तथा (D)

(3) (A), (C) तथा (D)

(4) (A), (B) तथा (D)

[Question ID = 94][Question Description = S10_Social Science_Q034]

1. 1 [Option ID = 373]
2. 2 [Option ID = 374]
3. 3 [Option ID = 375]
4. 4 [Option ID = 376]

5) The Ahoms migrated to the Brahmaputra Valley from present day :

(1) Bangladesh

(2) Myanmar

(3) Laos

(4) Cambodia

अहोम लोग वर्तमान समय के __________ से आकर ब्रह्मपुत्र घाटी में आ बसे।

(1) बांग्लादेश

(2) म्यानमार

(3) लाओस

(4) कम्बोडिया

[Question ID = 95][Question Description = S10_Social Science_Q035]

1. 1 [Option ID = 377]
2. 2 [Option ID = 378]
3. 3 [Option ID = 379]
4. 4 [Option ID = 380]

6)

Which of the following statements are true about Surat from the sixteenth-seventeenth centuries ?

(A) It was the gateway of trade with West Asia.

(B) It was called the gate to Mecca as pilgrim ships sailed from here.

(C) On an average five thousand ships of different countries could be found at any given time according to the English chronicler Ovington.

Options :

(1) **(A)** and **(B)** are correct

(2) **(A)** and **(C)** are correct

(3) **(B)** and **(C)** are correct

(4) **(A)**, **(B)** and **(C)** are correct

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सोलहवीं–सत्रहवीं शताब्दियों के सूरत के संबंध में सही है ?

(A) यह पश्चिमी एशिया के साथ व्यापार करने के लिए मुख्य–द्वार था।

(B) इसे मक्का का प्रस्थान द्वार कहा जाता था, क्योंकि बहुत से हज़यात्री जहाज़ से यहीं से रवाना होते थे।

(C) अंग्रेज इतिहासकार ओविंगटन के अनुसार किसी भी समय पर भिन्न–भिन्न देशों के औसतन पाँच हज़ार जहाज़ इस बंदरगाह पर खड़े देखे जा सकते थे।

विकल्प :

(1) **(A)** और **(B)** सही हैं

(2) **(A)** और **(C)** सही हैं

(3) **(B)** और **(C)** सही हैं

(4) **(A)**, **(B)** और **(C)** सही हैं

[Question ID = 96][Question Description = S10_Social Science_Q036]

1. 1 [Option ID = 381]
2. 2 [Option ID = 382]
3. 3 [Option ID = 383]
4. 4 [Option ID = 384]

7)

Missionaries set up a mission at Serampore. This area was under the control of which of the following company ?

(1) Danish East India Company
(2) British East India Company
(3) French East India Company
(4) Portuguese East India Company

प्रचारकों ने सेरमपोर में एक मिशन खोला। उस समय यह क्षेत्र निम्नलिखित में से किस कंपनी के अधीन था?

(1) डैनिश ईस्ट इंडिया कम्पनी
(2) ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी
(3) फ्रेंच ईस्ट इंडिया कम्पनी
(4) पुर्तगीज ईस्ट इंडिया कम्पनी

[Question ID = 97][Question Description = S10_Social Science_Q037]

1. 1 [Option ID = 385]
2. 2 [Option ID = 386]
3. 3 [Option ID = 387]
4. 4 [Option ID = 388]

8) In the colonial period the British approach to tribals was such that __________ .

(1) their life continued as it was before colonisation.
(2) tribal chiefs retained administrative power over their areas.
(3) tribal chiefs retained titles over clusters of villages.
(4) rights over forest produce remained with adivasi people

औपनिवेशिक काल में अंग्रेज़ों का आदिवासियों की तरफ व्यवहार ऐसा था कि :

(1) उनका जीवन उपनिवेश से पहले जैसा था वैसा ही चलता रहा।
(2) आदिवासी मुखियाओं ने अपने क्षेत्रों पर प्रशासनिक अधिकार बनाए रखा।
(3) आदिवासी मुखियाओं ने गाँवों के समूहों पर मालिकाना अधिकार बनाए रखा।
(4) वन उत्पाद पर अधिकार आदिवासी लोगों के पास ही रहे।

[Question ID = 98][Question Description = S10_Social Science_Q038]

1. 1 [Option ID = 389]
2. 2 [Option ID = 390]
3. 3 [Option ID = 391]
4. 4 [Option ID = 392]

9) Match the following :

	Coloumn I		Coloumn II
(a)	Calcutta Madarsa	(i)	1791
(b)	Banaras Sanskrit College	(ii)	1781
(c)	English Education Act	(iii)	1854
(d)	Wood's Despatch	(iv)	1835

Choose the **correct** answer of the following :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(3)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

मिलान करें :

	कॉलम - I		कॉलम - II
(a)	कलकत्ता मदरसा	(i)	1791
(b)	बनारस संस्कृत कॉलेज	(ii)	1781
(c)	अंग्रेज़ी शिक्षा अधिनियम	(iii)	1854
(d)	वुड्स डिस्पैच	(iv)	1835

सही उत्तर का चुनाव करें :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(3)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

[Question ID = 99][Question Description = S10_Social Science_Q039]

1. 1 [Option ID = 393]
2. 2 [Option ID = 394]
3. 3 [Option ID = 395]
4. 4 [Option ID = 396]

10) Gulamgiri, a book meaning slavery, was written by :

(1) Mahatma Gandhi
(2) B.R. Ambedkar
(3) Jyotirao Phule
(4) Raja Ram Mohan Roy

गुलामगीरी, एक पुस्तक जिसका अर्थ है गुलामी, किस ने लिखी थी ? सही उत्तर चुनें :

(1) महात्मा गाँधी
(2) बी.आर. अंबेडकर
(3) ज्योतिराव फुले
(4) राजा राम मोहन रॉय

[Question ID = 100][Question Description = S10_Social Science_Q040]
1. 1 [Option ID = 397]
2. 2 [Option ID = 398]
3. 3 [Option ID = 399]
4. 4 [Option ID = 400]

11)

Read the statements **(A)** and **(B)** considering the vision of national art :

(A) : In Bengal, a new group of nationalist artists gathered around Abanindranath Tagore.

(B) : They rejected the art of Ravi Varma as imitative and westernised, and declared that such a style was unsuitable for depicting the nation's ancient myth and legends.

Choose the **correct** answer of the following :

(1) **(A)** is true but **(B)** is false

(2) **(A)** is false but **(B)** is true

(3) Both **(A)** and **(B)** are true but **(B)** does not explain **(A)**

(4) Both **(A)** and **(B)** are true and **(B)** explains **(A)**

राष्ट्रीय कला की छवि के संदर्भ में कथन **(A)** एवं **(B)** को पढ़ें :

(A) : बंगाल में राष्ट्र कलाकारों का एक नया समूह अबनिंद्रनाथ टैगोर के इर्द-गिर्द जुटने लगा ।

(B) : इस समूह के कलाकारों ने रवि वर्मा की कला को नकल आधारित और पश्चिमी रंग-ढंग की कहकर खारिज कर दिया और ऐलान किया कि इस तरह की शैली राष्ट्र के प्राचीन मिथकों और जनश्रुतियों को चित्रित करने के लिए उपयुक्त नहीं है।

सही उत्तर का चुनाव करें :

(1) **(A)** सही है किन्तु **(B)** गलत

(2) **(A)** गलत है किन्तु **(B)** सही

(3) दोनों **(A)** एवं **(B)** सही हैं किन्तु **(B)**, **(A)** की व्याख्या नहीं करता।

(4) दोनों **(A)** एवं **(B)** सही हैं तथा **(B)**, **(A)** की सही व्याख्या करता है।

[Question ID = 101][Question Description = S10_Social Science_Q041]
1. 1 [Option ID = 401]
2. 2 [Option ID = 402]
3. 3 [Option ID = 403]
4. 4 [Option ID = 404]

12)

Pandit, Look in your heart for knowledge
tell me where untouchability came from,
since you believe in it. Mix red juice, white juice and air
a body bakes in a body . . .
we eat by touching, we wash by touching, from a touch
the world was born.
So who's untouched, asks Kabir ?
Only she who is free from delusion

How do think the teacher should interpret the poem to her/his students ?

(1) Concept of purity and pollution is inherited by birth.
(2) Purity and pollution is determined by the nature of work.
(3) The idea of untouchability is a social construct and is determined by our thoughts and beliefs.
(4) Asymmetry among social groups is crucial for society to function.

पंडित देखहु मन में जानी।
कहु धौं छूति कहाँ से उपजी, तबहिं छूति तुम मानी।।
...
एकहि पाट सकल बैठाए, छूति लेत धौं काकी।
छूतिहि जेवन छूतिहि अँचवन, छूतिहि जग उपजाया।
कहैं कबीर ते छूति विवरजित, जाके संग न माया।

आपके विचार में शिक्षक को इस दोहे की व्याख्या छात्रों के समक्ष किस प्रकार करनी चाहिए ?

(1) पवित्रता तथा अपवित्रता की अवधारणा जन्म से ही विरासत मिलती है।
(2) पवित्रता तथा अपवित्रता कार्य की प्रकृति से निर्धारित होते हैं।
(3) अस्पृश्यता का विचार एक सामजिक रचना है तथा हमारे विचारों और धारणाओं से निर्धारित होती है।
(4) सामाजिक समूहों के बीच विषमता समाज को क्रियाशील बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाती है।

[Question ID = 102][Question Description = S10_Social Science_Q042]

1. 1 [Option ID = 405]
2. 2 [Option ID = 406]
3. 3 [Option ID = 407]
4. 4 [Option ID = 408]

13)

As a leader of the moderates in the National movement against British rule, which of the following methods would you have employed ?

(1) Boycotting British goods and attacking British property.
(2) Arguing for self rule in anti-British gatherings.
(3) Petitioning the rulers to draw attention to injustice faced by Indians.
(4) Organising uprisings in Chittagong.

ब्रिटिश शासन के विरुद्ध राष्ट्रीय आंदोलन में मध्यमार्गियों के नेता के रूप में आप निम्नलिखित में से किन विधियों को अपनाते ?

(1) अंग्रेज़ी सामान का बहिष्कार और अंग्रेज़ी संपत्तियों पर हमला करना।

(2) ब्रिटिश विरोधी बैठकों में स्व:शासन के लिए बहस करना।

(3) भारतीयों पर ही रहे अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए शासकों से याचना करना।

(4) चित्तगौंग में विद्रोह का आयोजन करना।

[Question ID = 103][Question Description = S10_Social Science_Q043]

1. 1 [Option ID = 409]
2. 2 [Option ID = 410]
3. 3 [Option ID = 411]
4. 4 [Option ID = 412]

14) What constituted the mixed economy model that India adopted after Independence ?

(1) Modern and traditional industries

(2) Public and Private sector

(3) Agriculture and Industries

(4) Foreign and domestic investment

'मिश्रित अर्थव्यवस्था' मॉडल, जो भारत ने स्वतंत्रता के बाद अपनाया, वह किन से बना था ?

(1) आधुनिक एवं परंपरागत उद्योग

(2) सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र

(3) कृषि एवं उद्योग

(4) विदेशी एवं घरेलु निवेश

[Question ID = 104][Question Description = S10_Social Science_Q044]

1. 1 [Option ID = 413]
2. 2 [Option ID = 414]
3. 3 [Option ID = 415]
4. 4 [Option ID = 416]

15) Arrange the following continents in descending order of size :
South America, Africa, Antarctica, Europe, North America
Choose the **correct** option.

(1) North America, Africa, South America, Europe, Antarctica

(2) Africa, South America, North America, Europe, Antarctica

(3) Africa, North America, South America, Antarctica, Europe

(4) Africa, North America, South America, Europe, Antarctica

निम्नलिखित महाद्वीपों को आकार के अवरोही क्रम में लिखिए।
दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका, अंटार्कटिका, यूरोप, उत्तरी अमेरिका
सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

(1) उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिणी अमेरिका, यूरोप, अंटार्कटिका

(2) अफ्रीका, दक्षिणी अमेरिका, उत्तरी अमेरिका, यूरोप, अंटार्कटिका

(3) अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, अंटार्कटिका, यूरोप

(4) अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, यूरोप, अंटार्कटिका

[Question ID = 105][Question Description = S10_Social Science_Q045]
1. 1 [Option ID = 417]
2. 2 [Option ID = 418]
3. 3 [Option ID = 419]
4. 4 [Option ID = 420]

16) The Antarctic circle is located at :

(1) $23\frac{1}{2}^\circ$ S

(2) $66\frac{1}{2}^\circ$ S

(3) $25\frac{1}{2}^\circ$ S

(4) $50\frac{1}{2}^\circ$ S

दक्षिण ध्रुव वृत्त अवस्थित है :

(1) $23\frac{1}{2}^\circ$ द.

(2) $66\frac{1}{2}^\circ$ द.

(3) $25\frac{1}{2}^\circ$ द.

(4) $50\frac{1}{2}^\circ$ द.

[Question ID = 106][Question Description = S10_Social Science_Q046]
1. 1 [Option ID = 421]
2. 2 [Option ID = 422]
3. 3 [Option ID = 423]
4. 4 [Option ID = 424]

17)

Which of the following concept is required to understand and calculate time of a particular place ?

(1) Revolution of earth
(2) Longitude of the place and its relative direction from Greenwich
(3) Latitude of the place and its relative direction from Greenwich
(4) Longitude of the place, its relative direction from Greenwich and time at Greenwich

किसी स्थान विशेष पर समय की समझ व गणना हेतु निम्नलिखित में से किस पूर्व–संप्रत्यय की आवश्यकता होगी ?

(1) पृथ्वी का परिक्रमण
(2) स्थान विशेष का देशांतर और ग्रीनिच से उसकी तुलनात्मक दिशा
(3) स्थान विशेष का अक्षांश और ग्रीनिच से उसकी तुलनात्मक दिशा
(4) स्थान विशेष का देशांतर, ग्रीनिच से उसकी तुलनात्मक दिशा और ग्रीनिच पर समय

[Question ID = 107][Question Description = S10_Social Science_Q047]

1. 1 [Option ID = 425]
2. 2 [Option ID = 426]
3. 3 [Option ID = 427]
4. 4 [Option ID = 428]

18)

The earth rotates 360° in about 24 hours, which means 15° an hour, so when it is 12 midnight at Greenwich, the time at 15° W of Greenwich will be :

(1) 1 PM

(2) 1 AM

(3) 11 PM

(4) 11 AM

पृथ्वी लगभग 24 घंटे में अपने अक्ष पर 360° घूम जाती है, अर्थात् वह 1 घंटे में 15° घूमती है। इस प्रकार जब ग्रीनिच में रात के 12 बजते है, तब ग्रीनिच से 15° पश्चिम में समय होगा :

(1) 1 अपराह्न

(2) 1 पूर्वाह्न

(3) 11 अपराह्न

(4) 11 पूर्वाह्न

[Question ID = 108][Question Description = S10_Social Science_Q048]

1. 1 [Option ID = 429]
2. 2 [Option ID = 430]
3. 3 [Option ID = 431]
4. 4 [Option ID = 432]

19) Match the following and identify the correct tropical grassland :

(1) Central Asia - Steppe

(2) South Africa - Veld

(3) Argentina - Pampas

(4) Brazil - Campos

निम्न में से कौन सा उष्णकटिबंधीय घास का मैदान है ?

(1) मध्य एशिया – स्टेपी

(2) दक्षिण अफ्रीका – वेल्ड

(3) अर्जेन्टीना – पैंपास

(4) ब्राजील – कंपोस

[Question ID = 109][Question Description = S10_Social Science_Q049]

1. 1 [Option ID = 433]
2. 2 [Option ID = 434]
3. 3 [Option ID = 435]
4. 4 [Option ID = 436]

20) Consider the following statements about 'Ladakh' :

(A) Ladakh is a cold desert.

(B) Ladakh is at low altitude thus climate is extremely cold and dry.

(C) Due to high aridity, the vegetation is sparse in Ladakh.

Choose the correct option.

(1) (A) and (B) are true

(2) (B) and (C) are true

(3) (A) and (C) are true

(4) Only (A) is true

'लद्दाख' के बारे में निम्न कथनों पर विचार कीजिए।

(A) लद्दाख एक ठंडा रेगिस्तान है।

(B) लद्दाख कम ऊँचाई पर होने के कारण यहाँ की जलवायु अत्यधिक ठंडी तथा शुष्क होती है।

(C) लद्दाख में उच्च शुष्कता के कारण वनस्पति विरल है।

सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

(1) (A) तथा (B) सही हैं।

(2) (B) तथा (C) सही हैं।

(3) (A) तथा (C) सही हैं।

(4) केवल (A) सही है।

[Question ID = 110][Question Description = S10_Social Science_Q050]

1. 1 [Option ID = 437]
2. 2 [Option ID = 438]
3. 3 [Option ID = 439]
4. 4 [Option ID = 440]

21) Which of the following is/are correctly matched ?

	Layer of Earth		Content
(A)	Continental Mass	-	Silica and Magnesium
(B)	Oceanic Crust	-	Silica and alumina
(C)	Core	-	Nickel and Iron

Choose the **correct** option.

(1) Only (A)

(2) Only (B)

(3) Only (C)

(4) All (A), (B) and (C)

निम्न में से कौन सा/से युग्म सही सुमेलित हैं ?

	पृथ्वी की परत		मूल तत्व
(A)	महाद्वीपीय संहति	–	सिलिका एवं मैग्निशीयम
(B)	महासागरीय पर्पटी	–	सिलिका एवं एलुमिना
(C)	कोर/क्रोड़	–	निकल व लोहा

सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

(1) केवल (A)

(2) केवल (B)

(3) केवल (C)

(4) सभी (A), (B) तथा (C)

[Question ID = 111][Question Description = S10_Social Science_Q051]

1. 1 [Option ID = 441]
2. 2 [Option ID = 442]
3. 3 [Option ID = 443]
4. 4 [Option ID = 444]

22) Which of the following is an example of seasonal winds ?

(1) Monsoon in India

(2) Loo of Northern planes of India

(3) Easterlies

(4) Westerlies

निम्नलिखित में से कौन सा मौसमी पवनों का उदाहरण है ?

(1) भारत में मॉनसूनी पवनें

(2) भारत के उत्तरी मैदानों की लू

(3) पूर्वी पवनें

(4) पश्चिमी पवनें

[Question ID = 112][Question Description = S10_Social Science_Q052]

1. 1 [Option ID = 445]
2. 2 [Option ID = 446]
3. 3 [Option ID = 447]
4. 4 [Option ID = 448]

23)

Read the statements made by students A, B and C after a geography class on water and choose the **correct** option.

Student (A) : 'Waves are formed when winds scrape the water across ocean surface'.

Student (B) : 'Tsunami is caused by winds blowing at high speeds'.

Student (C) : 'Tides are a type of waves'.

Options :

(1) Only (A) is correct

(2) Only (A) and (B) are correct

(3) Only (A) and (C) are correct

(4) (A), (B) and (C) are correct

भूगोल की कक्षा के पश्चात विद्यार्थियों द्वारा जल पर बनाए गए कथनों A, B और C को पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए।

विद्यार्थी (A) : 'जब तेज वायु सागर के पूरे सतह पर जल को रगड़ती हैं तब तरंगे उत्पन्न होती हैं'।

विद्यार्थी (B) : 'तेज वायु चलने पर सुनामी उत्पन्न होती है'।

विद्यार्थी (C) : 'ज्वार-भाटा तरंगों के प्रकार हैं'।

विकल्प :

(1) केवल (A) सही है

(2) केवल (A) तथा (B) सही हैं

(3) केवल (A) और (C) सही हैं

(4) (A), (B) और (C) सही हैं

[Question ID = 113][Question Description = S10_Social Science_Q053]

1. 1 [Option ID = 449]
2. 2 [Option ID = 450]
3. 3 [Option ID = 451]
4. 4 [Option ID = 452]

24) Which one of the following industries rose in the Velds ?

(1) Wool industry due to sheep rearing

(2) Wool industry due to yak rearing

(3) Leather industry due to camel rearing

(4) Agriculture industry due to wheat Production

इनमें से कौन सा उद्योग वेल्ड में विकसित हुआ ?

(1) भेड़ पालन के कारण ऊनी उद्योग

(2) याक पालन के कारण ऊनी उद्योग

(3) ऊंट पालन के कारण चमड़ा उद्योग

(4) गेहूं उत्पादन के कारण कृषि आधारित उद्योग

[Question ID = 114][Question Description = S10_Social Science_Q054]

1. 1 [Option ID = 453]
2. 2 [Option ID = 454]
3. 3 [Option ID = 455]
4. 4 [Option ID = 456]

25)

Consider the statements **(A)** and **(B)** and choose the correct answer :

(A) : Kolar mines are among the deepest in the world which makes mining of the ore a very expensive process.

(B) : Karnataka has deposits of gold in India.

Options :

(1) Both **(A)** and **(B)** are true

(2) Both **(A)** and **(B)** are false

(3) **(A)** is true but **(B)** is false

(4) **(A)** is false, **(B)** is true

कथन (A) और (B) पर विचार करें और सही उत्तर का चयन करें।

(A) : कोलार की खानें विश्व की गहरी खानों में से है जो अयस्क के खनन को बहुत खर्चीली प्रक्रिया बनाती है।

(B) : कर्नाटक में सोने के निक्षेप हैं।

विकल्प :

(1) (A) और (B) दोनों सही हैं।

(2) (A) और (B) दोनों गलत हैं।

(3) (A) सही है लेकिन (B) गलत है।

(4) (A) गलत है लेकिन (B) सही है।

[Question ID = 115][Question Description = S10_Social Science_Q055]

1. 1 [Option ID = 457]
2. 2 [Option ID = 458]
3. 3 [Option ID = 459]
4. 4 [Option ID = 460]

26) What is a common feature of Biogas and Firewood ?

(1) Both takes almost same time of formation.

(2) Both are non conventional energy.

(3) Both can cause greenhouse effect.

(4) Both have similar kind of by-product during their formation.

बायो-गैस और ईंधन में समान लक्षन क्या हैं?

(1) दोनों को बनने में लगभग समान समय लगता है।

(2) दोनों गैर परंपरागत ऊर्जा के स्रोत हैं।

(3) दोनों हरित गृह प्रभाव का कारण बन सकती हैं।

(4) दोनों के बनने की प्रक्रिया में समान प्रकार के सहउत्पाद बनते हैं।

[Question ID = 116][Question Description = S10_Social Science_Q056]

1. 1 [Option ID = 461]
2. 2 [Option ID = 462]
3. 3 [Option ID = 463]
4. 4 [Option ID = 464]

27) Which of the following features can be associated with intensive subsistence agriculture ?

(A) Small plots and simple tools

(B) Thick populated area

(C) Semi arid area

(D) Climate with large number of days with sunshine

Options :

(1) (A), (B) and (C)

(2) (A), (B) and (D)

(3) (A), (C) and (D)

(4) (B), (C) and (D)

निम्नलिखित में से कौन सी विशिष्टता गहन निर्वाह कृषि से सम्बद्ध हैं ?

(A) छोटे भूखण्ड और साधारण औजारें

(B) सघन जनसंख्या वाले क्षेत्र

(C) अर्धशुष्क क्षेत्र

(D) अधिक धूप वाले दिनों से युक्त जलवायु

विकल्प :

(1) (A), (B) और (C)

(2) (A), (B) और (D)

(3) (A), (C) और (D)

(4) (B), (C) और (D)

[Question ID = 117][Question Description = S10_Social Science_Q057]

1. 1 [Option ID = 465]
2. 2 [Option ID = 466]
3. 3 [Option ID = 467]
4. 4 [Option ID = 468]

28) Which among the following is **not** an example of diversity but inequality ?

(1) Difference of religion

(2) Difference of mother tongue

(3) Difference of economic status

(4) Difference of food habits

निम्नलिखित में से क्या विविधता **नहीं** बल्कि असमानता का एक उदाहरण है ?

(1) धर्म का अंतर

(2) मातृभाषा का अंतर

(3) आर्थिक स्तर का अंतर

(4) खाद्य संबंधी आदतों का अंतर

[Question ID = 118][Question Description = S10_Social Science_Q058]

1. 1 [Option ID = 469]
2. 2 [Option ID = 470]
3. 3 [Option ID = 471]
4. 4 [Option ID = 472]

29) Prejudice would mean :

(A) Judging people negatively.

(B) Seeing some people as inferior.

(C) Fixing people into one image.

Choose the appropriate answer.

(1) Only (A)

(2) Only (A) and (B)

(3) Only (B) and (C)

(4) Only (A) and (C)

पूर्वाग्रह का अर्थ होगा :

(A) लोगों के बारे में नकारात्मक राय बनाना।

(B) लोगों को हीनता की दृष्टि से देखना।

(C) लोगों को एक ही छवि में बाँधना

उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिए।

(1) केवल (A)

(2) केवल (A) तथा (B)

(3) केवल (B) तथा (C)

(4) केवल (A) तथा (C)

[Question ID = 119][Question Description = S10_Social Science_Q059]

1. 1 [Option ID = 473]
2. 2 [Option ID = 474]
3. 3 [Option ID = 475]
4. 4 [Option ID = 476]

30) Which among the following is **not** a law enacted by the Indian Parliament ?

(1) Sedition Act

(2) Domestic Violence Act

(3) Street Vendros Act

(4) Hindu Succession Act

निम्नलिखित में से कौन सा कानून भारतीय संसद द्वारा पारित **नहीं** किया गया हैं ?

(1) राजद्रोह का कानून

(2) घरेलु हिंसा अधिनियम

(3) स्ट्रीट वेंडर्स/पथ विक्रेता विनियम अधिनियम

(4) हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम

[Question ID = 120][Question Description = S10_Social Science_Q060]

1. 1 [Option ID = 477]
2. 2 [Option ID = 478]
3. 3 [Option ID = 479]
4. 4 [Option ID = 480]

31)

Read the following statements :

(A) Dispute with respect to allocation of GST to a state is matter of dispute between two states.

(B) Dispute regarding sharing of river water is a matter of dispute between two states.

Select the correct answer :

(1) Only **(A)** is correct

(2) Only **(B)** is correct

(3) Both **(A)** and **(B)** are correct

(4) Both **(A)** and **(B)** are incorrect

निम्नलिखित कथनों को पढिए :

(A) एक राज्य को GST (वस्तु एवं सेवा कर) के वितरण से संबंधित विवाद दो राज्यों के बीच विवाद का मामला है।

(B) नदी के जल के बँटवारे से संबंधित विवाद दो राज्यों के बीच विवाद का मामला है।

सही उत्तर का चयन कीजिए।

(1) केवल **(A)** सही है

(2) केवल **(B)** सही है

(3) **(A)** और **(B)** दोनों सही हैं

(4) **(A)** और **(B)** दोनों गलत हैं

[Question ID = 121][Question Description = S10_Social Science_Q061]

1. 1 [Option ID = 481]
2. 2 [Option ID = 482]
3. 3 [Option ID = 483]
4. 4 [Option ID = 484]

32)

Identify the term more likely to be associated with migrant workers in Indian towns and cities :

(1) Organised workforce

(2) Labour chowk

(3) Landlords

(4) Skilled technician

निम्नलिखित में से कौन सी शब्दावली भारत के शहरों के प्रवासी मजदूरों को दर्शाती है ?

(1) संगठित कार्यबल

(2) लेबर चौक

(3) भू मालिक

(4) प्रशिक्षित तकनीशियन

[Question ID = 122][Question Description = S10_Social Science_Q062]

1. 1 [Option ID = 485]
2. 2 [Option ID = 486]
3. 3 [Option ID = 487]
4. 4 [Option ID = 488]

33) What is putting out system ?

(1) An arrangement between the slave and the master

(2) An arrangement between the merchant and the weavers

(3) An arrangement between the government and the weavers

(4) An arrangement between the farmers and the moneylender

दादन व्यवस्था क्या है ?

(1) दास व स्वामी के बीच की व्यवस्था

(2) व्यापारी व बुनकरों के बीच की व्यवस्था

(3) सरकार व बुनकरों के बीच की व्यवस्था

(4) किसानों व साहूकारों के बीच की व्यवस्था

[Question ID = 123][Question Description = S10_Social Science_Q063]
1. 1 [Option ID = 489]
2. 2 [Option ID = 490]
3. 3 [Option ID = 491]
4. 4 [Option ID = 492]

34)

Read the following statements on democracy in India.

(A) A democracy must be based on a free and fair election.

(B) In a democracy the final decision making power must rest with those elected by the people.

Choose the **correct** option :

(1) **(A)** is correct, **(B)** is incorrect

(2) **(A)** is incorrect, **(B)** is correct

(3) **(A)** and **(B)** both correct

(4) **(A)** and **(B)** both incorrect

भारत में लोकतंत्र पर निम्न कथनों को पढिए :

(A) लोकतंत्र मुक्त एवं निर्पक्ष चुनाव पर आधारित होना चाहिए।

(B) लोकतंत्र में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार जनता द्वारा चुने गए व्यक्तियों के पास ही होनी चाहिए।

सही विकल्प का चयन कीजिए ।

(1) **(A)** सही है, **(B)** गलत है

(2) **(A)** गलत है, **(B)** सही है

(3) **(A)** और **(B)** दोनों सही हैं

(4) **(A)** और **(B)** दोनों गलत हैं

[Question ID = 124][Question Description = S10_Social Science_Q064]
1. 1 [Option ID = 493]
2. 2 [Option ID = 494]
3. 3 [Option ID = 495]
4. 4 [Option ID = 496]

35)

Read the following statements and choose the correct option.

(A) Ronit's uncle wants him to score more so that he has good chances of securing a job.

(B) Laxmi Lakra (27) became the first woman engine driver for Northern Railways.

Which of the above statements can be used as an example of 'breaking gender stereotypes' ?

Options :

(1) Only **(A)**

(2) Only **(B)**

(3) Both **(A)** and **(B)**

(4) Neither **(A)** nor **(B)**

(A) रोनित के अंकल चाहते हैं कि वह अधिक अंक अर्जित करे ताकि उसके पास नौकरी प्राप्त करने के अच्छे अवसर हों।

(B) लक्ष्मी लकड़ा (27) भारतीय रेलवे में पहली महिला इंजन चालक बनी थीं।

उपरोक्त कथनों में से कौन से कथन को 'रूढ़ीबद्ध धारणाओं को तोड़ने' के उदाहरण के रूप में उपयोग कर सकते हैं?

विकल्प :

(1) केवल **(A)**

(2) केवल **(B)**

(3) **(A)** और **(B)** दोनों

(4) **(A)** और **(B)** दोनों नहीं

[Question ID = 125][Question Description = S10_Social Science_Q065]

1. 1 [Option ID = 497]
2. 2 [Option ID = 498]
3. 3 [Option ID = 499]
4. 4 [Option ID = 500]

36) Right to Health in India is recognized as a part of which fundamental right ?

(1) Freedom

(2) Equality

(3) Life

(4) Privacy

भारत में स्वास्थ्य के अधिकार को किस मौलिक अधिकार के एक प्रकार के रूप में मान्यता प्राप्त है?

(1) स्वतंत्रता

(2) समानता

(3) जीवन

(4) निजता

[Question ID = 126][Question Description = S10_Social Science_Q066]

1. 1 [Option ID = 501]
2. 2 [Option ID = 502]
3. 3 [Option ID = 503]
4. 4 [Option ID = 504]

37)

The provisions of Fundamental Rights and the Directive Principles of State Policy in Indian constitution seeks to establish :

(A) Political democracy

(B) Socio-economic democracy

(C) Welfare state

(D) Police state

Choose the correct option :

(1) (A), (B) and (C)

(2) (B), (C) and (D)

(3) (A), (B) and (D)

(4) (A), (B), (C) and (D)

भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार एवं नीति-निर्देशक तत्व स्थापित करना चाहते हैं :

(A) राजनीतिक लोकतंत्र

(B) सामाजिक-आर्थिक लोकतंत्र

(C) कल्याणकारी राज्य

(D) पुलिस राज्य

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) (A), (B) और (C)

(2) (B), (C) और (D)

(3) (A), (B) और (D)

(4) (A), (B), (C) और (D)

[Question ID = 127][Question Description = S10_Social Science_Q067]

1. 1 [Option ID = 505]
2. 2 [Option ID = 506]
3. 3 [Option ID = 507]
4. 4 [Option ID = 508]

38) Who presides over the Supreme Court of India ?

(1) The President of India

(2) The Judge of the Federal Court of India

(3) The Chief Justice of India

(4) The Attorney General of India

भारत के उच्चतम न्यायालय का मुखिया कौन होता है?

(1) भारत के राष्ट्रपति

(2) फेडरल कोर्ट आफ इंडिया के न्यायाधीश

(3) भारत के मुख्य न्यायाधीश

(4) भारत के महान्यायवादी

[Question ID = 128][Question Description = S10_Social Science_Q068]

1. 1 [Option ID = 509]
2. 2 [Option ID = 510]
3. 3 [Option ID = 511]
4. 4 [Option ID = 512]

39) Which was the first state of India to introduce the mid-day meal scheme ?

(1) Andhra Pradesh

(2) Kerala

(3) Tamil Nadu

(4) Maharshtra

मध्याह्न भोजन कार्यक्रम शुरू करने वाला पहला भारतीय राज्य कौन था ?

(1) आन्ध्र प्रदेश

(2) केरल

(3) तमिल नाडु

(4) महाराष्ट्र

[Question ID = 129][Question Description = S10_Social Science_Q069]

1. 1 [Option ID = 513]
2. 2 [Option ID = 514]
3. 3 [Option ID = 515]
4. 4 [Option ID = 516]

40)

The Indian government has developed and implemented various schemes for attaining Sustainable Development Goals. Which of the following SDG is being addressed by Mid-day meal scheme ?

(1) Goal - 01

(2) Goal - 02

(3) Goal - 03

(4) Goal - 04

सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु भारत सरकार कई योजनाओं का विकास व कार्यन्वयन कर रही है। मध्याह्न भोजन योजना के द्वारा वह किस सतत विकास लक्ष्य को पूरा करने की कोशिश कर रही है?

(1) लक्ष्य - 01

(2) लक्ष्य - 02

(3) लक्ष्य - 03

(4) लक्ष्य - 04

[Question ID = 130][Question Description = S10_Social Science_Q070]

1. 1 [Option ID = 517]
2. 2 [Option ID = 518]
3. 3 [Option ID = 519]
4. 4 [Option ID = 520]

41)

Choose the most appropriate answer.

The purpose of assessment in social science is :

(1) To facilitate streaming of the students in terms of their learning levels.

(2) To appraise students' perceptivity and ability to understand and connect their learnings with lived realities.

(3) To test the writing skills of students.

(4) To evaluate the students' retention capacity.

सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए।

सामाजिक विज्ञान में आकलन का उद्देश्य है :

(1) विद्यार्थियों को उनके अधिगम स्तरों के अनुसार प्रवाही बनाने में सहयोग करना।

(2) विद्यार्थियों के ग्रहण क्षमता तथा अधिगम को समझने और उनकी जीवांत वास्तविकताओं के जोड़ने को आंकना।

(3) विद्यार्थियों के लेखन के कौशल को परखना।

(4) विद्यार्थियों की स्मरण क्षमता का मूल्यांकन करना।

[Question ID = 131][Question Description = S10_Social Science_Q071]

1. 1 [Option ID = 521]
2. 2 [Option ID = 522]
3. 3 [Option ID = 523]
4. 4 [Option ID = 524]

42)

Which of the following question (s) assess the 'Analysing' skill of learners ?

(A) What type of clothes do people of Sahara Desert wear ?

(B) Climate of Sahara Desert is hot in day time even then people wear heavy robes. Why ? Discuss with reasons and appropriate examples.

(C) 'Present day Sahara used to be a lush green plain'. How could you examine the truthfulness of this argument ?

Choose the appropriate option :

(1) (A) and (B)

(2) (B) and (C)

(3) (A) and (C)

(4) Only (B)

निम्न में से कौन सा/से प्रश्न अधिगमकर्ता के 'विश्लेषण' कौशल का आकलन करता है ?

(A) सहारा रेगिस्तान में लोग कैसे कपड़े पहनते हैं ?

(B) सहारा रेगिस्तान में दिन में बहुत गर्मी होती है तब भी लोग भारी वस्त्र पहनते हैं। ऐसा क्यों होता है ? कारणों व उपयुक्त उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करें।

(C) 'आज का सहारा कभी हरा-भरा मैदानी इलाका हुआ करता था'। इस तर्क की सच्चाई की जाँच आप कैसे कर सकते हैं ?

उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिए :

(1) (A) तथा (B)

(2) (B) तथा (C)

(3) (A) तथा (C)

(4) केवल (B)

[Question ID = 132][Question Description = S10_Social Science_Q072]

1. 1 [Option ID = 525]
2. 2 [Option ID = 526]
3. 3 [Option ID = 527]
4. 4 [Option ID = 528]

43)

Which of the following questions assess 'applying' skill of the learner ?

(A) How are beaches formed ?

(B) How do people modify their environment ? Give example from your observation.

(C) What do you think the government can do to help small farmers when they get into debt ? Discuss.

Choose the appropriate option :

(1) (A) and (B)

(2) (B) and (C)

(3) (A) and (C)

(4) All (A), (B) and (C)

निम्न में से कौन से प्रश्न अधिगमकर्त्ता के संप्रत्ययों को 'प्रयोग में लाने' के कौशल का आकलन करते है ?

(A) तटों का निर्माण कैसे होता है ?

(B) मनुष्य अपने आस-पास के वातावरण को कैसे बदलता है ? अपने अवलोकन से उदाहरण दीजिए।

(C) जब छोटे किसान कर्ज में डूब जाते हैं तो आपके अनुसार सरकार उनकी सहायता के लिए क्या कर सकती है ? चर्चा कीजिए।

उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(1) (A) और (B)

(2) (B) और (C)

(3) (A) और (C)

(4) (A), (B) और (C) सभी

[Question ID = 133][Question Description = S10_Social Science_Q073]

1. 1 [Option ID = 529]
2. 2 [Option ID = 530]
3. 3 [Option ID = 531]
4. 4 [Option ID = 532]

44) Read the following statements about rubrics :

(A) They add reliability to assessment.

(B) They increase transparency in assessment.

(C) They decrease subjectivity in assessment.

Choose the **correct** option :

(1) (A) and (B) are correct

(2) (B) and (C) are correct

(3) (A) and (C) are correct

(4) All (A), (B) and (C) are correct

रूब्रिक्स के बारे में निम्न कथनों को पढ़िए :

(A) ये आकलन में विश्वसनीयता को बढ़ा देते हैं।

(B) ये आकलन में पारदर्शिता को बढ़ा देते हैं।

(C) ये आकलन में व्यक्तिपरकता को घटा देते हैं।

सही विकल्प का चुनाव कीजिए :

(1) (A) और (B) सही हैं।

(2) (B) और (C) सही हैं।

(3) (A) और (C) सही हैं।

(4) (A), (B) और (C) सभी सही हैं।

[Question ID = 134][Question Description = S10_Social Science_Q074]

1. 1 [Option ID = 533]
2. 2 [Option ID = 534]
3. 3 [Option ID = 535]
4. 4 [Option ID = 536]

45) In a project work the assessments can be done through :

(A) Oral presentation

(B) Written report

Choose the **correct** option.

(1) Only (A)

(2) Only (B)

(3) Both (A) and (B)

(4) Neither (A) nor (B)

एक परियोजना कार्य में आकलन किया जा सकता है :

(A) मौखिक प्रदर्शन द्वारा

(B) लिखित रिपोर्ट द्वारा

सही विकल्प चुनें।

(1) केवल (A)

(2) केवल (B)

(3) दोनों (A) और (B)

(4) न तो (A) और न ही (B)

[Question ID = 135][Question Description = S10_Social Science_Q075]

1. 1 [Option ID = 537]
2. 2 [Option ID = 538]
3. 3 [Option ID = 539]
4. 4 [Option ID = 540]

46) Which of the following is considered as a 'secondary source' ?

(1) A book review published in a newspaper.

(2) A testimony of a partition survivor.

(3) Photographs of bombings in the Ukraine war.

(4) Girnar Rock inscription of king Rudradaman.

निम्नलिखित में से कौन सा 'द्वितीयक स्रोत' के रूप में माना जाता है ?

(1) समाचार पत्र में प्रकाशित एक किताब की समीक्षा

(2) विभाजन के उत्तरजीवी की आप बीती

(3) युक्रेन युद्ध में बमबारी के चित्र

(4) राजा रूद्रदमन के गिरनार पत्थर पर अंकित अभिलेख

[Question ID = 136][Question Description = S10_Social Science_Q076]

1. 1 [Option ID = 541]
2. 2 [Option ID = 542]
3. 3 [Option ID = 543]
4. 4 [Option ID = 544]

47)

In incorporating local knowledge in the classroom, the following issues should be of concern to a social science teacher :

(A) Authenticity of sources

(B) Relevancy to syllabus

(C) Quantity of examples

(D) Interest building

Options :

(1) (A), (B) and (C)

(2) (A), (B) and (D)

(3) (A), (C) and (D)

(4) (B), (C) and (D)

कक्षा में स्थानीय ज्ञान को समाविष्ट करने में, सामाजिक विज्ञान के शिक्षक के लिए निम्नलिखित मामले चिंता का विषय होने चाहिए।

(A) स्रोतों की प्रमाणिकता

(B) पाठ्यक्रम के लिए प्रासंगिकता

(C) उदाहरणों की मात्रा

(D) रूचि उत्पन्न करना

विकल्प :

(1) (A), (B) तथा (C)

(2) (A), (B) तथा (D)

(3) (A), (C) तथा (D)

(4) (B), (C) तथा (D)

[Question ID = 137][Question Description = S10_Social Science_Q077]

1. 1 [Option ID = 545]
2. 2 [Option ID = 546]
3. 3 [Option ID = 547]
4. 4 [Option ID = 548]

48)

Which of the following should be of utmost concern to ensure proper conduction of social science education ?

It should be :

(1) learner centric

(2) textbook centric

(3) teacher centric

(4) discipline centric

निम्नलिखित में से कौन सा सामाजिक विज्ञान शिक्षा के सही आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए गहन चिंता का विषय हो सकता है ?

यह होना चाहिए :

(1) अधिगमकर्ता केंद्रित

(2) पाठ्यपुस्तक केंद्रित

(3) शिक्षक केंद्रित

(4) विद्या-विशेष केंद्रित

[Question ID = 138][Question Description = S10_Social Science_Q078]

1. 1 [Option ID = 549]
2. 2 [Option ID = 550]
3. 3 [Option ID = 551]
4. 4 [Option ID = 552]

49) What is the relevance of giving an open book test in social science ?

(1) To remove fear of examination.

(2) To prevent rote memorisations of content.

(3) To avoid invigilation duties for teachers.

(4) So that students can find exact material for answers from the textbook/s.

सामाजिक विज्ञान में खुली पुस्तक परीक्षा की क्या सार्थकता है ?

(1) परीक्षा का भय दूर करना।

(2) विषयवस्तु रटने से बचाना।

(3) शिक्षकों को निरीक्षण से दूर रखना।

(4) तकि छात्र पाठ्यपुस्तकों से उत्तर ढूँढ सके।

[Question ID = 139][Question Description = S10_Social Science_Q079]

1. 1 [Option ID = 553]
2. 2 [Option ID = 554]
3. 3 [Option ID = 555]
4. 4 [Option ID = 556]

50) Sensitivity and awareness on issues faced by marginal groups can be encouraged by :

(A) identifying the factors that contribute to marginalisation.

(B) making students identify the marginalised communities.

(C) leaving out controversial issues so as not to hurt students' feelings.

Options :

(1) (A) and (B)

(2) (B) and (C)

(3) (A) and (C)

(4) (A), (B) and (C)

हाशिये वाले समूहों ने जिन मामलों का सामना किया है उन पर संवेदनशीलता और जागरूकता प्रोत्साहित किया जा सकता है :

(A) हाशियाकरण में योगदान देने वाले कारकों की पहचान करने के द्वारा।

(B) विद्यार्थियों से हाशियाकृत समुदायों की पहचान करवाने के द्वारा।

(C) विवादास्पद मामलों को छोड़ देना ताकि विद्यार्थियों की भावनाएँ आहत न हों।

विकल्प :

(1) (A) और (B)

(2) (B) और (C)

(3) (A) और (C)

(4) (A), (B) और (C)

[Question ID = 140][Question Description = S10_Social Science_Q080]

1. 1 [Option ID = 557]
2. 2 [Option ID = 558]
3. 3 [Option ID = 559]
4. 4 [Option ID = 560]

51)

Which of the following examples would you give to best challenge the stereotypical gender depiction in discussing 'Advertisements' ?

(A) A female driving in a car endorsement.

(B) A male cooking in a refined oil endorsement.

(C) A female washing clothes in a detergent endorsement.

(D) A working female in a clothing endorsement.

Options :

(1) (A) and (B)

(2) (A) and (D)

(3) (B) and (C)

(4) (B) and (D)

निम्नलिखित उदाहरणों में से कौन सा उदाहरण आप विज्ञापनों पर परिचर्चा में रूढ़िबद्ध लैंगिक चित्रण को श्रेष्ठ चुनौती देने के लिए देंगे ?

(A) एक कार बेचान में गाडी चलाती महिला

(B) एक परिष्कृत तेल बेचान में खाना बनाता पुरुष

(C) एक डिटर्जेंट बेचान में कपड़े धोती महिला

(D) वस्त्रों के बेचान में काम करती महिला

विकल्प :

(1) (A) और (B)

(2) (A) और (D)

(3) (B) और (C)

(4) (B) और (D)

[Question ID = 141][Question Description = S10_Social Science_Q081]

1. 1 [Option ID = 561]
2. 2 [Option ID = 562]
3. 3 [Option ID = 563]
4. 4 [Option ID = 564]

52) What can be the purpose for introducing newspaper reading in class ?

(1) To develop analytical skills on the basis of news and reports.

(2) To break the monotony of textbook teaching.

(3) To reduce the burden of teachers as students read newspapers in class.

(4) To make students aware of sensational developments in the country.

कक्षा में अखबार पढ़ाने का क्या उद्देश्य हो सकता है ?

(1) समाचार और रिपार्टों के आधार पर विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करना।

(2) पाठ्यपुस्तक पढ़ाने की एकरसता तोडना।

(3) छात्रों के कक्षा में समाचार पत्र पढ़ने से शिक्षकों का भार कम होगा।

(4) छात्रों को देश के सनसनीखेज प्रगतियों से वाकिफ करना।

[Question ID = 142][Question Description = S10_Social Science_Q082]

1. 1 [Option ID = 565]
2. 2 [Option ID = 566]
3. 3 [Option ID = 567]
4. 4 [Option ID = 568]

53)

While 'introducing' the theme Panchayati Raj and Rural administration in a village school, what could be the most appropriate contextualised learning activity for students ?

(1) A sarpanch sharing her experiences in the class.

(2) Reading an article on the 73^{rd} Amendment Act.

(3) Watching a documentary on Panchayati Raj.

(4) Asking students their opinions on the Gram Panchayat.

ग्रामीण स्कूल में पंचायती राज एवं ग्रामीण प्रशासन के थीम से परिचित करते समय, विद्यार्थियों के लिए सबसे उपयुक्त संदर्भात्मक अधिगम गतिविधि क्या हो सकती है ?

(1) कक्षा में अपने अनुभवों को साझा करती एक सरपंच ।

(2) 73वें संशोधन अधिनियम पर एक लेख पढ़ना।

(3) पंचायती राज पर एक वृत्तचित्र देखना।

(4) विद्यार्थियों से ग्राम पंचायत पर उनके विचार पूछना।

[Question ID = 143][Question Description = S10_Social Science_Q083]

1. 1 [Option ID = 569]
2. 2 [Option ID = 570]
3. 3 [Option ID = 571]
4. 4 [Option ID = 572]

54)

To pedagogically engage a visually challenged student in the class, which of the following would be most appropriate ?

(1) Allot one day in a week, when all children have to use only audio material.

(2) Ask one student to take care of this student, as you teach the class.

(3) Give verbal clues regularly to the class asking students to think, imagine or respond

(4) Hold separate class for this student

कक्षा में दृष्टिबाधित विद्यार्थी को शैक्षणिक रूप से शामिल करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा सर्वाधिक उपयुक्त होगा ?

(1) सप्ताह में एक दिन निर्धारित कीजिए, जब सभी बच्चों को केवल श्रवण-सामग्री का उपयोग करना होगा।

(2) जब आप कक्षा को पढ़ा रहे हों तब एक विद्यार्थी को उस विद्यार्थी की देखभाल करने के लिए कहना।

(3) कक्षा को नियमित मौखिक संकेत देना और विद्यार्थियों को सोचने, कल्पना करने या उत्तर देने के लिए कहना।

(4) इस विद्यार्थी के लिए एक अलग कक्षा लगाना।

[Question ID = 144][Question Description = S10_Social Science_Q084]

1. 1 [Option ID = 573]
2. 2 [Option ID = 574]
3. 3 [Option ID = 575]
4. 4 [Option ID = 576]

55)

Which teaching strategies would you use to make students aware and sensitised on 'Sanitation Work' ?

(A) Lecture method and Questioning

(B) Enacting a Roleplay and Debate

(C) Inviting a person who does this work for Interaction

(D) Documentary screening and Discussion

Options :

(1) (A) and (B)

(2) (B) and (C)

(3) (A) and (D)

(4) (C) and (D)

विद्यार्थियों को 'स्वच्छता कार्य' पर अवगत और संवेदनशील बनाने के लिए आप शिक्षण के किस तरीके को अपनाएंगे ?

(A) व्याख्यान विधि एवं प्रश्न पूछना

(B) भूमिका निभाने एवं वाद-विवाद

(C) बातचीत के लिए ऐसे व्यक्ति को आमंत्रित करना जो यह कार्य करता है

(D) वृत्तचित्र परदे पर दिखाना एवं परिचर्चा

विकल्प :

(1) (A) और (B)

(2) (B) और (C)

(3) (A) और (D)

(4) (C) और (D)

[Question ID = 145][Question Description = S10_Social Science_Q085]

1. 1 [Option ID = 577]
2. 2 [Option ID = 578]
3. 3 [Option ID = 579]
4. 4 [Option ID = 580]

56) While discussing about leaders of the Indian National Movement, a teacher is expected to :

(1) discuss only those names mentioned in the textbooks.

(2) aid students to develop cynicism regarding leaders.

(3) eulogise the contribution of all the leaders.

(4) add relevant examples of local leaders.

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के नेतृत्वकारियों को पढ़ाते हुए एक शिक्षक को :

(1) सिर्फ पाठ्यपुस्तकों में वर्णित नामों की चर्चा करनी चाहिए।

(2) छात्रों में नेताओं के प्रति निराशा (कटुता) पैदा करनी चाहिए।

(3) सभी नेताओं के योगदान का गुणगान करना चाहिए।

(4) स्थानीय नेताओं के प्रासंगिक उदाहरण देना चाहिए।

[Question ID = 146][Question Description = S10_Social Science_Q086]

1. 1 [Option ID = 581]
2. 2 [Option ID = 582]
3. 3 [Option ID = 583]
4. 4 [Option ID = 584]

57)

Which one of the following statements is /are necessary for promoting equality as a concept in the classroom.

(A) Establishing an inclusive environment

(B) Accommodating different learning styles and disabilities

Options :

(1) Only (A)

(2) Only (B)

(3) Both (A) and (B)

(4) Neither (A) nor (B)

निम्न में से कौन सा/से तरीका/तरीके कक्षा में समानता को बढ़ाने व प्रोत्साहित करने में जरूरी है ?

(A) समावेशित माहौल स्थापित करना

(B) अधिगम शैलियों और अक्षमताओं को समायोजित कर लेना

विकल्प :

(1) केवल (A)

(2) केवल (B)

(3) दोनों (A) और (B)

(4) दोनों (A) और (B) से कोई नहीं

[Question ID = 147][Question Description = S10_Social Science_Q087]

1. 1 [Option ID = 585]
2. 2 [Option ID = 586]
3. 3 [Option ID = 587]
4. 4 [Option ID = 588]

58)

While introducing 'Role of Government in Health', which of the following pictures would be best suitable to initiate discussion in the class ?

(A) Picture of a government hospital

(B) Sanitation layout of a locality

(C) Picture of a wholesome meal

Options :

(1) (A) and (B)

(2) (A) and (C)

(3) (B) and (C)

(4) (A), (B) and (C)

'स्वास्थ्य में सरकार की भूमिका' पढ़ाने के लिए निम्न में से कौन सा चित्र चर्चा शुरू करने के लिए उपयुक्त होगा ?

(A) सरकारी अस्पताल का एक दृश्य

(B) एक मुहल्ले के साफ–सफाई की स्थिति

(C) पौष्टिक आहार युक्त एक थाली का चित्र

विकल्प :

(1) (A) और (B)

(2) (A) और (C)

(3) (B) और (C)

(4) (A), (B) और (C)

[Question ID = 148][Question Description = S10_Social Science_Q088]

1. 1 [Option ID = 589]
2. 2 [Option ID = 590]
3. 3 [Option ID = 591]
4. 4 [Option ID = 592]

59)

'Geography is a discipline which studies the interaction between man and his environment'. Which of the following concerns seems valid for the above statement ?

(1) The statement is grammatically wrong.
(2) The statement is gender biased.
(3) The statement is perfect.
(4) The term 'environment' should be replaced by the term 'surrounding'.

'भूगोल एक ऐसी विद्या–विशेष है जो मनुष्य और उसके वातावरण के बीच के संवाद का अध्ययन करता है।'
उपरोक्त कथन के लिए निम्नलिखित व्यक्तव्यों में से कौन सी वैध है ?

(1) कथन व्याकरणिक रूप से गलत है।
(2) कथन लैंगिक भेदभावपूर्ण है।
(3) कथन परिपूर्ण है।
(4) 'वातावरण' शब्द को 'प्रतिवेशी' से बदल देना चाहिए।

[Question ID = 149][Question Description = S10_Social Science_Q089]

1. 1 [Option ID = 593]
2. 2 [Option ID = 594]
3. 3 [Option ID = 595]
4. 4 [Option ID = 596]

60)

Consider the two statements given below and choose the correct option :

Statement I : Social science carry a normative responsibility of creating a strong sense of human values.

Statement II : Social science teaching needs to aim at generating in students a critical moral and mental energy, making them alert to existing social realities.

Options :

(1) **Statement I** is true but **II** is false
(2) Both **I** and **II** are false
(3) **Statement II** is true but **I** is false
(4) Both **I** and **II** are true

निम्नलिखित दिये दो कथनों पर ध्यान दें और सही विकल्प का चयन करें।

कथन I : सामाजिक विज्ञान मानवीय मूल्यों के निर्माण की आदर्श जिम्मेदारी वहन करता है।

कथन II : सामाजिक विज्ञान के अध्यापन को विद्यार्थियों में विवेचनात्मक नैतिक एवं मानसिक उर्जा को पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, जिससे वे विद्यमान सामाजिक वास्तविकताओं से सजग रहें।

विकल्प :

(1) **कथन** I सही है परन्तु II गलत है
(2) **कथन** I और II दोनों गलत हैं
(3) **कथन** II सही है परन्तु I गलत है
(4) **कथन** I और II दोनों सही हैं

[Question ID = 150][Question Description = S10_Social Science_Q090]

1. 1 [Option ID = 597]
2. 2 [Option ID = 598]
3. 3 [Option ID = 599]

4. 4 [Option ID = 600]

Topic:- Telugu_Q91-99_L1_P2_CTET

1)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాస భాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానాలు రాయండి.

తెలుగు దేశంలో బౌద్ధం ఎప్పటి నుండి పరివ్యాప్తమైనదో తెలియదు . కాని, బుద్ధుడు జీవించి యుండగనే ఆ మహామహుని బోధలు దక్షిణాపథ వాసుల హృదయాలను ఆకర్షించిన వసుటకు ఆధారమున్నది. దక్షిణాపథ నివాసియైన నటుడొకడు బుద్ధుని సమకాలికుడయిన బిందుసార మహీపతి సమక్షమున మహాసంబోధి వరకు బుద్ధుని జీవితాన్ని నాటకంగా ప్రదర్శించెననీ, దక్షిణాపథం నుంచి వెళ్లిన మరికొందరు నటులు శోభావతీ నగరాధిపతి సమక్షమున బుద్ధ నాటకాన్ని ప్రదర్శించినారనీ తెలుగు దేశంలో, అందులో సూత్రధారుడే బుద్ధవేషాన్ని, తదితరులు బౌద్ధ భిక్షువుల పాత్రలను ధరించారనీ టిబెట్టు దేశ బౌద్ధ గ్రంథాల వల్ల తెలుస్తున్నది. బుద్ధుని ప్రధాన శిష్యులలో ఒకడయిన మహాకాత్యానుడు ఒక అస్సక రాజుకు దీక్ష ఇచ్చినట్లు విమాన వత్థువ్యాఖ్యలో ఉంది. అస్సకమన్నది తెలంగాణాలోని ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లా ప్రాంతము. దీనికి పోతన రాజధాని. పోతన ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లాలోని బోధన్.

బుద్ధుని జీవిత కాలంలో కాకపోయినా, బౌద్ధం ఆయన నిర్వాణం పొందిన కొద్దికాలానికే తెలుగుదేశంలోని భాగమైన కళింగ దేశంలో వ్యాపించింది. దహనమైన వెనుక చితి నుండి బుద్ధుని ఎడమ కోర పంటిని తీసి జాగ్రత్త పెట్టి ఖేమాథేరుడనే ముని కళింగ దేశాధిపతికిస్తే ఆ రాజు దానికొక రత్నకరండం చేయించి దానిలో పెట్టి పూజిస్తూవచ్చాడు. ఆ రాజధాని దంతపురం బుద్ధ దంత మహిమ వల్ల బుద్ధ వాఙ్మయంలో చాలా ప్రసిద్ధి చెందింది. ఈ దంత ధాతువు కోసం కళింగం మీదికి ఎందరు రాజులో దండెత్తివచ్చారు. దానిని బలిమినైనా తీసుకుపోవాలనే ఉ ద్దేశ్యంతో, చివరకా దంతధాతువు సింహళ ద్వీపానికి వెళ్లింది. ఇప్పటికీ అది అక్కడుందంటారు.

బుద్ధుడు తాను జీవించి ఉన్నంతకాలము సాంఘికులలో అభిప్రాయ భేదాలవల్ల చీలికలు రాకుండా ఆపు చేశాడు. నిర్వాణం పొందిన తర్వాత బౌద్ధ సాంఘికులలో బుద్ధుడుపదేశించిన ధర్మాల విషయంలో అభిప్రాయ భేదం కలిగింది. అప్పుడు సప్రమాణంగా బౌద్ధ ధర్మాన్ని గ్రంథస్థం చేయుటకు అజాతశత్రుని ఆదరణ క్రింద రాజగృహంలో ఒక గొప్ప బౌద్ధమహాసభ జరిగింది. దీనిలో బౌద్ధ ధర్మం నిర్వచింపబడి గ్రంథస్థం అయింది. అటు తర్వాత బుద్ధుడు గతించిన వంద సంవత్సరాలకు వేసాలిలోని పజ్జికులము వారు దశవత్థూని దశవస్తువుల విషయంలో ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘిస్తూవచ్చారు. ఈ దశ వస్తువులలో బౌద్ధ సాంఘికులు స్వర్ణరజతములను పరిగ్రహించకూడదు. మద్యపానము చేయకూడదు. ఈ విషయాన్ని విచారించి ఆచారనిర్ణయం చేయుటకు రెండవమారు బౌద్ధమహాసభ వైశాలిలో సమావేశమయింది. థేరులు ఈ దశ వస్తువుల విషయం ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘించిన సాంఘికులను బహిష్కరించారు. ధర్మం నిర్ణయించారు. పదివేల మంది భిక్షులు థేరసంఘాన్ని విడిచిపెట్టి పోయినారు. వీరే అధిక సంఖ్యాకులుగా ఉండడం వల్ల ఈ వర్గం వారికి మహాసాంఘికులని పేరు కలిగింది. అప్పటి నుండి బౌద్ధ సంఘం థేరులని, మహా సాంఘికులని రెండు పక్షాలయింది. థేరులు శీలమునకు, నీతికి, ఆచారమునకు ప్రాధాన్యమిస్తే – మహా సాంఘికులు తత్త్వ విచారమునకు, లోకోపకార విషయములకు ప్రాముఖ్యం ఇచ్చారు. థేర సంప్రదాయం లోని ఒక శాఖకు విభజ్యవాదమని పేరు.

అశోక చక్రవర్తి ఈ సంప్రదాయము వారిని అధికంగా ఆదరించాడు. అశోక చక్రవర్తి కాలంలో పాటలీపుత్ర నగరమూ మగధ దేశమూ భారత దేశంలో బౌద్ధానికి కేంద్రాలయినవి. మౌర్యులకు తరువాత మగధను పాలించిన శుంగవంశజులు, కాణ్వ వంశజులు బౌద్ధులను హింసించడం వల థేరవాదులు సింహళ గాంధారములకు , మహా సాంఘికులు తెలుగు దేశానికి వలసపోయినారు. మౌర్య సామ్రాజ్యం పతనమైన తర్వాత హిందూ దేశంలో బౌద్ధానికి ఆంధ్రదేశమే కేంద్రమయింది. మహా దేవ థేరుడనే ముని ఆంధ్ర దేశానికి వచ్చి ఇచ్చట చైత్యక సంప్రదాయం స్థాపించాడు. మహా సాంఘికులలోని ఆరు సంప్రదాయములలో ఈ చైత్యక సంప్రదాయం ఒకటి. గోకులిక, ఏకవ్యవహారిక, ప్రజ్ఞప్తివాద, బహుశ్రుతీయ లోకోత్తరవాద సంప్రదాయములు మిగిలినవి.

మహావస్తులో ఉన్నట్లు మహా చైత్యపూజకు ఎక్కువ ప్రాముఖ్యమివ్వడం వల్లనేమో ఈ సంప్రదాయానికి చైత్యక సంప్రదాయమని పేరు వచ్చింది. చైత్యక సంప్రదాయం వారికి ధనకటకం అంటే అమరావతి కేంద్రమయినది. ఈ చైత్యకులలో మరల పూర్వ శైల, అపరశైల, రాజగిరిక, సిద్ధార్థకములని మళ్ళీ నాలుగు సంప్రదాయము లేర్పడినవి. ఈ చైత్యకులు అంధకులు. ఆంధ్రప్రదేశములోని వారు. పూర్వశైలమన్నది ధనకటక మహాచైత్యమునకు తూర్పున, అపర శైలము ఆ మహా చైత్యమునకు పడమట నున్న బౌద్ధ సంఘముల పేరు. పూర్వ శైలము ఇప్పటి ఘంటసాల, అపరశైల మిప్పటి నాగార్జునను కొండ కావచ్చునేమో. నాగార్జునుని కొండ శాసనములలో బహుశ్రుతీయులు, అపరశైలీయులు, పూర్వశైలీయులు, రాజగిరికులు, విభజ్యవాదులు మొదలైన వేరువేరు సంప్రదాయాలవారు ఉదాహృతులయినారు. వీరందరు అక్కడి విహారాలలో ఉండినట్లు ఊహించవచ్చును. టిబెట్టు దేశ ఐతిహ్యమును అనుసరించి పూర్వశైల అపరశైలనికాయములవారి ప్రాకృత భాషలో రచించిన ప్రజ్ఞాపారమితానే గ్రంథం ఉండేదనిన్ని, దీనిలోనే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు బీజప్రాయంగా ఉండేవనీ, ఇవి మహాయాన సంప్రదాయం రూపొందడానికి చాలా తోడ్పడినవని పరిశోధక పండితులంటారు.

కనిష్క చక్రవర్తి నాలుగవ తడవ బౌద్ధ సభను సమావేశపరచేనాటికే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు దేశమంతటా పొటమరించి ఉన్నవి. వాటికోరూపమిచ్చి ఒక గొప్ప సంప్రదాయం మహాయానంగా రూపొందించిన ఆయన నాగార్జునాచార్యులవారు. మహాయానం రూపొందడంతో బౌద్ధం ప్రతివ్యక్తికీ, ప్రతి గృహస్థుకూ అందుబాటులోనికి వచ్చింది. బుద్ధం బహువ్యాప్తమయింది. అంతటినుంచి బౌద్ధంలో తత్త్వ జిజ్ఞాస ఎక్కువయింది.

నాగార్జునాచార్యులవారు తత్త్వ విచారము కావించి శూన్యవాదం ప్రతిపాదించారు. కాని దీనితో సాంఘికులకు తృప్తి కలుగలేదు. అప్పుడు మైత్రేయనాథుడు విజ్ఞానవాదమును ప్రతిపాదించారు. నిర్వాణం పొందిన తరువాత మిగిలేది శూన్యమని నాగార్జునాచార్యులవారంటే విజ్ఞానమని మైత్రేయనాథుడన్నాడు. విజ్ఞానవాదమునకే యోగాచారవాదమనిన్ని పేరు. ఇంకను బౌద్ధంలో తత్త్వ విచారం ముదిరి విజ్ఞానానికి మహాసుఖం కూడా కలిసింది.

ఈ మహాసుఖ వాదంలో నుంచే వజ్రయానం ఆవిర్భవించింది. బౌద్ధంపొందిన దశలలో ఇది కడపటిది. వజ్రయానం రావడం వల్ల బౌద్ధంలో సంఖ్యాతీతంగా దేవీదేవతలు వెలిశారు. విగ్రహ నిర్మాణం ప్రబలింది.

విజ్ఞాన వాదాన్ని ప్రతిపాదించినది.

(1) కనిష్క చక్రవర్తి
(2) నాగార్జునుడు
(3) మైత్రేయనాథుడు
(4) అశోక చక్రవర్తి

[Question ID = 421][Question Description = S3_Telugu_Q091]

1. 1 [Option ID = 1681]
2. 2 [Option ID = 1682]
3. 3 [Option ID = 1683]
4. 4 [Option ID = 1684]

2)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాస భాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానాలు రాయండి.

తెలుగు దేశంలో బౌద్ధం ఎప్పటి నుండి పరివ్యాప్తమైనదో తెలియదు . కాని, బుద్ధుడు జీవించి యుండగనే ఆ మహామహుని బోధలు దక్షిణాపథ వాసుల హృదయాలను ఆకర్షించిన వసుటకు ఆధారమున్నది. దక్షిణాపథ నివాసియైన నటుడొకడు బుద్ధుని సమకాలికుడయిన బిందుసార మహీపతి సమక్షమున మహాసంబోధి వరకు బుద్ధుని జీవితాన్ని నాటకంగా ప్రదర్శించెననీ, దక్షిణాపథం నుంచి వెళ్లిన మరికొందరు నటులు శోభావతీ నగరాధిపతి సమక్షమున బుద్ధ నాటకాన్ని ప్రదర్శించినారనీ తెలుగు దేశంలో, అందులో సూత్రధారుడే బుద్ధవేషాన్ని, తదితరులు బౌద్ధ భిక్షువుల పాత్రలను ధరించారనీ టిబెట్టు దేశ బౌద్ధ గ్రంథాల వల్ల తెలుస్తున్నది. బుద్ధుని ప్రధాన శిష్యులలో ఒకడయిన మహాకాత్యానుడు ఒక అస్సక రాజుకు దీక్ష ఇచ్చినట్లు విమాన వత్థువ్యాఖ్యలో ఉంది. అస్సకమన్నది తెలంగాణాలోని ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లా ప్రాంతము. దీనికి పోతన రాజధాని. పోతన ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లాలోని బోధన్.

బుద్ధుని జీవిత కాలంలో కాకపోయినా, బౌద్ధం ఆయన నిర్వాణం పొందిన కొద్దికాలానికే తెలుగుదేశంలోని భాగమైన కళింగ దేశంలో వ్యాపించింది. దహనమైన వెనుక చితి నుండి బుద్ధుని ఎడమ కోర పంటిని తీసి జాగ్రత్త పెట్టి ఖేమాథేరుడనే ముని కళింగ దేశాధిపతికిస్తే ఆ రాజు దానికొక రత్నకరండం చేయించి దానిలో పెట్టి పూజిస్తూవచ్చాడు. ఆ రాజధాని దంతపురం బుద్ధ దంత మహిమ వల్ల బుద్ధ వాఙ్మయంలో చాలా ప్రసిద్ధి చెందింది. ఈ దంత ధాతువు కోసం కళింగం మీదికి ఎందరు రాజులో దండెత్తివచ్చారు. దానిని బలిమినైనా తీసుకుపోవాలనే ఉద్దేశ్యంతో, చివరకా దంతధాతువు సింహళ ద్వీపానికి వెళ్లింది. ఇప్పటికీ అది అక్కడుందంటారు.

బుద్ధుడు తాను జీవించి ఉన్నంతకాలము సాంఘికులలో అభిప్రాయ భేదాలవల్ల చీలికలు రాకుండా ఆపు చేశాడు. నిర్వాణం పొందిన తర్వాత బౌద్ధ సాంఘికులలో బుద్ధుడుపదేశించిన ధర్మాల విషయంలో అభిప్రాయ భేదం కలిగింది. అప్పుడు సప్రమాణంగా బౌద్ధ ధర్మాన్ని గ్రంథస్థం చేయుటకు అజాతశత్రుని ఆదరణ క్రింద రాజగృహంలో ఒక గొప్ప బౌద్ధమహాసభ జరిగింది. దీనిలో బౌద్ధ ధర్మం నిర్వచింపబడి గ్రంథస్థం అయింది. అటు తర్వాత బుద్ధుడు గతించిన వంద సంవత్సరాలకు వేసాలిలోని వజ్జికులము వారు దశవత్థూని దశవస్తువుల విషయంలో ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘిస్తూవచ్చారు. ఈ దశ వస్తువులలో బౌద్ధ సాంఘికులు స్వర్ణరజతములను పరిగ్రహించకూడదు. మద్యపానము చేయకూడదు. ఈ విషయాన్ని విచారించి ఆచారనిర్ణయం చేయుటకు రెండవమారు బౌద్ధమహాసభ వైశాలిలో సమావేశమయింది. థేరులు ఈ దశ వస్తువుల విషయం ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘించిన సాంఘికులను బహిష్కరించారు. ధర్మం నిర్ణయించారు. పదివేల మంది భిక్షులు థేరసంఘాన్ని విడిచిపెట్టి పోయినారు. వీరే అధిక సంఖ్యాకులుగా ఉండడం వల్ల ఈ వర్గం వారికి మహాసాంఘికులని పేరు కలిగింది. అప్పటి నుండి బౌద్ధ సంఘం థేరులని, మహా సాంఘికులని రెండు పక్షాలయింది. థేరులు శీలమునకు, నీతికి, ఆచారమునకు ప్రాధాన్యమిస్తే – మహా సాంఘికులు తత్త్వ విచారమునకు, లోకోపకార విషయములకు ప్రాముఖ్యం ఇచ్చారు. థేర సంప్రదాయం లోని ఒక శాఖకు విభజ్యవాదమని పేరు.

అశోక చక్రవర్తి ఈ సంప్రదాయము వారిని అధికంగా ఆదరించాడు. అశోక చక్రవర్తి కాలంలో పాటలీపుత్ర నగరమూ మగధ దేశమూ భారత దేశంలో బౌద్ధానికి కేంద్రాలయినవి. మౌర్యులకు తరువాత మగధను పాలించిన శుంగవంశజులు, కాణ్వ వంశజులు బౌద్ధులను హింసించడం వల థేరవాదులు సింహళ గాంధారములకు , మహా సాంఘికులు తెలుగు దేశానికి వలసపోయినారు. మౌర్య సామ్రాజ్యం పతనమైన తర్వాత హిందూ దేశంలో బౌద్ధానికి ఆంధ్రదేశమే కేంద్రమయింది. మహా దేవ థేరుడనే ముని ఆంధ్ర దేశానికి వచ్చి ఇచ్చట చైత్యక సంప్రదాయం స్థాపించాడు. మహా సాంఘికులలోని ఆరు సంప్రదాయములలో ఈ చైత్యక సంప్రదాయం ఒకటి. గోకులిక, ఏకవ్యవహారిక, ప్రజ్ఞప్తివాద, బహుశ్రుతీయ లోకోత్తరవాద సంప్రదాయములు మిగిలినవి.

మహావస్తులో ఉన్నట్లు మహా చైత్యపూజకు ఎక్కువ ప్రాముఖ్యమివ్వడం వల్లనేమో ఈ సంప్రదాయానికి చైత్యక సంప్రదాయమని పేరు వచ్చింది. చైత్యక సంప్రదాయం వారికి ధనకటకం అంటే అమరావతి కేంద్రమయినది. ఈ చైత్యకులలో మరల పూర్వ శైల, అపరశైల, రాజగిరిక, సిద్ధార్థకములని మళ్ళీ నాలుగు సంప్రదాయము లేర్పడినవి. ఈ చైత్యకులు అంధకులు. ఆంధ్రప్రదేశములోని వారు. పూర్వశైలమన్నది ధనకటక మహాచైత్యమునకు తూర్పున, అపర శైలము ఆ మహా చైత్యమునకు పడమట నున్న బౌద్ధ సంఘములపేరు. పూర్వ శైలము ఇప్పటి ఘంటసాల, అపరశైల మిప్పటి నాగార్జునును కొండ కావచ్చునేమో. నాగార్జునుని కొండ శాసనములలో బహుశ్రుతీయులు, అపరశైలీయులు, పూర్వశైలీయులు, రాజగిరికులు, విభజ్యవాదులు మొదలైన వేరువేరు సంప్రదాయాలవారు ఉదాహృతులయినారు. వీరందరు అక్కడి విహారాలలో ఉండినట్లు ఊహించవచ్చును. టిబెట్టు దేశ ఐతిహ్యమును అనుసరించి పూర్వశైల అపరశైలనికాయములవారి ప్రాకృత భాషలో రచించిన ప్రజ్ఞాపారమితానే గ్రంథం ఉండేదనిన్ని, దీనిలోనే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు బీజప్రాయంగా ఉండేవనీ, ఇవి మహాయాన

సంప్రదాయం రూపొందడానికి చాలా తోడ్పడినవని పరిశోధక పండితులంటారు.

కనిష్క చక్రవర్తి నాలుగవ తడవ బౌద్ధ సభను సమావేశపరచేనాటికే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు దేశమంతటా పొటమరించి ఉన్నవి. వాటికోరూపమిచ్చి ఒక గొప్ప సంప్రదాయం మహాయానంగా రూపొందించిన ఆయన నాగార్జునాచార్యులవారు. మహాయానం రూపొందడంతో బౌద్ధం ప్రతివ్యక్తికీ, ప్రతి గృహస్థుకూ అందుబాటులోనికి వచ్చింది. బుద్ధం బహువ్యాప్తమయింది. అంతటినుంచి బౌద్ధంలో తత్వ జిజ్ఞాస ఎక్కువయింది.

నాగార్జునాచార్యులవారు తత్వ విచారము కావించి శూన్యవాదం ప్రతిపాదించారు. కాని దీనితో సాంఘికులకు తృప్తి కలుగలేదు. అప్పుడు మైత్రేయనాథుడు విజ్ఞానవాదమును ప్రతిపాదించారు. నిర్వాణం పొందిన తరువాత మిగిలేది శూన్యమని నాగార్జునాచార్యులవారంటే విజ్ఞానమని మైత్రేయనాథుడన్నాడు. విజ్ఞానవాదమునకే యోగాచారవాదమనిన్ని పేరు. ఇంకను బౌద్ధంలో తత్వ విచారం ముదిరి విజ్ఞానానికి మహాసుఖం కూడా కలిసింది.

ఈ మహాసుఖ వాదంలో నుంచే వజ్రయానం ఆవిర్భవించింది.బౌద్ధంపొందిన దశలలో ఇది కడపటిది. వజ్రయానం రావడం వల్ల బౌద్ధంలో సంఖ్యాతీతంగా దేవీదేవతలు వెలిశారు.విగ్రహ నిర్మాణం ప్రబలింది.

అపర శైలకు ఇప్పటి పేరు

(1) ఘంటశాల

(2) నాగార్జున కొండ

(3) టిబెట్టు

(4) బోధన్

[Question ID = 422][Question Description = S3_Telugu_Q092]

1. 1 [Option ID = 1685]
2. 2 [Option ID = 1686]
3. 3 [Option ID = 1687]
4. 4 [Option ID = 1688]

3)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాస భాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానాలు రాయండి.

తెలుగు దేశంలో బౌద్ధం ఎప్పటి నుండి పరివ్యాప్తమైనదో తెలియదు . కాని, బుద్ధుడు జీవించి యుండగనే ఆ మహామహుని బోధలు దక్షిణాపథ వాసుల హృదయాలను ఆకర్షించిన వనుటకు ఆధారమున్నది. దక్షిణాపథ నివాసియైన నటుడొకడు బుద్ధుని సమకాలికుడయిన బిందుసార మహీపతి సమక్షమున మహాసంబోధి వరకు బుద్ధుని జీవితాన్ని నాటకంగా ప్రదర్శించెననీ, దక్షిణాపథం నుంచి వెళ్లిన మరికొందరు నటులు శోభావతీ నగరాధిపతి సమక్షమున బుద్ధ నాటకాన్ని ప్రదర్శించినారనీ తెలుగు దేశంలో, అందులో సూత్రధారుడే బుద్ధవేషాన్ని, తదితరులు బౌద్ధ భిక్షువుల పాత్రలను ధరించారనీ టిబెట్టు దేశ బౌద్ధ గ్రంథాల వల్ల తెలుస్తున్నది. బుద్ధుని ప్రధాన శిష్యులలో ఒకడయిన మహాకాత్యానుడు ఒక అస్సక రాజుకు దీక్ష ఇచ్చినట్లు విమాన వత్థువ్యాఖ్యలో ఉంది. అస్సకమన్నది తెలంగాణాలోని ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లా ప్రాంతము.దీనికి పోతన రాజధాని. పోతన ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లాలోని బోధన్.

బుద్ధుని జీవిత కాలంలో కాకపోయినా, బౌద్ధం ఆయన నిర్వాణం పొందిన కొద్దికాలానికే తెలుగుదేశంలోని భాగమైన కళింగ దేశంలో వ్యాపించింది. దహనమైన వెనుక చితి నుండి బుద్ధుని ఎడమ కోర పంటిని తీసి జాగ్రత్త పెట్టి ఖేమాథేరుడనే ముని కళింగ దేశాధిపతికిస్తే ఆ రాజు దానికొక రత్నకరండం చేయించి దానిలో పెట్టి పూజిస్తూవచ్చాడు. ఆ రాజధాని దంతపురం బుద్ధ దంత మహిమ వల్ల బుద్ధ వాఙ్మయంలో చాలా ప్రసిద్ధి చెందింది. ఈ దంత ధాతువు కోసం కళింగం మీదికి ఎందరు రాజులో దండెత్తివచ్చారు. దానిని బలిమినైనా తీసుకుపోవాలనే ఉద్దేశ్యంతో, చివరకా దంతధాతువు సింహళ ద్వీపానికి వెళ్లింది. ఇప్పటికీ అది అక్కడుందంటారు.

బుద్ధుడు తాను జీవించి ఉన్నంతకాలము సాంఘికులలో అభిప్రాయ భేదాలవల్ల చీలికలు రాకుండా ఆపు చేశాడు. నిర్వాణం పొందిన తర్వాత బౌద్ధ సాంఘికులలో బుద్ధుడుపదేశించిన ధర్మాల విషయంలో అభిప్రాయ భేదం కలిగింది. అప్పుడు సప్రమాణంగా బౌద్ధ ధర్మాన్ని గ్రంథస్థం చేయుటకు అజాతశత్రుని ఆదరణ క్రింద రాజగృహంలో ఒక గొప్ప బౌద్ధమహాసభ జరిగింది. దీనిలో బౌద్ధ ధర్మం నిర్వచింపబడి గ్రంథస్థం అయింది. అటు తర్వాత బుద్ధుడు గతించిన వంద సంవత్సరాలకు వేసాలిలోని పజ్జికులము వారు దశవత్థూని దశవస్తువుల విషయంలో ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘిస్తూవచ్చారు. ఈ దశ వస్తువులలో బౌద్ధ సాంఘికులు స్వర్ణరజతములను పరిగ్రహించకూడదు. మద్యపానము చేయకూడదు. ఈ విషయాన్ని విచారించి ఆచారనిర్ణయం చేయుటకు రెండవమారు బౌద్ధమహాసభ వైశాలిలో సమావేశమయింది. థేరులు ఈ దశ వస్తువుల విషయం ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘించిన సాంఘికులను బహిష్కరించారు. ధర్మం నిర్ణయించారు. పదివేల మంది భిక్షులు థేరసంఘాన్ని విడిచిపెట్టి పోయినారు. వీరే అధిక సంఖ్యాకులుగా ఉండడం వల్ల ఈ వర్గం వారికి మహాసాంఘికులని పేరు కలిగింది. అప్పటి నుండి బౌద్ధ సంఘం థేరులని, మహా సాంఘికులని రెండు పక్షాలయింది. థేరులు శీలమునకు, నీతికి, ఆచారమునకు ప్రాధాన్యమిస్తే – మహా సాంఘికులు తత్వ విచారమునకు, లోకోపకార విషయములకు ప్రాముఖ్యం ఇచ్చారు. థేర సంప్రదాయం లోని ఒక శాఖకు విభజ్యవాదమని పేరు.

అశోక చక్రవర్తి ఈ సంప్రదాయము వారిని అధికంగా ఆదరించాడు. అశోక చక్రవర్తి కాలంలో పాటలీపుత్ర నగరమూ మగధ దేశమూ భారత దేశంలో బౌద్ధానికి కేంద్రాలయినవి. మౌర్యులకు తరువాత మగధను పాలించిన శుంగవంశజులు, కాణ్వ వంశజులు బౌద్ధులను హింసించడం వల థేరవాదులు సింహళ గాంధారములకు , మహా సాంఘికులు తెలుగు దేశానికి వలసపోయినారు. మౌర్య సామ్రాజ్యం పతనమైన తర్వాత హిందూ దేశంలో బౌద్ధానికి ఆంధ్రదేశమే కేంద్రమయింది. మహా దేవ థేరుడనే ముని ఆంధ్ర దేశానికి వచ్చి ఇచ్చట చైత్యక సంప్రదాయం స్థాపించాడు. మహా సాంఘికులలోని ఆరు సంప్రదాయములలో ఈ చైత్యక సంప్రదాయం ఒకటి. గోకులిక, ఏకవ్యవహారిక, ప్రజ్ఞప్తివాద,

బహుశ్రుతీయ లోకోత్తరవాద సంప్రదాయములు మిగిలినవి.

మహావస్తులో ఉన్నట్లు మహా చైత్యపూజకు ఎక్కువ ప్రాముఖ్యమివ్వడం వల్లనేమో ఈ సంప్రదాయానికి చైత్యక సంప్రదాయమని పేరు వచ్చింది. చైత్యక సంప్రదాయం వారికి ధనకటకం అంటే అమరావతి కేంద్రమయినది. ఈ చైత్యకులలో మరల పూర్వ శైల, అపరశైల, రాజగిరిక, సిద్ధార్థకములని మళ్ళీ నాలుగు సంప్రదాయము లేర్పడినవి. ఈ చైత్యకులు అంధకులు. ఆంధ్రప్రదేశములోని వారు. పూర్వశైలమన్నది ధనకటక మహాచైత్యమునకు తూర్పున, అపర శైలము ఆ మహా చైత్యమునకు పడమట నున్న బౌద్ధ సంఘములపేరు. పూర్వ శైలము ఇప్పటి ఘంటసాల, అపరశైల మిప్పటి నాగార్జునుని కొండ కావచ్చునేమో. నాగార్జునుని కొండ శాసనములలో బహుశ్రుతీయులు, అపరశైలీయులు, పూర్వశైలీయులు, రాజగిరికులు, విభజ్యవాదులు మొదలైన వేరువేరు సంప్రదాయాలవారు ఉదాహృతులయినారు. వీరందరు అక్కడి విహారాలలో ఉండినట్లు ఊహించవచ్చును. టిబెట్టు దేశ ఐతిహ్యమును అనుసరించి పూర్వశైల అపరశైలనికాయములవారి ప్రాకృత భాషలో రచించిన ప్రజ్ఞాపారమితానే గ్రంథం ఉండేదనిన్ని, దీనిలోనే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు బీజప్రాయంగా ఉండేవనీ, ఇవి మహాయాన సంప్రదాయం రూపొందడానికి చాలా తోడ్పడినవని పరిశోధక పండితులంటారు.

కనిష్క చక్రవర్తి నాలుగవ తడవ బౌద్ధ సభను సమావేశపరచేనాటికే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు దేశమంతటా పొటమరించి ఉన్నవి. వాటికోరూపమిచ్చి ఒక గొప్ప సంప్రదాయం మహాయానంగా రూపొందించిన ఆయన నాగార్జునాచార్యులవారు. మహాయానం రూపొందడంతో బౌద్ధం ప్రతివ్యక్తికీ, ప్రతి గృహస్థుకూ అందుబాటులోనికి వచ్చింది. బుద్ధం బహువ్యాప్తమయింది. అంతటినుంచి బౌద్ధంలో తత్వ జిజ్ఞాస ఎక్కువయింది.

నాగార్జునాచార్యులవారు తత్వ విచారము కావించి శూన్యవాదం ప్రతిపాదించారు. కాని దీనితో సాంఘికులకు తృప్తి కలుగలేదు. అప్పుడు మైత్రేయనాథుడు విజ్ఞానవాదమును ప్రతిపాదించారు. నిర్వాణం పొందిన తరువాత మిగిలేది శూన్యమని నాగార్జునాచార్యులవారంటే విజ్ఞానమని మైత్రేయనాథుడన్నాడు. విజ్ఞానవాదమునకే యోగాచారవాదమనిన్ని పేరు. ఇంకను బౌద్ధంలో తత్వ విచారం ముదిరి విజ్ఞానానికి మహాసుఖం కూడా కలిసింది.

ఈ మహాసుఖ వాదంలో నుంచే వజ్రయానం ఆవిర్భవించింది.బౌద్ధంపొందిన దశలలో ఇది కడపటిది. వజ్రయానం రావడం వల్ల బౌద్ధంలో సంఖ్యాతీతంగా దేవీదేవతలు వెలిశారు.విగ్రహ నిర్మాణం ప్రబలింది.

మౌర్యుల తరువాత మగధను పాలించినది

(1) శుంగ వంశజులు
(2) కాన్వా వంశజులు
(3) మహా సాంఘికులు
(4) రాజ గిరికులు

[Question ID = 423][Question Description = S3_Telugu_Q093]

1. 1 [Option ID = 1689]
2. 2 [Option ID = 1690]
3. 3 [Option ID = 1691]
4. 4 [Option ID = 1692]

4)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాస భాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానాలు రాయండి.

తెలుగు దేశంలో బౌద్ధం ఎప్పటి నుండి పరివ్యాప్తమైనదో తెలియదు . కాని, బుద్ధుడు జీవించి యుండగనే ఆ మహామహుని బోధలు దక్షిణాపథ వాసుల హృదయాలను ఆకర్షించిన వనుటకు ఆధారమున్నది. దక్షిణాపథ నివాసియైన నటుడొకడు బుద్ధుని సమకాలికుడయిన బిందుసార మహీపతి సమక్షమున మహాసంబోధి వరకు బుద్ధుని జీవితాన్ని నాటకంగా ప్రదర్శించెననీ, దక్షిణాపథం నుంచి వెళ్లిన మరికొందరు నటులు శోభావతీ నగరాధిపతి సమక్షమున బుద్ధ నాటకాన్ని ప్రదర్శించినారనీ తెలుగు దేశంలో, అందులో సూత్రధారుడే బుద్ధవేషాన్ని, తదితరులు బౌద్ధ భిక్షువుల పాత్రలను ధరించారనీ టిబెట్టు దేశ బౌద్ధ గ్రంథాల వల్ల తెలుస్తున్నది. బుద్ధుని ప్రధాన శిష్యులలో ఒకడయిన మహాకాత్యానుడు ఒక అస్సక రాజుకు దీక్ష ఇచ్చినట్లు విమాన వత్థువ్యాఖ్యలో ఉంది. అస్సకమన్నది తెలంగాణాలోని ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లా ప్రాంతము.దీనికి పోతన రాజధాని. పోతన ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లాలోని బోధన్.

బుద్ధుని జీవిత కాలంలో కాకపోయినా, బౌద్ధం ఆయన నిర్వాణం పొందిన కొద్దికాలానికే తెలుగుదేశంలోని భాగమైన కళింగ దేశంలో వ్యాపించింది. దహనమైన వెనుక చితి నుండి బుద్ధుని ఎడమ కోర పంటిని తీసి జాగ్రత్త పెట్టి ఖేమాథేరుడనే ముని కళింగ దేశాధిపతికిస్తే ఆ రాజు దానికొక రత్నకరండం చేయించి దానిలో పెట్టి పూజిస్తూవచ్చాడు. ఆ రాజధాని దంతపురం బుద్ధ దంత మహిమ వల్ల బుద్ధ వాఙ్మయంలో చాలా ప్రసిద్ధి చెందింది. ఈ దంత ధాతువు కోసం కళింగం మీదికి ఎందరు రాజులో దండెత్తివచ్చారు. దానిని బలిమినైనా తీసుకుపోవాలనే ఉద్దేశ్యంతో, చివరకా దంతధాతువు సింహళ ద్వీపానికి వెళ్లింది. ఇప్పటికీ అది అక్కడుందంటారు.

బుద్ధుడు తాను జీవించి ఉన్నంతకాలము సాంఘికులలో అభిప్రాయ భేదాలవల్ల చీలికలు రాకుండా ఆపు చేశాడు. నిర్వాణం పొందిన తర్వాత బౌద్ధ సాంఘికులలో బుద్ధుడుపదేశించిన ధర్మాల విషయంలో అభిప్రాయ భేదం కలిగింది. అప్పుడు సప్రమాణంగా బౌద్ధ ధర్మాన్ని గ్రంథస్థం చేయుటకు అజాతశత్రుని ఆదరణ క్రింద రాజగృహంలో ఒక గొప్ప బౌద్ధమహాసభ జరిగింది. దీనిలో బౌద్ధ ధర్మం నిర్వచింపబడి గ్రంథస్థం అయింది. అటు తర్వాత బుద్ధుడు గతించిన వంద సంవత్సరాలకు వేసాలిలోని పజ్జికులము వారు దశవత్థూని దశవస్తువుల విషయంలో ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘిస్తూవచ్చారు. ఈ దశ వస్తువులలో బౌద్ధ సాంఘికులు స్వర్ణరజతములను పరిగ్రహించకూడదు. మద్యపానము చేయకూడదు. ఈ విషయాన్ని విచారించి ఆచారనిర్ణయం చేయుటకు రెండవమారు బౌద్ధమహాసభ వైశాలిలో సమావేశమయింది. థేరులు ఈ దశ వస్తువుల

విషయం ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘించిన సాంఘికులను బహిష్కరించారు. ధర్మం నిర్ణయించారు. పదివేల మంది భిక్షులు థేరసంఘాన్ని విడిచిపెట్టి పోయినారు. వీరే అధిక సంఖ్యాకులుగా ఉండడం వల్ల ఈ వర్గం వారికి మహాసాంఘికులని పేరు కలిగింది. అప్పటి నుండి బౌద్ధ సంఘం థేరులని, మహా సాంఘికులని రెండు పక్షాలయింది. థేరులు శీలమునకు, నీతికి, ఆచారమునకు ప్రాధాన్యమిస్తే – మహా సాంఘికులు తత్త్వ విచారమునకు, లోకోపకార విషయములకు ప్రాముఖ్యం ఇచ్చారు. థేర సంప్రదాయం లోని ఒక శాఖకు విభజ్యవాదమని పేరు.

అశోక చక్రవర్తి ఈ సంప్రదాయము వారిని అధికంగా ఆదరించాడు. అశోక చక్రవర్తి కాలంలో పాటలీపుత్ర నగరమూ మగధ దేశమూ భారత దేశంలో బౌద్ధానికి కేంద్రాలయినవి. మౌర్యులకు తరువాత మగధను పాలించిన శుంగవంశజులు, కాణ్వ వంశజులు బౌద్ధులను హింసించడం వల థేరవాదులు సింహళ గాంధారములకు , మహా సాంఘికులు తెలుగు దేశానికి వలసపోయినారు. మౌర్య సామ్రాజ్యం పతనమైన తర్వాత హిందూ దేశంలో బౌద్ధానికి ఆంధ్రదేశమే కేంద్రమయింది. మహా దేవ థేరుడనే ముని ఆంధ్ర దేశానికి వచ్చి ఇచ్చట చైత్యక సంప్రదాయం స్థాపించాడు. మహా సాంఘికులలోని ఆరు సంప్రదాయములలో ఈ చైత్యక సంప్రదాయం ఒకటి. గోకులిక, ఏకవ్యవహారిక, ప్రజ్ఞప్తివాద, బహుశ్రుతీయ లోకోత్తరవాద సంప్రదాయములు మిగిలినవి.

మహావస్తులో ఉన్నట్లు మహా చైత్యపూజకు ఎక్కువ ప్రాముఖ్యమివ్వడం వల్లనేమో ఈ సంప్రదాయానికి చైత్యక సంప్రదాయమని పేరు వచ్చింది. చైత్యక సంప్రదాయం వారికి ధనకటకం అంటే అమరావతి కేంద్రమయినది. ఈ చైత్యకులలో మరల పూర్వ శైల, అపరశైల, రాజగిరిక, సిద్ధార్థకములని మళ్ళీ నాలుగు సంప్రదాయము లేర్పడినవి. ఈ చైత్యకులు అంధకులు. ఆంధ్రప్రదేశములోని వారు. పూర్వశైలమన్నది ధనకటక మహాచైత్యమునకు తూర్పున, అపర శైలము ఆ మహా చైత్యమునకు పడమట నున్న బౌద్ధ సంఘములపేరు. పూర్వ శైలము ఇప్పటి ఘంటసాల, అపరశైల మిప్పటి నాగార్జునును కొండ కావచ్చునేమో. నాగార్జునుని కొండ శాసనములలో బహుశ్రుతీయులు, అపరశైలీయులు, పూర్వశైలీయులు, రాజగిరికులు, విభజ్యవాదులు మొదలైన వేరువేరు సంప్రదాయాలవారు ఉదాహృతులయినారు. వీరందరు అక్కడి విహారాలలో ఉండినట్లు ఊహించవచ్చును. టిబెట్టు దేశ ఐతిహ్యమును అనుసరించి పూర్వశైల అపరశైలనికాయములవారి ప్రాకృత భాషలో రచించిన ప్రజ్ఞాపారమితానే గ్రంథం ఉండేదనిన్ని, దీనిలోనే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు బీజప్రాయంగా ఉండేవనీ, ఇవి మహాయాన సంప్రదాయం రూపొందడానికి చాలా తోడ్పడినవని పరిశోధక పండితులంటారు.

కనిష్క చక్రవర్తి నాలుగవ తడవ బౌద్ధ సభను సమావేశపరచేనాటికే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు దేశమంతటా పొటమరించి ఉన్నవి. వాటికోరూపమిచ్చి ఒక గొప్ప సంప్రదాయం మహాయానంగా రూపొందించిన ఆయన నాగార్జునాచార్యులవారు. మహాయానం రూపొందడంతో బౌద్ధం ప్రతివ్యక్తికీ, ప్రతి గృహస్థుకూ అందుబాటులోనికి వచ్చింది. బుద్ధం బహువ్యాప్తమయింది. అంతటినుంచి బౌద్ధంలో తత్త్వ జిజ్ఞాస ఎక్కువయింది.

నాగార్జునాచార్యులవారు తత్త్వ విచారము కావించి శూన్యవాదం ప్రతిపాదించారు. కాని దీనితో సాంఘికులకు తృప్తి కలుగలేదు. అప్పుడు మైత్రేయనాథుడు విజ్ఞానవాదమును ప్రతిపాదించారు. నిర్వాణం పొందిన తరువాత మిగిలేది శూన్యమని నాగార్జునాచార్యులవారంటే విజ్ఞానమని మైత్రేయనాథుడన్నాడు. విజ్ఞానవాదమునకే యోగాచారవాదమనిన్ని పేరు. ఇంకను బౌద్ధంలో తత్త్వ విచారం ముదిరి విజ్ఞానానికి మహాసుఖం కూడా కలిసింది.

ఈ మహాసుఖ వాదంలో నుంచే వజ్రయానం ఆవిర్భవించింది.బౌద్ధంపొందిన దశలలో ఇది కడపటిది. వజ్రయానం రావడం వల్ల బౌద్ధంలో సంఖ్యాతీతంగా దేవీదేవతలు వెలిశారు.విగ్రహ నిర్మాణం ప్రబలింది.

ఈ క్రిందివారిలో శూన్యవాదాన్ని ప్రతిపాదించినది.

(1) దేవధీరుడు
(2) కనిష్క చక్రవర్తి
(3) నాగార్జునుడు
(4) బుద్ధుడు

[Question ID = 424][Question Description = S3_Telugu_Q094]

1. 1 [Option ID = 1693]
2. 2 [Option ID = 1694]
3. 3 [Option ID = 1695]
4. 4 [Option ID = 1696]

5)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాస భాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానాలు రాయండి.

తెలుగు దేశంలో బౌద్ధం ఎప్పటి నుండి పరివ్యాప్తమైనదో తెలియదు . కాని, బుద్ధుడు జీవించి యుండగనే ఆ మహామహుని బోధలు దక్షిణాపథ వాసుల హృదయాలను ఆకర్షించిన వనుటకు ఆధారమున్నది. దక్షిణాపథ నివాసియైన నటుడొకడు బుద్ధుని సమకాలికుడయిన బిందుసార మహీపతి సమక్షమున మహాసంబోధి వరకు బుద్ధుని జీవితాన్ని నాటకంగా ప్రదర్శించెననీ, దక్షిణాపథం నుంచి వెళ్లిన మరికొందరు నటులు శోభావతీ నగరాధిపతి సమక్షమున బుద్ధ నాటకాన్ని ప్రదర్శించినారనీ తెలుగు దేశంలో, అందులో సూత్రధారుడే బుద్ధవేషాన్ని, తదితరులు బౌద్ధ భిక్షువుల పాత్రలను ధరించారనీ టిబెట్టు దేశ బౌద్ధ గ్రంథాల వల్ల తెలుస్తున్నది. బుద్ధుని ప్రధాన శిష్యులలో ఒకడయిన మహాకాత్యానుడు ఒక అస్సక రాజుకు దీక్ష ఇచ్చినట్లు విమాన వత్థువ్యాఖ్యలో ఉంది. అస్సకమన్నది తెలంగాణాలోని ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లా ప్రాంతము.దీనికి పోతన రాజధాని. పోతన ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లాలోని బోధన్.

బుద్ధుని జీవిత కాలంలో కాకపోయినా, బౌద్ధం ఆయన నిర్వాణం పొందిన కొద్దికాలానికే తెలుగుదేశంలోని భాగమైన కళింగ దేశంలో వ్యాపించింది. దహనమైన వెనుక చితి నుండి బుద్ధుని ఎడమ కోర పంటిని తీసి జాగ్రత్త పెట్టి ఖేమాథేరుడనే ముని కళింగ దేశాధిపతికిస్తే ఆ

రాజు దానికొక రత్నకరండం చేయించి దానిలో పెట్టి పూజిస్తూవచ్చాడు. ఆ రాజధాని దంతపురం బుద్ధ దంత మహిమ వల్ల బుద్ధ వాఙ్మయంలో చాలా ప్రసిద్ధి చెందింది. ఈ దంత ధాతువు కోసం కళింగం మీదికి ఎందరు రాజులో దండెత్తివచ్చారు. దానిని బలిమినైనా తీసుకుపోవాలనే ఉద్దేశ్యంతో, చివరకా దంతధాతువు సింహళ ద్వీపానికి వెళ్లింది. ఇప్పటికీ అది అక్కడుందంటారు.

బుద్ధుడు తాను జీవించి ఉన్నంతకాలము సాంఘికులలో అభిప్రాయ భేదాలవల్ల చీలికలు రాకుండా ఆపు చేశాడు. నిర్వాణం పొందిన తర్వాత బౌద్ధ సాంఘికులలో బుద్ధుడుపదేశించిన ధర్మాల విషయంలో అభిప్రాయ భేదం కలిగింది. అప్పుడు సప్రమాణంగా బౌద్ధ ధర్మాన్ని గ్రంథస్థం చేయుటకు అజాతశత్రుని ఆదరణ క్రింద రాజగృహంలో ఒక గొప్ప బౌద్ధమహాసభ జరిగింది. దీనిలో బౌద్ధ ధర్మం నిర్వచింపబడి గ్రంథస్థం అయింది. అటు తర్వాత బుద్ధుడు గతించిన వంద సంవత్సరాలకు వేసాలిలోని వజ్జికులము వారు దశవత్థూని దశవస్తువుల విషయంలో ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘిస్తూవచ్చారు. ఈ దశ వస్తువులలో బౌద్ధ సాంఘికులు స్వర్ణరజతములను పరిగ్రహించకూడదు. మద్యపానము చేయకూడదు. ఈ విషయాన్ని విచారించి ఆచారనిర్ణయం చేయుటకు రెండవమారు బౌద్ధమహాసభ వైశాలిలో సమావేశమయింది. థేరులు ఈ దశ వస్తువుల విషయం ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘించిన సాంఘికులను బహిష్కరించారు. ధర్మం నిర్ణయించారు. పదివేల మంది భిక్షులు థేరసంఘాన్ని విడిచిపెట్టి పోయినారు. వీరే అధిక సంఖ్యాకులుగా ఉండడం వల్ల ఈ వర్గం వారికి మహాసాంఘికులని పేరు కలిగింది. అప్పటి నుండి బౌద్ధ సంఘం థేరులని, మహా సాంఘికులని రెండు పక్షాలయింది. థేరులు శీలమునకు, నీతికి, ఆచారమునకు ప్రాధాన్యమిస్తే – మహా సాంఘికులు తత్త్వ విచారమునకు, లోకోపకార విషయములకు ప్రాముఖ్యం ఇచ్చారు. థేర సంప్రదాయం లోని ఒక శాఖకు విభజ్యవాదమని పేరు.

అశోక చక్రవర్తి ఈ సంప్రదాయము వారిని అధికంగా ఆదరించాడు. అశోక చక్రవర్తి కాలంలో పాటలీపుత్ర నగరమూ మగధ దేశమూ భారత దేశంలో బౌద్ధానికి కేంద్రాలయినవి. మౌర్యులకు తరువాత మగధను పాలించిన శుంగవంశజులు, కాణ్వ వంశజులు బౌద్ధులను హింసించడం వల థేరవాదులు సింహళ గాంధారములకు , మహా సాంఘికులు తెలుగు దేశానికి వలసపోయినారు. మౌర్య సామ్రాజ్యం పతనమైన తర్వాత హిందూ దేశంలో బౌద్ధానికి ఆంధ్రదేశమే కేంద్రమయింది. మహా దేవ థేరుడనే ముని ఆంధ్ర దేశానికి వచ్చి ఇచ్చట చైత్యక సంప్రదాయం స్థాపించాడు. మహా సాంఘికులలోని ఆరు సంప్రదాయములలో ఈ చైత్యక సంప్రదాయం ఒకటి. గోకులిక, ఏకవ్యవహారిక, ప్రజ్ఞప్తివాద, బహుశ్రుతీయ లోకోత్తరవాద సంప్రదాయములు మిగిలినవి.

మహావస్తులో ఉన్నట్లు మహా చైత్యపూజకు ఎక్కువ ప్రాముఖ్యమివ్వడం వల్లనేమో ఈ సంప్రదాయానికి చైత్యక సంప్రదాయమని పేరు వచ్చింది. చైత్యక సంప్రదాయం వారికి ధనకటకం అంటే అమరావతి కేంద్రమయినది. ఈ చైత్యకులలో మరల పూర్వ శైల, అపరశైల, రాజగిరిక, సిద్ధార్థకములని మళ్ళీ నాలుగు సంప్రదాయము లేర్పడినవి. ఈ చైత్యకులు అంధకులు. ఆంధ్రప్రదేశములోని వారు. పూర్వశైలమన్నది ధనకటక మహాచైత్యమునకు తూర్పున, అపర శైలము ఆ మహా చైత్యమునకు పడమట నున్న బౌద్ధ సంఘముల పేరు. పూర్వ శైలము ఇప్పటి ఘంటసాల, అపరశైల మిప్పటి నాగార్జునను కొండ కావచ్చునేమో. నాగార్జునుని కొండ శాసనములలో బహుశ్రుతీయులు, అపరశైలీయులు, పూర్వశైలీయులు, రాజగిరికులు, విభజ్యవాదులు మొదలైన వేరువేరు సంప్రదాయాలవారు ఉదాహృతులయినారు. వీరందరు అక్కడి విహారాలలో ఉండినట్లు ఊహించవచ్చును. టిబెట్టు దేశ ఐతిహ్యమును అనుసరించి పూర్వశైల అపరశైలనికాయములవారి ప్రాకృత భాషలో రచించిన ప్రజ్ఞాపారమితానే గ్రంథం ఉండేదనిన్ని, దీనిలోనే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు బీజప్రాయంగా ఉండేవనీ, ఇవి మహాయాన సంప్రదాయం రూపొందడానికి చాలా తోడ్పడినవని పరిశోధక పండితులంటారు.

కనిష్క చక్రవర్తి నాలుగవ తడవ బౌద్ధ సభను సమావేశపరచేనాటికే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు దేశమంతటా పొటమరించి ఉన్నవి. వాటికోరూపమిచ్చి ఒక గొప్ప సంప్రదాయం మహాయానంగా రూపొందించిన ఆయన నాగార్జునాచార్యులవారు. మహాయానం రూపొందడంతో బౌద్ధం ప్రతివ్యక్తికీ, ప్రతి గృహస్థుకూ అందుబాటులోనికి వచ్చింది. బుద్ధం బహువ్యాప్తమయింది. అంతటినుంచి బౌద్ధంలో తత్త్వ జిజ్ఞాస ఎక్కువయింది.

నాగార్జునాచార్యులవారు తత్త్వ విచారము కావించి శూన్యవాదం ప్రతిపాదించారు. కాని దీనితో సాంఘికులకు తృప్తి కలుగలేదు. అప్పుడు మైత్రేయనాథుడు విజ్ఞానవాదమును ప్రతిపాదించారు. నిర్వాణం పొందిన తరువాత మిగిలేది శూన్యమని నాగార్జునాచార్యులవారంటే విజ్ఞానమని మైత్రేయనాథుడన్నాడు. విజ్ఞానవాదమునకే యోగాచారవాదమనిన్ని పేరు. ఇంకను బౌద్ధంలో తత్త్వ విచారం ముదిరి విజ్ఞానానికి మహాసుఖం కూడా కలిసింది.

ఈ మహాసుఖ వాదంలో నుంచే వజ్రయానం ఆవిర్భవించింది. బౌద్ధంపొందిన దశలలో ఇది కడపటిది. వజ్రయానం రావడం వల్ల బౌద్ధంలో సంఖ్యాతీతంగా దేవీదేవతలు వెలిశారు. విగ్రహ నిర్మాణం ప్రబలింది.

మహాయాన సంప్రదాయం రూపొందటానికి ప్రేరణ అయినది

(1) కనిష్క చక్రవర్తి
(2) అస్సక రాజు
(3) ప్రజ్ఞా పారమిత
(4) కనిష్క చక్రవర్తి

[Question ID = 425][Question Description = S3_Telugu_Q095]

1. 1 [Option ID = 1697]
2. 2 [Option ID = 1698]
3. 3 [Option ID = 1699]
4. 4 [Option ID = 1700]

6)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాస భాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానాలు రాయుము.

తెలుగు దేశంలో బౌద్ధం ఎప్పటి నుండి పరివ్యాప్తమైనదో తెలియదు . కాని, బుద్ధుడు జీవించి యుండగనే ఆ మహామహుని బోధలు దక్షిణాపథ వాసుల హృదయాలను ఆకర్షించిన వనుటకు ఆధారమున్నది. దక్షిణాపథ నివాసియైన నటుడొకడు బుద్ధుని సమకాలికుడయిన బిందుసార మహీపతి సమక్షమున మహాసంబోధి వరకు బుద్ధుని జీవితాన్ని నాటకంగా ప్రదర్శించెననీ, దక్షిణాపథం నుంచి వెళ్లిన మరికొందరు నటులు శోభావతీ నగరాధిపతి సమక్షమున బుద్ధ నాటకాన్ని ప్రదర్శించినారనీ తెలుగు దేశంలో, అందులో సూత్రధారుడే బుద్ధవేషాన్ని, తదితరులు బౌద్ధ భిక్షువుల పాత్రలను ధరించారనీ టిబెట్టు దేశ బౌద్ధ గ్రంథాల వల్ల తెలుస్తున్నది. బుద్ధుని ప్రధాన శిష్యులలో ఒకడయిన మహాకాత్యానుడు ఒక అస్సక రాజుకు దీక్ష ఇచ్చినట్లు విమాన వత్థువ్యాఖ్యలో ఉంది. అస్సకమన్నది తెలంగాణాలోని ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లా ప్రాంతము.దీనికి పోతన రాజధాని. పోతన ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లాలోని బోధన్.

బుద్ధుని జీవిత కాలంలో కాకపోయినా, బౌద్ధం ఆయన నిర్వాణం పొందిన కొద్దికాలానికే తెలుగుదేశంలోని భాగమైన కళింగ దేశంలో వ్యాపించింది. దహనమైన వెనుక చితి నుండి బుద్ధుని ఎడమ కోర పంటిని తీసి జాగ్రత్త పెట్టి ఖేమాథేరుడనే ముని కళింగ దేశాధిపతికిస్తే ఆ రాజు దానికొక రత్నకరండం చేయించి దానిలో పెట్టి పూజిస్తూవచ్చాడు. ఆ రాజధాని దంతపురం బుద్ధ దంత మహిమ వల్ల బుద్ధ వాఙ్మయంలో చాలా ప్రసిద్ధి చెందింది. ఈ దంత ధాతువు కోసం కళింగం మీదికి ఎందరు రాజులో దండెత్తివచ్చారు. దానిని బలిమినైనా తీసుకుపోవాలనే ఉద్దేశ్యంతో, చివరకా దంతధాతువు సింహళ ద్వీపానికి వెళ్లింది. ఇప్పటికీ అది అక్కడుందంటారు.

బుద్ధుడు తాను జీవించి ఉన్నంతకాలము సాంఘికులలో అభిప్రాయ భేదాలవల్ల చీలికలు రాకుండా ఆపు చేశాడు. నిర్వాణం పొందిన తర్వాత బౌద్ధ సాంఘికులలో బుద్ధుడుపదేశించిన ధర్మాల విషయంలో అభిప్రాయ భేదం కలిగింది. అప్పుడు సప్రమాణంగా బౌద్ధ ధర్మాన్ని గ్రంథస్థం చేయుటకు అజాతశత్రుని ఆదరణ క్రింద రాజగృహంలో ఒక గొప్ప బౌద్ధమహాసభ జరిగింది. దీనిలో బౌద్ధ ధర్మం నిర్వచింపబడి గ్రంథస్థం అయింది. అటు తర్వాత బుద్ధుడు గతించిన వంద సంవత్సరాలకు వేసాలిలోని వజ్జికులము వారు దశవత్థూని దశవస్తువుల విషయంలో ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘిస్తూవచ్చారు. ఈ దశ వస్తువులలో బౌద్ధ సాంఘికులు స్వర్ణరజతములను పరిగ్రహించకూడదు. మద్యపానము చేయకూడదు. ఈ విషయాన్ని విచారించి ఆచారనిర్ణయం చేయుటకు రెండవమారు బౌద్ధమహాసభ వైశాలిలో సమావేశమయింది. థేరులు ఈ దశ వస్తువుల విషయం ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘించిన సాంఘికులను బహిష్కరించారు. ధర్మం నిర్ణయించారు. పదివేల మంది భిక్షులు థేరసంఘాన్ని విడిచిపెట్టి పోయినారు. వీరే అధిక సంఖ్యాకులుగా ఉండడం వల్ల ఈ వర్గం వారికి మహాసాంఘికులని పేరు కలిగింది. అప్పటి నుండి బౌద్ధ సంఘం థేరులని, మహా సాంఘికులని రెండు పక్షాలయింది. థేరులు శీలమునకు, నీతికి, ఆచారమునకు ప్రాధాన్యమిస్తే – మహా సాంఘికులు తత్త్వ విచారమునకు, లోకోపకార విషయములకు ప్రాముఖ్యం ఇచ్చారు. థేర సంప్రదాయం లోని ఒక శాఖకు విభజ్యవాదమని పేరు.

అశోక చక్రవర్తి ఈ సంప్రదాయము వారిని అధికంగా ఆదరించాడు. అశోక చక్రవర్తి కాలంలో పాటలీపుత్ర నగరమూ మగధ దేశమూ భారత దేశంలో బౌద్ధానికి కేంద్రాలయినవి. మౌర్యులకు తరువాత మగధను పాలించిన శుంగవంశజులు, కాణ్వ వంశజులు బౌద్ధులను హింసించడం వల థేరవాదులు సింహళ గాంధారములకు , మహా సాంఘికులు తెలుగు దేశానికి వలసపోయినారు. మౌర్య సామ్రాజ్యం పతనమైన తర్వాత హిందూ దేశంలో బౌద్ధానికి ఆంధ్రదేశమే కేంద్రమయింది. మహా దేవ థేరుడనే ముని ఆంధ్ర దేశానికి వచ్చి ఇచ్చట చైత్యక సంప్రదాయం స్థాపించాడు. మహా సాంఘికులలోని ఆరు సంప్రదాయములలో ఈ చైత్యక సంప్రదాయం ఒకటి. గోకులిక, ఏకవ్యవహారిక, ప్రజ్ఞప్తివాద, బహుశ్రుతీయ లోకోత్తరవాద సంప్రదాయములు మిగిలినవి.

మహావస్తులో ఉన్నట్లు మహా చైత్యపూజకు ఎక్కువ ప్రాముఖ్యమివ్వడం వల్లనేమో ఈ సంప్రదాయానికి చైత్యక సంప్రదాయమని పేరు వచ్చింది. చైత్యక సంప్రదాయం వారికి ధనకటకం అంటే అమరావతి కేంద్రమయినది. ఈ చైత్యకులలో మరల పూర్వ శైల, అపరశైల, రాజగిరిక, సిద్ధార్థకములని మళ్ళీ నాలుగు సంప్రదాయము లేర్పడినవి. ఈ చైత్యకులు అంధకులు. ఆంధ్రప్రదేశములోని వారు. పూర్వశైలమన్నది ధనకటక మహాచైత్యమునకు తూర్పున, అపర శైలము ఆ మహా చైత్యమునకు పడమట నున్న బౌద్ధ సంఘములపేరు. పూర్వ శైలము ఇప్పటి ఘంటసాల, అపరశైల మిప్పటి నాగార్జునును కొండ కావచ్చునేమో. నాగార్జునుని కొండ శాసనములలో బహుశ్రుతీయులు, అపరశైలీయులు, పూర్వశైలీయులు, రాజగిరికులు, విభజ్యవాదులు మొదలైన వేరువేరు సంప్రదాయాలవారు ఉదాహృతులయినారు. వీరందరు అక్కడి విహారాలలో ఉండినట్లు ఊహించవచ్చును. టిబెట్టు దేశ ఐతిహ్యమును అనుసరించి పూర్వశైల అపరశైలనికాయములవారి ప్రాకృత భాషలో రచించిన ప్రజ్ఞాపారమితానే గ్రంథం ఉండేదనిన్ని, దీనిలోనే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు బీజప్రాయంగా ఉండేవనీ, ఇవి మహాయాన సంప్రదాయం రూపొందడానికి చాలా తోడ్పడినవని పరిశోధక పండితులంటారు.

కనిష్క చక్రవర్తి నాలుగవ తడవ బౌద్ధ సభను సమావేశపరచేనాటికే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు దేశమంతటా పాటమరించి ఉన్నవి. వాటికోరూపమిచ్చి ఒక గొప్ప సంప్రదాయం మహాయానంగా రూపొందించిన ఆయన నాగార్జునాచార్యులవారు. మహాయానం రూపొందడంతో బౌద్ధం ప్రతివ్యక్తికీ, ప్రతి గృహస్థుకూ అందుబాటులోనికి వచ్చింది. బుద్ధం బహువ్యాప్తమయింది. అంతటినుంచి బౌద్ధంలో తత్త్వ జిజ్ఞాస ఎక్కువయింది.

నాగార్జునాచార్యులవారు తత్త్వ విచారము కావించి శూన్యవాదం ప్రతిపాదించారు. కాని దీనితో సాంఘికులకు తృప్తి కలుగలేదు. అప్పుడు మైత్రేయనాథుడు విజ్ఞానవాదమును ప్రతిపాదించారు. నిర్వాణం పొందిన తరువాత మిగిలేది శూన్యమని నాగార్జునాచార్యులవారంటే విజ్ఞానమని మైత్రేయనాథుడన్నాడు. విజ్ఞానవాదమునకే యోగాచారవాదమనిన్ని పేరు. ఇంకను బౌద్ధంలో తత్త్వ విచారం ముదిరి విజ్ఞానానికి మహాసుఖం కూడా కలిసింది.

ఈ మహాసుఖ వాదంలో నుంచే వజ్రయానం ఆవిర్భవించింది.బౌద్ధంపొందిన దశలలో ఇది కడపటిది. వజ్రయానం రావడం వల్ల బౌద్ధంలో సంఖ్యాతీతంగా దేవీదేవతలు వెలిశారు.విగ్రహ నిర్మాణం ప్రబలింది.

ఆంధ్రదేశంలోని చైత్యక సాంప్రదాయాన్ని ప్రారంభించినది.

(1) అజాతశత్రు

(2) మహాదేవ థేరుడు
(3) అశోక చక్రవర్తి
(4) మహా కాత్యాయనుడు

[Question ID = 426][Question Description = S3_Telugu_Q096]

1. 1 [Option ID = 1701]
2. 2 [Option ID = 1702]
3. 3 [Option ID = 1703]
4. 4 [Option ID = 1704]

7)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాస భాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానాలు రాయండి.

తెలుగు దేశంలో బౌద్ధం ఎప్పటి నుండి పరివ్యాప్తమైనదో తెలియదు . కాని, బుద్ధుడు జీవించి యుండగనే ఆ మహామహుని బోధలు దక్షిణాపథ వాసుల హృదయాలను ఆకర్షించిన వనుటకు ఆధారమున్నది. దక్షిణాపథ నివాసియైన నటుడొకడు బుద్ధుని సమకాలికుడయిన బిందుసార మహీపతి సమక్షమున మహాసంబోధి వరకు బుద్ధుని జీవితాన్ని నాటకంగా ప్రదర్శించెననీ, దక్షిణాపథం నుంచి వెళ్లిన మరికొందరు నటులు శోభావతీ నగరాధిపతి సమక్షమున బుద్ధ నాటకాన్ని ప్రదర్శించినారనీ తెలుగు దేశంలో, అందులో సూత్రధారుడే బుద్ధవేషాన్ని, తదితరులు బౌద్ధ భిక్షువుల పాత్రలను ధరించారనీ టిబెట్టు దేశ బౌద్ధ గ్రంథాల వల్ల తెలుస్తున్నది. బుద్ధుని ప్రధాన శిష్యులలో ఒకడయిన మహాకాత్యానుడు ఒక అస్సక రాజుకు దీక్ష ఇచ్చినట్లు విమాన పత్థువ్యాఖ్యలో ఉంది. అస్సకమన్నది తెలంగాణాలోని ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లా ప్రాంతము. దీనికి పోతన రాజధాని. పోతన ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లాలోని బోధన్.

బుద్ధుని జీవిత కాలంలో కాకపోయినా, బౌద్ధం ఆయన నిర్వాణం పొందిన కొద్దికాలానికే తెలుగుదేశంలోని భాగమైన కళింగ దేశంలో వ్యాపించింది. దహనమైన వెనుక చితి నుండి బుద్ధుని ఎడమ కోర పంటిని తీసి జాగ్రత్త పెట్టి ఖేమాథేరుడనే ముని కళింగ దేశాధిపతికిస్తే ఆ రాజు దానికొక రత్నకరండం చేయించి దానిలో పెట్టి పూజిస్తూవచ్చాడు. ఆ రాజధాని దంతపురం బుద్ధ దంత మహిమ వల్ల బుద్ధ వాఙ్మయంలో చాలా ప్రసిద్ధి చెందింది. ఈ దంత ధాతువు కోసం కళింగం మీదికి ఎందరు రాజులో దండెత్తివచ్చారు. దానిని బలిమినైనా తీసుకుపోవాలనే ఉద్దేశ్యంతో, చివరకా దంతధాతువు సింహళ ద్వీపానికి వెళ్లింది. ఇప్పటికీ అది అక్కడుందంటారు.

బుద్ధుడు తాను జీవించి ఉన్నంతకాలము సాంఘికులలో అభిప్రాయ భేదాలవల్ల చీలికలు రాకుండా ఆపు చేశాడు. నిర్వాణం పొందిన తర్వాత బౌద్ధ సాంఘికులలో బుద్ధుడుపదేశించిన ధర్మాల విషయంలో అభిప్రాయ భేదం కలిగింది. అప్పుడు సప్రమాణంగా బౌద్ధ ధర్మాన్ని గ్రంథస్థం చేయుటకు అజాతశత్రుని ఆదరణ క్రింద రాజగృహంలో ఒక గొప్ప బౌద్ధమహాసభ జరిగింది. దీనిలో బౌద్ధ ధర్మం నిర్వచింపబడి గ్రంథస్థం అయింది. అటు తర్వాత బుద్ధుడు గతించిన వంద సంవత్సరాలకు వేసాలిలోని పజ్జికులము వారు దశవత్థూని దశవస్తువుల విషయంలో ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘిస్తూవచ్చారు. ఈ దశ వస్తువులలో బౌద్ధ సాంఘికులు స్వర్ణరజతములను పరిగ్రహించకూడదు. మద్యపానము చేయకూడదు. ఈ విషయాన్ని విచారించి ఆచారనిర్ణయం చేయుటకు రెండవమారు బౌద్ధమహాసభ వైశాలిలో సమావేశమయింది. థేరులు ఈ దశ వస్తువుల విషయం ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘించిన సాంఘికులను బహిష్కరించారు. ధర్మం నిర్ణయించారు. పదివేల మంది భిక్షులు థేరసంఘాన్ని విడిచిపెట్టి పోయినారు. వీరే అధిక సంఖ్యాకులుగా ఉండడం వల్ల ఈ వర్గం వారికి మహాసాంఘికులని పేరు కలిగింది. అప్పటి నుండి బౌద్ధ సంఘం థేరులని, మహా సాంఘికులని రెండు పక్షాలయింది. థేరులు శీలమునకు, నీతికి, ఆచారమునకు ప్రాధాన్యమిస్తే – మహా సాంఘికులు తత్వ విచారమునకు, లోకోపకార విషయములకు ప్రాముఖ్యం ఇచ్చారు. థేర సంప్రదాయం లోని ఒక శాఖకు విభజ్యవాదమని పేరు.

అశోక చక్రవర్తి ఈ సంప్రదాయము వారిని అధికంగా ఆదరించాడు. అశోక చక్రవర్తి కాలంలో పాటలీపుత్ర నగరమూ మగధ దేశమూ భారత దేశంలో బౌద్ధానికి కేంద్రాలయినవి. మౌర్యులకు తరువాత మగధను పాలించిన శుంగవంశజులు, కాణ్వ వంశజులు బౌద్ధులను హింసించడం వల థేరవాదులు సింహళ గాంధారములకు , మహా సాంఘికులు తెలుగు దేశానికి వలసపోయినారు. మౌర్య సామ్రాజ్యం పతనమైన తర్వాత హిందూ దేశంలో బౌద్ధానికి ఆంధ్రదేశమే కేంద్రమయింది. మహా దేవ థేరుడనే ముని ఆంధ్ర దేశానికి వచ్చి ఇచ్చట చైత్యక సంప్రదాయం స్థాపించాడు. మహా సాంఘికులలోని ఆరు సంప్రదాయములలో ఈ చైత్యక సంప్రదాయం ఒకటి. గోకులిక, ఏకవ్యవహారిక, ప్రజ్ఞప్తివాద, బహుశ్రుతీయ లోకోత్తరవాద సంప్రదాయములు మిగిలినవి.

మహావస్తులో ఉన్నట్లు మహా చైత్యపూజకు ఎక్కువ ప్రాముఖ్యమివ్వడం వల్లనేమో ఈ సంప్రదాయానికి చైత్యక సంప్రదాయమని పేరు వచ్చింది. చైత్యక సంప్రదాయం వారికి ధనకటకం అంటే అమరావతి కేంద్రమయినది. ఈ చైత్యకులలో మరల పూర్వ శైల, అపరశైల, రాజగిరిక, సిద్ధార్థకములని మళ్ళీ నాలుగు సంప్రదాయము లేర్పడినవి. ఈ చైత్యకులు అంధకులు. ఆంధ్రప్రదేశములోని వారు. పూర్వశైలమన్నది ధనకటక మహాచైత్యమునకు తూర్పున, అపర శైలము ఆ మహా చైత్యమునకు పడమట నున్న బౌద్ధ సంఘములపేరు. పూర్వ శైలము ఇప్పటి ఘంటసాల, అపరశైల మిప్పటి నాగార్జునును కొండ కావచ్చునేమో. నాగార్జునుని కొండ శాసనములలో బహుశ్రుతీయులు, అపరశైలీయులు, పూర్వశైలీయులు, రాజగిరికులు, విభజ్యవాదులు మొదలైన వేరువేరు సంప్రదాయాలవారు ఉదాహృతులయినారు. వీరందరు అక్కడి విహారాలలో ఉండినట్లు ఊహించవచ్చును. టిబెట్టు దేశ ఐతిహ్యమును అనుసరించి పూర్వశైల అపరశైలనికాయములవారి ప్రాకృత భాషలో రచించిన ప్రజ్ఞాపారమితానే గ్రంథం ఉండేదనిన్ని, దీనిలోనే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు బీజప్రాయంగా ఉండేవనీ, ఇవి మహాయాన సంప్రదాయం రూపొందడానికి చాలా తోడ్పడినవని పరిశోధక పండితులంటారు.

కనిష్క చక్రవర్తి నాలుగవ తడవ బౌద్ధ సభను సమావేశపరచేనాటికే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు దేశమంతటా పొటమరించి ఉన్నవి. వాటికోరూపమిచ్చి ఒక గొప్ప సంప్రదాయం మహాయానంగా రూపొందించిన ఆయన నాగార్జునాచార్యులవారు. మహాయానం రూపొందడంతో బౌద్ధం ప్రతివ్యక్తికీ, ప్రతి గృహస్థుకూ అందుబాటులోనికి వచ్చింది. బుద్ధం బహువ్యాప్తమయింది. అంతటినుంచి బౌద్ధంలో

తత్వ జిజ్ఞాస ఎక్కువయింది.

నాగార్జునాచార్యులవారు తత్వ విచారము కావించి శూన్యవాదం ప్రతిపాదించారు. కాని దీనితో సాంఘికులకు తృప్తి కలుగలేదు. అప్పుడు మైత్రేయనాథుడు విజ్ఞానవాదమును ప్రతిపాదించారు. నిర్వాణం పొందిన తరువాత మిగిలేది శూన్యమని నాగార్జునాచార్యులవారంటే విజ్ఞానమని మైత్రేయనాథుడన్నాడు. విజ్ఞానవాదమునకే యోగాచారవాదమనిన్ని పేరు. ఇంకను బౌద్ధంలో తత్వ విచారం ముదిరి విజ్ఞానానికి మహాసుఖం కూడా కలిసింది.

ఈ మహాసుఖ వాదంలో నుంచే వజ్రయానం ఆవిర్భవించింది. బౌద్ధంపొందిన దశలలో ఇది కడపటిది. వజ్రయానం రావడం వల్ల బౌద్ధంలో సంఖ్యాతీతంగా దేవీదేవతలు వెలిశారు. విగ్రహ నిర్మాణం ప్రబలింది.

మహా సాంఘికులు దేనికి ప్రాధాన్యమిచ్చారు.

(1) ఆచారాలకు
(2) శీలానికి
(3) ఆత్మవిచారానికి
(4) నీతికి

[Question ID = 427][Question Description = S3_Telugu_Q097]

1. 1 [Option ID = 1705]
2. 2 [Option ID = 1706]
3. 3 [Option ID = 1707]
4. 4 [Option ID = 1708]

8)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాస భాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానాలు రాయండి.

తెలుగు దేశంలో బౌద్ధం ఎప్పటి నుండి పరివ్యాప్తమైనదో తెలియదు . కాని, బుద్ధుడు జీవించి యుండగనే ఆ మహామహుని బోధలు దక్షిణాపథ వాసుల హృదయాలను ఆకర్షించిన వసుటకు ఆధారమున్నది. దక్షిణాపథ నివాసియైన నటుడొకడు బుద్ధుని సమకాలికుడయిన బిందుసార మహీపతి సమక్షమున మహాసంబోధి వరకు బుద్ధుని జీవితాన్ని నాటకంగా ప్రదర్శించెననీ, దక్షిణాపథం నుంచి వెళ్లిన మరికొందరు నటులు శోభావతీ నగరాధిపతి సమక్షమున బుద్ధ నాటకాన్ని ప్రదర్శించినారనీ తెలుగు దేశంలో, అందులో సూత్రధారుడే బుద్ధవేషాన్ని, తదితరులు బౌద్ధ భిక్షువుల పాత్రలను ధరించారనీ టిబెట్టు దేశ బౌద్ధ గ్రంథాల వల్ల తెలుస్తున్నది. బుద్ధుని ప్రధాన శిష్యులలో ఒకడయిన మహాకాత్యాసుడు ఒక అస్సక రాజుకు దీక్ష ఇచ్చినట్లు విమాన వత్థువ్యాఖ్యలో ఉంది. అస్సకమన్నది తెలంగాణాలోని ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లా ప్రాంతము. దీనికి పోతన రాజధాని. పోతన ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లాలోని బోధన్.

బుద్ధుని జీవిత కాలంలో కాకపోయినా, బౌద్ధం ఆయన నిర్వాణం పొందిన కొద్దికాలానికే తెలుగుదేశంలోని భాగమైన కళింగ దేశంలో వ్యాపించింది. దహనమైన వెనుక చితి నుండి బుద్ధుని ఎడమ కోర పంటిని తీసి జాగ్రత్త పెట్టి ఖేమాథేరుడనే ముని కళింగ దేశాధిపతికిస్తే ఆ రాజు దానికొక రత్నకరండం చేయించి దానిలో పెట్టి పూజిస్తూవచ్చాడు. ఆ రాజధాని దంతపురం బుద్ధ దంత మహిమ వల్ల బుద్ధ వాఙ్మయంలో చాలా ప్రసిద్ధి చెందింది. ఈ దంత ధాతువు కోసం కళింగం మీదికి ఎందరు రాజులో దండెత్తివచ్చారు. దానిని బలిమినైనా తీసుకుపోవాలనే ఉద్దేశ్యంతో, చివరకా దంతధాతువు సింహళ ద్వీపానికి వెళ్లింది. ఇప్పటికీ అది అక్కడుందంటారు.

బుద్ధుడు తాను జీవించి ఉన్నంతకాలము సాంఘికులలో అభిప్రాయ భేదాలవల్ల చీలికలు రాకుండా ఆపు చేశాడు. నిర్వాణం పొందిన తర్వాత బౌద్ధ సాంఘికులలో బుద్ధుడుపదేశించిన ధర్మాల విషయంలో అభిప్రాయ భేదం కలిగింది. అప్పుడు సప్రమాణంగా బౌద్ధ ధర్మాన్ని గ్రంథస్థం చేయుటకు అజాతశత్రుని ఆదరణ క్రింద రాజగృహంలో ఒక గొప్ప బౌద్ధమహాసభ జరిగింది. దీనిలో బౌద్ధ ధర్మం నిర్వచింపబడి గ్రంథస్థం అయింది. అటు తర్వాత బుద్ధుడు గతించిన వంద సంవత్సరాలకు వేసాలిలోని వజ్జికులము వారు దశవత్థూని దశవస్తువుల విషయంలో ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘిస్తూవచ్చారు. ఈ దశ వస్తువులలో బౌద్ధ సాంఘికులు స్వర్ణరజతములను పరిగ్రహించకూడదు. మద్యపానము చేయకూడదు. ఈ విషయాన్ని విచారించి ఆచారనిర్ణయం చేయుటకు రెండవమారు బౌద్ధమహాసభ వైశాలిలో సమావేశమయింది. థేరులు ఈ దశ వస్తువుల విషయం ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘించిన సాంఘికులను బహిష్కరించారు. ధర్మం నిర్ణయించారు. పదివేల మంది భిక్షులు థేరసంఘాన్ని విడిచిపెట్టి పోయినారు. వీరే అధిక సంఖ్యాకులుగా ఉండడం వల్ల ఈ వర్గం వారికి మహాసాంఘికులని పేరు కలిగింది. అప్పటి నుండి బౌద్ధ సంఘం థేరులని, మహా సాంఘికులని రెండు పక్షాలయింది. థేరులు శీలమునకు, నీతికి, ఆచారమునకు ప్రాధాన్యమిస్తే – మహా సాంఘికులు తత్వ విచారమునకు, లోకోపకార విషయములకు ప్రాముఖ్యం ఇచ్చారు. థేర సంప్రదాయం లోని ఒక శాఖకు విభజ్యవాదమని పేరు.

అశోక చక్రవర్తి ఈ సంప్రదాయము వారిని అధికంగా ఆదరించాడు. అశోక చక్రవర్తి కాలంలో పాటలీపుత్ర నగరమూ మగధ దేశమూ భారత దేశంలో బౌద్ధానికి కేంద్రాలయినవి. మౌర్యులకు తరువాత మగధను పాలించిన శుంగవంశజులు, కాణ్వ వంశజులు బౌద్ధులను హింసించడం వల థేరవాదులు సింహళ గాంధారములకు , మహా సాంఘికులు తెలుగు దేశానికి వలసపోయినారు. మౌర్య సామ్రాజ్యం పతనమైన తర్వాత హిందూ దేశంలో బౌద్ధానికి ఆంధ్రదేశమే కేంద్రమయింది. మహా దేవ థేరుడనే ముని ఆంధ్ర దేశానికి వచ్చి ఇచ్చట చైత్యక సంప్రదాయం స్థాపించాడు. మహా సాంఘికులలోని ఆరు సంప్రదాయములలో ఈ చైత్యక సంప్రదాయం ఒకటి. గోకులిక, ఏకవ్యవహారిక, ప్రజ్ఞప్తివాద, బహుశ్రుతీయ లోకోత్తరవాద సంప్రదాయములు మిగిలినవి.

మహావస్తులో ఉన్నట్లు మహా చైత్యపూజకు ఎక్కువ ప్రాముఖ్యమివ్వడం వల్లనేమో ఈ సంప్రదాయానికి చైత్యక సంప్రదాయమని పేరు వచ్చింది. చైత్యక సంప్రదాయం వారికి ధనకటకం అంటే అమరావతి కేంద్రమయినది. ఈ చైత్యకులలో మరల పూర్వ శైల, అపరశైల, రాజగిరిక, సిద్ధార్థకములని మళ్ళీ నాలుగు సంప్రదాయము లేర్పడినవి. ఈ చైత్యకులు అంధకులు. ఆంధ్రప్రదేశములోని వారు. పూర్వశైలమన్నది

ధనకటక మహాచైత్యమునకు తూర్పున, అపర శైలము ఆ మహా చైత్యమునకు పడమట నున్న బౌద్ధ సంఘములపేరు. పూర్వ శైలము ఇప్పటి ఘంటసాల, అపరశైల మిప్పటి నాగార్జునను కొండ కావచ్చునేమో. నాగార్జునుని కొండ శాసనములలో బహుశ్రుతీయులు, అపరశైలీయులు, పూర్వశైలీయులు, రాజగిరికులు, విభజ్యవాదులు మొదలైన వేరువేరు సంప్రదాయాలవారు ఉదాహృతులయినారు. వీరందరు అక్కడి విహారాలలో ఉండినట్లు ఊహించవచ్చును. టిబెట్టు దేశ ఐతిహ్యమును అనుసరించి పూర్వశైల అపరశైలనికాయములవారి ప్రాకృత భాషలో రచించిన ప్రజ్ఞాపారమితానే గ్రంథం ఉండేదనిన్ని, దీనిలోనే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు బీజప్రాయంగా ఉండేవనీ, ఇవి మహాయాన సంప్రదాయం రూపొందడానికి చాలా తోడ్పడినవని పరిశోధక పండితులంటారు.

కనిష్క చక్రవర్తి నాలుగవ తడవ బౌద్ధ సభను సమావేశపరచేనాటికే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు దేశమంతటా పొటమరించి ఉన్నవి. వాటికోరూపమిచ్చి ఒక గొప్ప సంప్రదాయం మహాయానంగా రూపొందించిన ఆయన నాగార్జునాచార్యులవారు. మహాయానం రూపొందడంతో బౌద్ధం ప్రతివ్యక్తికీ, ప్రతి గృహస్థుకూ అందుబాటులోనికి వచ్చింది. బుద్ధం బహువ్యాప్తమయింది. అంతటినుంచి బౌద్ధంలో తత్వ జిజ్ఞాస ఎక్కువయింది.

నాగార్జునాచార్యులవారు తత్వ విచారము కావించి శూన్యవాదం ప్రతిపాదించారు. కాని దీనితో సాంఘికులకు తృప్తి కలుగలేదు. అప్పుడు మైత్రేయనాథుడు విజ్ఞానవాదమును ప్రతిపాదించారు. నిర్వాణం పొందిన తరువాత మిగిలేది శూన్యమని నాగార్జునాచార్యులవారంటే విజ్ఞానమని మైత్రేయనాథుడన్నాడు. విజ్ఞానవాదమునకే యోగాచారవాదమనిన్ని పేరు. ఇంకను బౌద్ధంలో తత్వ విచారం ముదిరి విజ్ఞానానికి మహాసుఖం కూడా కలిసింది.

ఈ మహాసుఖ వాదంలో నుంచే వజ్రయానం ఆవిర్భవించింది.బౌద్ధంపొందిన దశలలో ఇది కడపటిది. వజ్రయానం రావడం వల్ల బౌద్ధంలో సంఖ్యాతీతంగా దేవీదేవతలు వెలిశారు.విగ్రహ నిర్మాణం ప్రబలింది.

ఈ క్రిందివారిలో బుద్ధుని ప్రధాన శిష్యుడు

(1) అస్సక రాజు

(2) మహాకాత్యాయనుడు

(3) అజాతశత్రు

(4) దశవృద్ధుడు

[Question ID = 428][Question Description = S3_Telugu_Q098]

1. 1 [Option ID = 1709]
2. 2 [Option ID = 1710]
3. 3 [Option ID = 1711]
4. 4 [Option ID = 1712]

9)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాస భాగమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానాలు రాయండి.

తెలుగు దేశంలో బౌద్ధం ఎప్పటి నుండి పరివ్యాప్తమైనదో తెలియదు . కాని, బుద్ధుడు జీవించి యుండగనే ఆ మహామహుని బోధలు దక్షిణాపథ వాసుల హృదయాలను ఆకర్షించిన వనుటకు ఆధారమున్నది. దక్షిణాపథ నివాసియైన నటుడొకడు బుద్ధుని సమకాలికుడయిన బిందుసార మహీపతి సమక్షమున మహాసంబోధి వరకు బుద్ధుని జీవితాన్ని నాటకంగా ప్రదర్శించెననీ, దక్షిణాపథం నుంచి వెళ్లిన మరికొందరు నటులు శోభావతీ నగరాధిపతి సమక్షమున బుద్ధ నాటకాన్ని ప్రదర్శించినారనీ తెలుగు దేశంలో, అందులో సూత్రధారుడే బుద్ధవేషాన్ని, తదితరులు బౌద్ధ భిక్షువుల పాత్రలను ధరించారనీ టిబెట్టు దేశ బౌద్ధ గ్రంథాల వల్ల తెలుస్తున్నది. బుద్ధుని ప్రధాన శిష్యులలో ఒకడయిన మహాకాత్యానుడు ఒక అస్సక రాజుకు దీక్ష ఇచ్చినట్లు విమాన పత్థువ్యాఖ్యలో ఉంది. అస్సకమన్నది తెలంగాణాలోని ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లా ప్రాంతము.దీనికి పోతన రాజధాని. పోతన ఇప్పటి నిజామాబాదు జిల్లాలోని బోధన్.

బుద్ధుని జీవిత కాలంలో కాకపోయినా, బౌద్ధం ఆయన నిర్వాణం పొందిన కొద్దికాలానికే తెలుగుదేశంలోని భాగమైన కళింగ దేశంలో వ్యాపించింది. దహనమైన వెనుక చితి నుండి బుద్ధుని ఎడమ కోర పంటిని తీసి జాగ్రత్త పెట్టి ఖేమాథేరుడనే ముని కళింగ దేశాధిపతికిస్తే ఆ రాజు దానికొక రత్నకరండం చేయించి దానిలో పెట్టి పూజిస్తూవచ్చాడు. ఆ రాజధాని దంతపురం బుద్ధ దంత మహిమ వల్ల బుద్ధ వాఙ్మయంలో చాలా ప్రసిద్ధి చెందింది. ఈ దంత ధాతువు కోసం కళింగం మీదికి ఎందరు రాజులో దండెత్తివచ్చారు. దానిని బలిమినైనా తీసుకుపోవాలనే ఉద్దేశ్యంతో, చివరకా దంతధాతువు సింహళ ద్వీపానికి వెళ్లింది. ఇప్పటికీ అది అక్కడుందంటారు.

బుద్ధుడు తాను జీవించి ఉన్నంతకాలము సాంఘికులలో అభిప్రాయ భేదాలవల్ల చీలికలు రాకుండా ఆపు చేశాడు. నిర్వాణం పొందిన తర్వాత బౌద్ధ సాంఘికులలో బుద్ధుడుపదేశించిన ధర్మాల విషయంలో అభిప్రాయ భేదం కలిగింది. అప్పుడు సప్రమాణంగా బౌద్ధ ధర్మాన్ని గ్రంథస్థం చేయుటకు అజాతశత్రుని ఆదరణ క్రింద రాజగృహంలో ఒక గొప్ప బౌద్ధమహాసభ జరిగింది. దీనిలో బౌద్ధ ధర్మం నిర్వచింపబడి గ్రంథస్థం అయింది. అటు తర్వాత బుద్ధుడు గతించిన వంద సంవత్సరాలకు వేసాలిలోని పజ్జికులము వారు దశవత్థూని దశవస్తువుల విషయంలో ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘిస్తూవచ్చారు. ఈ దశ వస్తువులలో బౌద్ధ సాంఘికులు స్వర్ణరజతములను పరిగ్రహించకూడదు. మద్యపానము చేయకూడదు. ఈ విషయాన్ని విచారించి ఆచారనిర్ణయం చేయుటకు రెండవమారు బౌద్ధమహాసభ వైశాలిలో సమావేశమయింది. థేరులు ఈ దశ వస్తువుల విషయం ప్రాచీనాచారం ఉల్లంఘించిన సాంఘికులను బహిష్కరించారు. ధర్మం నిర్ణయించారు. పదివేల మంది భిక్షులు థేరసంఘాన్ని విడిచిపెట్టి పోయినారు. వీరే అధిక సంఖ్యాకులుగా ఉండడం వల్ల ఈ వర్గం వారికి మహాసాంఘికులని పేరు కలిగింది. అప్పటి నుండి బౌద్ధ సంఘం థేరులని, మహా సాంఘికులని రెండు పక్షాలయింది. థేరులు శీలమునకు, నీతికి, ఆచారమునకు ప్రాధాన్యమిస్తే - మహా సాంఘికులు తత్వ విచారమునకు, లోకోపకార విషయములకు ప్రాముఖ్యం ఇచ్చారు. థేర సంప్రదాయం లోని ఒక శాఖకు విభజ్యవాదమని పేరు.

అశోక చక్రవర్తి ఈ సంప్రదాయము వారిని అధికంగా ఆదరించాడు. అశోక చక్రవర్తి కాలంలో పాటలీపుత్ర నగరమూ మగధ దేశమూ భారత దేశంలో బౌద్ధానికి కేంద్రాలయినవి. మౌర్యులకు తరువాత మగధను పాలించిన శుంగవంశజులు, కాణ్వ వంశజులు బౌద్ధులను హింసించడం వల థేరవాదులు సింహళ గాంధారములకు , మహా సాంఘికులు తెలుగు దేశానికి వలసపోయినారు. మౌర్య సామ్రాజ్యం పతనమైన తర్వాత హిందూ దేశంలో బౌద్ధానికి ఆంధ్రదేశమే కేంద్రమయింది. మహా దేవ థేరుడనే ముని ఆంధ్ర దేశానికి వచ్చి ఇచ్చట చైత్యక సంప్రదాయం స్థాపించాడు. మహా సాంఘికులలోని ఆరు సంప్రదాయములలో ఈ చైత్యక సంప్రదాయం ఒకటి. గోకులిక, ఏకవ్యవహారిక, ప్రజ్ఞప్తివాద, బహుశ్రుతీయ లోకోత్తరవాద సంప్రదాయములు మిగిలినవి.

మహావస్తులో ఉన్నట్లు మహా చైత్యపూజకు ఎక్కువ ప్రాముఖ్యమివ్వడం వల్లనేమో ఈ సంప్రదాయానికి చైత్యక సంప్రదాయమని పేరు వచ్చింది. చైత్యక సంప్రదాయం వారికి ధనకటకం అంటే అమరావతి కేంద్రమయినది. ఈ చైత్యకులలో మరల పూర్వ శైల, అపరశైల, రాజగిరిక, సిద్ధార్థకములని మళ్ళీ నాలుగు సంప్రదాయము లేర్పడినవి. ఈ చైత్యకులు అంధకులు. ఆంధ్రప్రదేశములోని వారు. పూర్వశైలమన్నది ధనకటక మహాచైత్యమునకు తూర్పున, అపర శైలము ఆ మహా చైత్యమునకు పడమట నున్న బౌద్ధ సంఘములపేరు. పూర్వ శైలము ఇప్పటి ఘంటసాల, అపరశైల మిప్పటి నాగార్జునును కొండ కావచ్చునేమో. నాగార్జునుని కొండ శాసనములలో బహుశ్రుతీయులు, అపరశైలీయులు, పూర్వశైలీయులు, రాజగిరికులు, విభజ్యవాదులు మొదలైన వేరువేరు సంప్రదాయాలవారు ఉదాహృతులయినారు. వీరందరు అక్కడి విహారాలలో ఉండినట్లు ఊహించవచ్చును. టిబెట్టు దేశ ఐతిహ్యమును అనుసరించి పూర్వశైల అపరశైలనికాయములవారి ప్రాకృత భాషలో రచించిన ప్రజ్ఞాపారమితానే గ్రంథం ఉండేదనిన్ని, దీనిలోనే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు బీజప్రాయంగా ఉండేవనీ, ఇవి మహాయాన సంప్రదాయం రూపొందడానికి చాలా తోడ్పడినవని పరిశోధక పండితులంటారు.

కనిష్క చక్రవర్తి నాలుగవ తడవ బౌద్ధ సభను సమావేశపరచేనాటికే మహాయానమునకు సంబంధించిన భావాలు దేశమంతటా పొటమరించి ఉన్నవి. వాటికోరూపమిచ్చి ఒక గొప్ప సంప్రదాయం మహాయానంగా రూపొందించిన ఆయన నాగార్జునాచార్యులవారు. మహాయానం రూపొందడంతో బౌద్ధం ప్రతివ్యక్తికీ, ప్రతి గృహస్థుకూ అందుబాటులోనికి వచ్చింది. బుద్ధం బహువ్యాప్తమయింది. అంతటినుంచి బౌద్ధంలో తత్వ జిజ్ఞాస ఎక్కువయింది.

నాగార్జునాచార్యులవారు తత్వ విచారము కావించి శూన్యవాదం ప్రతిపాదించారు. కాని దీనితో సాంఘికులకు తృప్తి కలుగలేదు. అప్పుడు మైత్రేయనాథుడు విజ్ఞానవాదమును ప్రతిపాదించారు. నిర్వాణం పొందిన తరువాత మిగిలేది శూన్యమని నాగార్జునాచార్యులవారంటే విజ్ఞానమని మైత్రేయనాథుడన్నాడు. విజ్ఞానవాదమునకే యోగాచారవాదమనిన్ని పేరు. ఇంకను బౌద్ధంలో తత్వ విచారం ముదిరి విజ్ఞానానికి మహాసుఖం కూడా కలిసింది.

ఈ మహాసుఖ వాదంలో నుంచే వజ్రయానం ఆవిర్భవించింది. బౌద్ధంపొందిన దశలలో ఇది కడపటిది. వజ్రయానం రావడం వల్ల బౌద్ధంలో సంఖ్యాతీతంగా దేవీదేవతలు వెలిశారు. విగ్రహ నిర్మాణం ప్రబలింది.

అస్సకరాజుకు బౌద్ధదీక్ష ఇచ్చినది ఎవరు ?

(1) బింబిసార మహీపతి

(2) అజాతశత్రు

(3) అశోక చక్రవర్తి

(4) మహా కాత్యాయనుడు

[Question ID = 429][Question Description = S3_Telugu_Q099]

1. 1 [Option ID = 1713]
2. 2 [Option ID = 1714]
3. 3 [Option ID = 1715]
4. 4 [Option ID = 1716]

Topic:- Telugu_Q100-105_L1_P2_CTET

1) సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానములు రాయండి.

కౌరవనాథుఁ డా నహుషుకైవడి నాశముఁ బొందు; వాసవ
శ్రీ రమణీయుఁడై జయము సేకొని ధర్మజుఁ డంబురాశి వే
లా రశనా సముజ్జ్వల విలాస మనోహర మేదినీ వధూ
సార సమగ్ర భోగముల సన్నుతి కెక్కెడుఁ దానుఁ దమ్ములున్

'శ్రీరమ' పదం యొక్క గురు లఘు క్రమం ఈ క్రిందివాటిలో ఏది ?

(1) U I I
(2) U U I
(3) U I U
(4) I U I

[Question ID = 430][Question Description = S3_Telugu_Q100]

1. 1 [Option ID = 1717]
2. 2 [Option ID = 1718]
3. 3 [Option ID = 1719]
4. 4 [Option ID = 1720]

2) సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానములు రాయండి.

కౌరవనాథుఁ డా నహుషుకైవడి నాశముఁ బొందు; వాసవ
శ్రీ రమణీయుఁడై జయము సేకొని ధర్మజుఁ డంబురాశి వే
లా రశనా సముజ్జ్వల విలాస మనోహర మేదినీ వధూ
సార సమగ్ర భోగముల సన్నుతి కెక్కెడుఁ దానుఁ దమ్ములున్

పద్యములో గల అలంకారము

(1) ఉత్ప్రేక్షాలంకారము
(2) రూపకాలంకారము
(3) నిదర్శనము
(4) స్వభావోక్తి.

[Question ID = 431][Question Description = S3_Telugu_Q101]

1. 1 [Option ID = 1721]
2. 2 [Option ID = 1722]
3. 3 [Option ID = 1723]
4. 4 [Option ID = 1724]

3) **సూచన :** **ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానములు రాయండి.**

కౌరవనాథుఁ డా నహుషుకైవడి నాశముఁ బొందు; వాసవ
శ్రీ రమణీయుఁడై జయము సేకొని ధర్మజుఁ డంబురాశి వే
లా రశనా సముజ్జ్వల విలాస మనోహర మేదినీ వధూ
సార సమగ్ర భోగముల సన్నుతి కెక్కెడుఁ దానుఁ దమ్ములున్

ఈ పద్య ఛందస్సు ఏ వృత్తానికి చెందింది

(1) ఉత్పలమాల

(2) చంపకమాల

(3) శార్దూలము

(4) మత్తేభము

[Question ID = 432][Question Description = S3_Telugu_Q102]

1. 1 [Option ID = 1725]
2. 2 [Option ID = 1726]
3. 3 [Option ID = 1727]
4. 4 [Option ID = 1728]

4) **సూచన :** **ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానములు రాయండి.**

కౌరవనాథుఁ డా నహుషుకైవడి నాశముఁ బొందు; వాసవ
శ్రీ రమణీయుఁడై జయము సేకొని ధర్మజుఁ డంబురాశి వే
లా రశనా సముజ్జ్వల విలాస మనోహర మేదినీ వధూ
సార సమగ్ర భోగముల సన్నుతి కెక్కెడుఁ దానుఁ దమ్ములున్

ఈ పద్యములోని యతి __________ అక్షరానికి చెల్లుతుంది ?

(1) 1 - 10

(2) 1 - 11

(3) 1 - 13

(4) 1 - 14

[Question ID = 433][Question Description = S3_Telugu_Q103]

1. 1 [Option ID = 1729]
2. 2 [Option ID = 1730]
3. 3 [Option ID = 1731]
4. 4 [Option ID = 1732]

5) సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానములు రాయండి.

కౌరవనాథుఁ డా నహుషుకైవడి నాశముఁ బొందు; వాసవ
శ్రీ రమణీయుఁడై జయము సేకొని ధర్మజుఁ డంబురాశి వే
లా రశనా సముజ్జ్వల విలాస మనోహర మేదినీ వధూ
సార సమగ్ర భోగముల సన్నుతి కెక్కెడుఁ దానుఁ దమ్ములున్

ఈ పద్యం ప్రకారం నహుషుడి వలె నశించేది ఎవరు ?

(1) ధర్మరాజు

(2) ఇంద్రుడు

(3) దుర్యోధనుడు

(4) మనోహరుడు

[Question ID = 434][Question Description = S3_Telugu_Q104]

1. 1 [Option ID = 1733]
2. 2 [Option ID = 1734]
3. 3 [Option ID = 1735]
4. 4 [Option ID = 1736]

6) సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యమును చదివి ప్రశ్నకు సమాధానములు రాయండి.

కౌరవనాథుఁ డా నహుషుకైవడి నాశముఁ బొందు; వాసవ
శ్రీ రమణీయుఁడై జయము సేకొని ధర్మజుఁ డంబురాశి వే
లా రశనా సముజ్జ్వల విలాస మనోహర మేదినీ వధూ
సార సమగ్ర భోగముల సన్నుతి కెక్కెడుఁ దానుఁ దమ్ములున్

ఇంద్రవైభవంతో విజయం సాంధించేది ఎవరు ?

(1) ధర్మజుడు

(2) సముద్రుడు

(3) కౌరవనాథుడు

(4) రమణీయుడు

[Question ID = 435][Question Description = S3_Telugu_Q105]

1. 1 [Option ID = 1737]
2. 2 [Option ID = 1738]
3. 3 [Option ID = 1739]
4. 4 [Option ID = 1740]

Topic:- Telugu_Q106-120_L1_P2_CTET

1) అధిభాషా స్పృహ అంటే __________ ?

(1) వ్యాకరణ సూత్రాలను వర్ణించటం

(2) అభ్యాసకులు ఎలా నేర్చుకొంటారు, మూడవ భాషలో కొన్ని భాషపద్ధతులను అధ్యయనం చేయటం

(3) భాష గురించి ఆలోచించే, మాట్లాడే సామర్థ్యం

(4) శబ్దాల సంబంధాలను వాటి అర్థాలను అవగాహన చేసుకోవటం

[Question ID = 436][Question Description = S3_Telugu_Q106]

1. 1 [Option ID = 1741]

2. 2 [Option ID = 1742]
3. 3 [Option ID = 1743]
4. 4 [Option ID = 1744]

2)

ఒక ఉపాధ్యాయుడి ఒక పద్ధతి ప్రకారం విద్యార్థుల సమస్యలను నిర్మించి సరైన __________ పద్ధతులను అనువర్తింపజేస్తాడు

(1) పరిహారాత్మక (రెమిడియల్)

(2) సందర్భగత (సిట్యుయేషనల్)

(3) నిగమన

(4) నిర్మాణవాద

[Question ID = 437][Question Description = S3_Telugu_Q107]

1. 1 [Option ID = 1745]
2. 2 [Option ID = 1746]
3. 3 [Option ID = 1747]
4. 4 [Option ID = 1748]

3)

ఒక ఆరవ తరగతి ఉపాధ్యాయురాలు వాచక పుస్తకంలోని ఒక అధ్యాయం యొక్క యధార్థ అర్థాన్ని రాబట్టేందుకు అభ్యాసకులను రెండుసార్లు చదవమని అడుగుతుంది. ఈ సందర్భంలో ఆమె అభివృద్ధి చేస్తున్న పఠన నైపుణ్యం ?

(1) విస్తృత పఠనం

(2) తీవ్ర పఠనం

(3) వంకర టింకర

(4) భాగస్వామ్య పఠనం

[Question ID = 438][Question Description = S3_Telugu_Q108]

1. 1 [Option ID = 1749]
2. 2 [Option ID = 1750]
3. 3 [Option ID = 1751]
4. 4 [Option ID = 1752]

4)

పిల్లలు నామ్ చామ్ స్కీ ప్రకారం భాషా సముపార్జనకై అంతర్గ జ్ఞానం కారణంగా ప్రొగ్రామై ఉంటారు __________.

(1) విశ్వజనీన పదజాలం

(2) సార్వత్ర వ్యాకరణం

(3) సార్వత్రిక నిర్మాణం

(4) సార్వత్రిక మాండలీకం

[Question ID = 439][Question Description = S3_Telugu_Q109]

1. 1 [Option ID = 1753]
2. 2 [Option ID = 1754]
3. 3 [Option ID = 1755]
4. 4 [Option ID = 1756]

5) భాషా సంస్కృతి వాతావరణానికి సంబంధించి ఈ క్రిందివాటిలో ఏది సరైనది ?

(1) పాఠశాల కాలంలో అనేక సంస్కృతులను గురించి తెలుసుకోవడానికి అది ఉపకరిస్తుంది.

(2) అప్రయత్నంగా భాషా పెరుగుదలకు, అభివృద్ధికి అది పునాది వేస్తుంది.

(3) అభ్యాసకుడి విభిన్నమైన అవసరాలను అది పట్టించుకొంటుంది.

(4) భాషా సిద్ధాంతాల మీద పట్టు సాధించటానికి అది సహకరిస్తుంది.

[Question ID = 440][Question Description = S3_Telugu_Q110]

1. 1 [Option ID = 1757]
2. 2 [Option ID = 1758]
3. 3 [Option ID = 1759]
4. 4 [Option ID = 1760]

6)

ఒక సమర్థవంతమైన భాషాబోధకుడిగా 8 వ తరగతి విద్యార్థుల భాషాభివృద్ధికి మీరు ఈ క్రిందివాటిలో దేనిని ఆచరిస్తారు

(1) వారి స్థాయిని తెలుసుకునేందుకు క్రమం తప్పకుండా పరీక్ష పెట్టటం

(2) వాచక పుస్తకం నుంచి భాష బోధించటం

(3) లక్ష్య భాషలో వారు మాట్లాడేందుకు పరస్పర సంభాషణ చేసేందుకు అవకాశం కల్పించటం.

(4) అభ్యాసం, ఇతర కార్యకలాపాలలో రియాలిటీ ఉపయోగించటం

[Question ID = 441][Question Description = S3_Telugu_Q111]

1. 1 [Option ID = 1761]
2. 2 [Option ID = 1762]
3. 3 [Option ID = 1763]
4. 4 [Option ID = 1764]

7) ప్రారంభానుగత మూల్యాంకనం ఈక్రింది విషయంలో ఉపకరిస్తుంది

(1) తరగతి గదిలో పోటీ వాతావరణాన్ని నెలకొల్పేందుకు

(2) బోధనలో ఉపాధ్యాయుడి సామర్థ్యాన్ని మూల్యాంకనం చేసేందుకు

(3) అభ్యాసకులు అభివృద్ధి చెందుటకు నాణ్యమైన ఫీడ్‌బ్యాక్ అందించటం

(4) ఒక వారంలో పరీక్షలు నిర్వహించటం

[Question ID = 442][Question Description = S3_Telugu_Q112]

1. 1 [Option ID = 1765]
2. 2 [Option ID = 1766]
3. 3 [Option ID = 1767]
4. 4 [Option ID = 1768]

8) పైకి చదవటం అనేది ఇందువల్ల మంచి మార్గం

(1) అభ్యాసకులు వేగంగా చదివేటట్లు చేస్తుంది

(2) అభ్యాసకులు వాచక పుస్తకాన్ని పంచుకొనేటట్లు చేస్తుంది.

(3) తమ వంతు కోసం అభ్యాసకులు భవిష్యత్తు వైపు చూసేటట్లు చేస్తుంది

(4) అభ్యాసకులు విరామ చిహ్నాలను ఉపయోగిస్తూ ఖచ్చితంగా ఉచ్ఛరిస్తూ చదివేటట్లు చేస్తుంది.

[Question ID = 443][Question Description = S3_Telugu_Q113]

1. 1 [Option ID = 1769]
2. 2 [Option ID = 1770]
3. 3 [Option ID = 1771]
4. 4 [Option ID = 1772]

9)

ఒక ఉపాధ్యాయుడు కొత్తగా ఆవిర్భవిస్తున్న రచయితలో మంచి రచనా నైపుణ్యాన్ని ఎలా అభివృద్ధి చేస్తాడు?

(1) రాసే విషయాన్ని గురించి, పదాల పరిమితి గురించి స్పష్టమైన సూచనలు చేయటం

(2) బాగా రాసినప్పుడు అభ్యాసకుల్ని ప్రశంసించటం, మరింత మెరుగ్గా రాసేందుకు ప్రత్యేక వ్యాఖ్యలు చేయటం

(3) అభ్యాసకుల్ని మంచి చేతిరాతతో రాయమని అడగటం

(4) కేవలం వ్యాకరణ సంబంధ తప్పుల గురించి అభ్యాసకులకు వివరణాత్మకంగా ఫీడ్‌బ్యాక్ ఇవ్వటం

[Question ID = 444][Question Description = S3_Telugu_Q114]

1. 1 [Option ID = 1773]
2. 2 [Option ID = 1774]
3. 3 [Option ID = 1775]
4. 4 [Option ID = 1776]

10)

భావప్రసార భాషాబోధన తరగతి గదిలో అభ్యాసకులకు ప్రయోజనకరమైన సంభాషణలలో పాల్గొనటానికి అవకాశం ఇవ్వటాన్ని గురించి నొక్కి చెబుతుంది. అది దీన్ని ప్రోత్సహిస్తుంది. ?

(1) తరగతి గదిలో మాతృభాషను స్వేచ్ఛగా ఉపయోగించటం

(2) పఠనంలో వారి అవగాహనను పెంచటం

(3) వాళ్ల లిఖిత వ్యక్తీకరణను అభివృద్ధి చేయటం

(4) లక్ష్య భాషలో వాళ్ల సంభాషణా నైపుణ్యాన్ని మెరుగుపరచటం

[Question ID = 445][Question Description = S3_Telugu_Q115]

1. 1 [Option ID = 1777]
2. 2 [Option ID = 1778]
3. 3 [Option ID = 1779]
4. 4 [Option ID = 1780]

11) పఠన అవగాహన ఈ సామర్థ్యాన్నిస్తుంది ?

(1) ఒక వాచకాన్ని అర్థం చేసుకొవటానికి అందులోని పదాలన్నింటిని తెలుసుకోవటం

(2) లిఖిత ప్రతీకల్ని వాటికి సమానమైన శబ్దాలకు అనువదించటం

(3) ధారాళంగా చదివేందుకు అక్షరాలను గ్రహించటం డీకోడ్ చేయటం

(4) వాచకంతో సంభాషించి అర్థాన్ని నిర్మించటం

[Question ID = 446][Question Description = S3_Telugu_Q116]

1. 1 [Option ID = 1781]
2. 2 [Option ID = 1782]
3. 3 [Option ID = 1783]
4. 4 [Option ID = 1784]

12)

వాచకంలోని క్లిష్ట పదాలను ఎదుర్కొనేందుకు ఒక భాషా ఉపాధ్యాయురాలు మొదట పదాలను మాతృభాషలోకి మార్చుతుంది. ఆ తరువాత వాటిని బట్టీపట్టమని పిల్లల్ని అడుగుతుంది. ఆ సందర్భంలో ఆమె ఉపయోగిస్తున్న పద్ధతి __________.

(1) వ్యాకరణ అనువాద పద్ధతి

(2) ప్రత్యక్ష పద్ధతి

(3) నిర్మాణ పద్ధతి నైపుణ్యం

(4) భావప్రసార పద్ధతి

[Question ID = 447][Question Description = S3_Telugu_Q117]

1. 1 [Option ID = 1785]

2. 2 [Option ID = 1786]
3. 3 [Option ID = 1787]
4. 4 [Option ID = 1788]

13) అభ్యాసకుడు రచన క్రమాన్ని మొదలు పెట్టటంలో మొదటి మెట్టు

(1) మేధోమథనం

(2) చిత్తు ప్రతిరాయటం

(3) ఎడిటింగ్

(4) సరిదిద్దటం

[Question ID = 448][Question Description = S3_Telugu_Q118]

1. 1 [Option ID = 1789]
2. 2 [Option ID = 1790]
3. 3 [Option ID = 1791]
4. 4 [Option ID = 1792]

14)

ఒక భాషా ఉపాధ్యాయురాలు అభ్యాసకులను మూల్యాంకనం చేస్తున్నప్పుడు ముఖ్యంగా దృష్టి సారించాల్సింది ___________.

(1) అభ్యాసకుడి సామర్థ్య ప్రదర్శన గురించి సమాచారం రాబట్టేందుకు అనేక మార్గాలను ఉపయోగించటం

(2) వారి సామర్థ్య ప్రదర్శనను కొలిచేందుకు యూనిట్ పరీక్ష నిర్వహించటం, ఆ రికార్డు ఉంచటం

(3) మౌఖిక పరీక్ష మీద దృష్టి పెట్టటం, మూల్యాంకనం చేయటం

(4) ప్రాజెక్ట్ వర్క్‌లు ఇవ్వటం

[Question ID = 449][Question Description = S3_Telugu_Q119]

1. 1 [Option ID = 1793]
2. 2 [Option ID = 1794]
3. 3 [Option ID = 1795]
4. 4 [Option ID = 1796]

15) భాషను అభ్యసించటానికి సంబంధించి ఈ క్రిందివాటిలో ఏ ప్రకటన వాస్తవమైనది ?

(1) రెండవ భాషను నేర్చుకొంటున్నప్పుడు ఒక వ్యక్తినా భాషకు చెందిన ప్రాంతీయుడులాగా ఉచ్ఛరించాలి

(2) ఇతర భాషలు నేర్చుకోవటంలో మొదటి భాష జోక్యం ఉంటుంది

(3) ఇతర భాషను నేర్చుకోవటంలో మొదటి భాష మద్దతునిస్తుంది

(4) ఒక భాష నేర్చుకోవటానికి వ్యాకరణ అభ్యాసనం అత్యవసరం

[Question ID = 450][Question Description = S3_Telugu_Q120]

1. 1 [Option ID = 1797]
2. 2 [Option ID = 1798]
3. 3 [Option ID = 1799]
4. 4 [Option ID = 1800]

Topic:- HIN_Q121-128_L2_P2_CTET

1) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

युग–युगांतर से मनुष्य प्रकृति का उपासक रहा है। यह विशाल ब्रह्मांड सदा उसकी जिज्ञासा का केंद्र बना रहा तथा चाँद–सितारों की सुंदरता उसे आकाश में निहारने को बाध्य करती रही। उसकी कुशाग्र बुद्धि ने आकाश में विद्यमान ग्रह–नक्षत्रों की खोजबीन की। प्राचीन काल से ही भारत में ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति तथा गति के विषय में पर्याप्त अनुसंधान कार्य किए जाते रहे हैं। ग्रह–नक्षत्रों की चर्चा में सबसे पहले आर्यभट का नाम आता है। उन्होंने ज्योतिष एवं गणित दोनों विषयों का गहन अध्ययन किया और अपने अनुभवों और अनुसंधानों को एक ग्रंथ का रूप दिया। इस ग्रंथ को 'आर्यभटीय' के नाम से जाना जाता है। यह महान ग्रंथ केवल दो सौ बयालीस पंक्तियों या एक सौ इक्कीस श्लोकों में सिमटा है। संस्कृत भाषा में रचित इस ग्रंथ में गणित और ज्योतिष की वे सूचनाएँ मिलती हैं जिनकी चर्चा आज विश्व भर के वैज्ञानिक कर रहे हैं। यह ग्रंथ चार भागों में विभाजित है–यह पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है।

प्राचीन काल से ही भारत में ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति तथा गति के विषय में पर्याप्त अनुसंधान कार्य किए जाते रहे हैं। रेखांकित शब्द के स्थान पर प्रयुक्त किया जा सकता है __________.

(1) शोधन

(2) आविष्कार

(3) शोध

(4) अध्ययन

[Question ID = 271][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q121]

1. 1 [Option ID = 1081]
2. 2 [Option ID = 1082]
3. 3 [Option ID = 1083]
4. 4 [Option ID = 1084]

2) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

युग–युगांतर से मनुष्य प्रकृति का उपासक रहा है। यह विशाल ब्रह्मांड सदा उसकी जिज्ञासा का केंद्र बना रहा तथा चाँद–सितारों की सुंदरता उसे आकाश में निहारने को बाध्य करती रही। उसकी कुशाग्र बुद्धि ने आकाश में विद्यमान ग्रह–नक्षत्रों की खोजबीन की। प्राचीन काल से ही भारत में ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति तथा गति के विषय में पर्याप्त अनुसंधान कार्य किए जाते रहे हैं। ग्रह–नक्षत्रों की चर्चा में सबसे पहले आर्यभट का नाम आता है। उन्होंने ज्योतिष एवं गणित दोनों विषयों का गहन अध्ययन किया और अपने अनुभवों और अनुसंधानों को एक ग्रंथ का रूप दिया। इस ग्रंथ को 'आर्यभटीय' के नाम से जाना जाता है। यह महान ग्रंथ केवल दो सौ बयालीस पंक्तियों या एक सौ इक्कीस श्लोकों में सिमटा है। संस्कृत भाषा में रचित इस ग्रंथ में गणित और ज्योतिष की वे सूचनाएँ मिलती हैं जिनकी चर्चा आज विश्व भर के वैज्ञानिक कर रहे हैं। यह ग्रंथ चार भागों में विभाजित है–यह पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है।

ग्रह–नक्षत्रों की बात करते ही सर्वप्रथम किसका नाम आता है?

(1) आर्यभट का

(2) रामानुजम् का

(3) सुश्रुत का

(4) चरक का

[Question ID = 272][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q122]

1. 1 [Option ID = 1085]
2. 2 [Option ID = 1086]
3. 3 [Option ID = 1087]
4. 4 [Option ID = 1088]

3)

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

युग–युगांतर से मनुष्य प्रकृति का उपासक रहा है। यह विशाल ब्रह्मांड सदा उसकी जिज्ञासा का केंद्र बना रहा तथा चाँद–सितारों की सुंदरता उसे आकाश में निहारने को बाध्य करती रही। उसकी कुशाग्र बुद्धि ने आकाश में विद्यमान ग्रह–नक्षत्रों की खोजबीन की। प्राचीन काल से ही भारत में ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति तथा गति के विषय में पर्याप्त अनुसंधान कार्य किए जाते रहे हैं। ग्रह–नक्षत्रों की चर्चा में सबसे पहले आर्यभट का नाम आता है। उन्होंने ज्योतिष एवं गणित दोनों विषयों का गहन अध्ययन किया और अपने अनुभवों और अनुसंधानों को एक ग्रंथ का रूप दिया। इस ग्रंथ को 'आर्यभटीय' के नाम से जाना जाता है। यह महान ग्रंथ केवल दो सौ बयालीस पंक्तियों या एक सौ इक्कीस श्लोकों में सिमटा है। संस्कृत भाषा में रचित इस ग्रंथ में गणित और ज्योतिष की वे सूचनाएँ मिलती हैं जिनकी चर्चा आज विश्व भर के वैज्ञानिक कर रहे हैं। यह ग्रंथ चार भागों में विभाजित है–यह पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है।

आर्यभट द्वारा लिखित पुस्तक है __________.

(1) आर्यभट के विचार

(2) आर्यभटीय

(3) आर्यभट एवं ज्योतिष

(4) आर्यभटीयता

[Question ID = 273][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q123]

1. 1 [Option ID = 1089]
2. 2 [Option ID = 1090]
3. 3 [Option ID = 1091]
4. 4 [Option ID = 1092]

4) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

युग–युगांतर से मनुष्य प्रकृति का उपासक रहा है। यह विशाल ब्रह्मांड सदा उसकी जिज्ञासा का केंद्र बना रहा तथा चाँद–सितारों की सुंदरता उसे आकाश में निहारने को बाध्य करती रही। उसकी कुशाग्र बुद्धि ने आकाश में विद्यमान ग्रह–नक्षत्रों की खोजबीन की। प्राचीन काल से ही भारत में ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति तथा गति के विषय में पर्याप्त अनुसंधान कार्य किए जाते रहे हैं। ग्रह–नक्षत्रों की चर्चा में सबसे पहले आर्यभट का नाम आता है। उन्होंने ज्योतिष एवं गणित दोनों विषयों का गहन अध्ययन किया और अपने अनुभवों और अनुसंधानों को एक ग्रंथ का रूप दिया। इस ग्रंथ को 'आर्यभटीय' के नाम से जाना जाता है। यह महान ग्रंथ केवल दो सौ बयालीस पंक्तियों या एक सौ इक्कीस श्लोकों में सिमटा है। संस्कृत भाषा में रचित इस ग्रंथ में गणित और ज्योतिष की वे सूचनाएँ मिलती हैं जिनकी चर्चा आज विश्व भर के वैज्ञानिक कर रहे हैं। यह ग्रंथ चार भागों में विभाजित है–यह पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है।

आर्यभट द्वारा रचित ग्रंथ में कितने **श्लोक** हैं?

(1) दो सौ बयालीस

(2) एक सौ इक्कीस

(3) एक सौ ग्यारह

(4) दो सौ उनतालीस

[Question ID = 274][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q124]

1. 1 [Option ID = 1093]
2. 2 [Option ID = 1094]
3. 3 [Option ID = 1095]
4. 4 [Option ID = 1096]

5) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

युग–युगांतर से मनुष्य प्रकृति का उपासक रहा है। यह विशाल ब्रह्मांड सदा उसकी जिज्ञासा का केंद्र बना रहा तथा चाँद–सितारों की सुंदरता उसे आकाश में निहारने को बाध्य करती रही। उसकी कुशाग्र बुद्धि ने आकाश में विद्यमान ग्रह–नक्षत्रों की खोजबीन की। प्राचीन काल से ही भारत में ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति तथा गति के विषय में पर्याप्त अनुसंधान कार्य किए जाते रहे हैं। ग्रह–नक्षत्रों की चर्चा में सबसे पहले आर्यभट का नाम आता है। उन्होंने ज्योतिष एवं गणित दोनों विषयों का गहन अध्ययन किया और अपने अनुभवों और अनुसंधानों को एक ग्रंथ का रूप दिया। इस ग्रंथ को 'आर्यभटीय' के नाम से जाना जाता है। यह महान ग्रंथ केवल दो सौ बयालीस पंक्तियों या एक सौ इक्कीस श्लोकों में सिमटा है। संस्कृत भाषा में रचित इस ग्रंथ में गणित और ज्योतिष की वे सूचनाएँ मिलती हैं जिनकी चर्चा आज विश्व भर के वैज्ञानिक कर रहे हैं। यह ग्रंथ चार भागों में विभाजित है–यह पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है।

आर्यभट द्वारा रचित पुस्तक में किन से संबंधित सूचनाएँ हैं?

(1) गणित और विज्ञान

(2) विज्ञान और चिकित्सा

(3) गणित और ज्योतिष

(4) ज्योतिष और नक्षत्र

[Question ID = 275][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q125]

1. 1 [Option ID = 1097]
2. 2 [Option ID = 1098]

3. 3 [Option ID = 1099]
4. 4 [Option ID = 1100]

6) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

युग–युगांतर से मनुष्य प्रकृति का उपासक रहा है। यह विशाल ब्रह्मांड सदा उसकी जिज्ञासा का केंद्र बना रहा तथा चाँद–सितारों की सुंदरता उसे आकाश में निहारने को बाध्य करती रही। उसकी कुशाग्र बुद्धि ने आकाश में विद्यमान ग्रह–नक्षत्रों की खोजबीन की। प्राचीन काल से ही भारत में ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति तथा गति के विषय में पर्याप्त अनुसंधान कार्य किए जाते रहे हैं। ग्रह–नक्षत्रों की चर्चा में सबसे पहले आर्यभट का नाम आता है। उन्होंने ज्योतिष एवं गणित दोनों विषयों का गहन अध्ययन किया और अपने अनुभवों और अनुसंधानों को एक ग्रंथ का रूप दिया। इस ग्रंथ को 'आर्यभटीय' के नाम से जाना जाता है। यह महान ग्रंथ केवल दो सौ बयालीस पंक्तियों या एक सौ इक्कीस श्लोकों में सिमटा है। संस्कृत भाषा में रचित इस ग्रंथ में गणित और ज्योतिष की वे सूचनाएँ मिलती हैं जिनकी चर्चा आज विश्व भर के वैज्ञानिक कर रहे हैं। यह ग्रंथ चार भागों में विभाजित है–यह पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है।

आर्यभट की पुस्तक की विशेषता **नहीं** है ___________

(1) यह संस्कृत भाषा में लिखी गई है

(2) इसमें दो सौ बयालीस पंक्तियाँ हैं

(3) इसमें आर्यभट के अनुभव और अनुसंधानों का संकलन है

(4) इसमें ग्रहों की स्थिति का मनुष्य जीवन पर प्रभाव बताया गया है

[Question ID = 276][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q126]

1. 1 [Option ID = 1101]
2. 2 [Option ID = 1102]
3. 3 [Option ID = 1103]
4. 4 [Option ID = 1104]

7) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

युग–युगांतर से मनुष्य प्रकृति का उपासक रहा है। यह विशाल ब्रह्मांड सदा उसकी जिज्ञासा का केंद्र बना रहा तथा चाँद–सितारों की सुंदरता उसे आकाश में निहारने को बाध्य करती रही। उसकी कुशाग्र बुद्धि ने आकाश में विद्यमान ग्रह–नक्षत्रों की खोजबीन की। प्राचीन काल से ही भारत में ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति तथा गति के विषय में पर्याप्त अनुसंधान कार्य किए जाते रहे हैं। ग्रह–नक्षत्रों की चर्चा में सबसे पहले आर्यभट का नाम आता है। उन्होंने ज्योतिष एवं गणित दोनों विषयों का गहन अध्ययन किया और अपने अनुभवों और अनुसंधानों को एक ग्रंथ का रूप दिया। इस ग्रंथ को 'आर्यभटीय' के नाम से जाना जाता है। यह महान ग्रंथ केवल दो सौ बयालीस पंक्तियों या एक सौ इक्कीस श्लोकों में सिमटा है। संस्कृत भाषा में रचित इस ग्रंथ में गणित और ज्योतिष की वे सूचनाएँ मिलती हैं जिनकी चर्चा आज विश्व भर के वैज्ञानिक कर रहे हैं। यह ग्रंथ चार भागों में विभाजित है–यह पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है।

'आकाश' का पर्यायवाची है ___________.

(1) अनंत

(2) घन

(3) बादल

(4) मेघ

[Question ID = 277][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q127]

1. 1 [Option ID = 1105]
2. 2 [Option ID = 1106]
3. 3 [Option ID = 1107]
4. 4 [Option ID = 1108]

8)

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

युग–युगांतर से मनुष्य प्रकृति का उपासक रहा है। यह विशाल ब्रह्मांड सदा उसकी जिज्ञासा का केंद्र बना रहा तथा चाँद–सितारों की सुंदरता उसे आकाश में निहारने को बाध्य करती रही। उसकी कुशाग्र बुद्धि ने आकाश में विद्यमान ग्रह–नक्षत्रों की खोजबीन की। प्राचीन काल से ही भारत में ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति तथा गति के विषय में पर्याप्त अनुसंधान कार्य किए जाते रहे हैं। ग्रह–नक्षत्रों की चर्चा में सबसे पहले आर्यभट का नाम आता है। उन्होंने ज्योतिष एवं गणित दोनों विषयों का गहन अध्ययन किया और अपने अनुभवों और अनुसंधानों को एक ग्रंथ का रूप दिया। इस ग्रंथ को 'आर्यभटीय' के नाम से जाना जाता है। यह महान ग्रंथ केवल दो सौ बयालीस पंक्तियों या एक सौ इक्कीस श्लोकों में सिमटा है। संस्कृत भाषा में रचित इस ग्रंथ में गणित और ज्योतिष की वे सूचनाएँ मिलती हैं जिनकी चर्चा आज विश्व भर के वैज्ञानिक कर रहे हैं। यह ग्रंथ चार भागों में विभाजित है–यह पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है।

समूह से भिन्न शब्द युग्म है __________.

(1) समय – समय

(2) ग्रह – नक्षत्र

(3) चाँद – सितारे

(4) पृथ्वी – आकाश

[Question ID = 278][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q128]

1. 1 [Option ID = 1109]
2. 2 [Option ID = 1110]
3. 3 [Option ID = 1111]
4. 4 [Option ID = 1112]

Topic:- HIN_Q129-135_L2_P2_CTET

1) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

अपने जीवन के कठिनतम समय में भी फालके फिल्म बनाने की इस नई तलाश में जुटे रहे। हर दिन कोई न कोई प्रयोग करते। लंदन से छपनेवाली सिनेमा संबंधी पत्रिकाएँ मँगाने लगे। धीरे – धीरे घर की चीजें बिकने लगीं। उनकी जगह सिनेमा उपकरणों की मूल्य सूचियाँ, सिनेमा संबंधी पुस्तकें और प्रयोगों की सामग्री का अंबार लगने लगा। वह लगातार अपने प्रयोगों में जुटे रहे। अगले छह महीने केवल तीन घंटे सोना ही नसीब हुआ। लगातार फिल्में देखने अनिद्रा और प्रयोगों में जुटे रहने से उनकी आँखें थकने लगीं और दिखना लगभग बंद हो गया। आँखों के कार्निया में अल्सर हो गया था। एक वर्ष तक डॉक्टर प्रभाकर के इलाज के बाद आँखों में रोशनी वापिस लौटी। बीमारी के दौरान ही उन्होंने अपनी कला के प्रदर्शन का सही तरीका खोज लिया था। बीमारी से उठने के बाद उन्होंने एक मटर का दाना खुले गमले में बो दिया और धैर्यपूर्वक उसके अंकुरण और विकसित होने के चित्र लेने लगे। एक दिन जब पौधा पूरा उग आया तो फालके की पहली फिल्म 'मटर के पौधे का विकास', भी बनकर तैयार हो गई। इस फिल्म को देखने के बाद एक व्यापारी मित्र नाडकर्णी ने सूद पर रकम देने का प्रस्ताव रखा ताकि लंदन जाकर फिल्म संबंधी उपकरण लाए जा सकें।

फ़ालके की पहली फ़िल्म कौन–सी थी ?

(1) राजा हरिश्चंद्र

(2) मटर का पौधा

(3) मटर के पौधे का विकास

(4) मटर का विकास

[Question ID = 279][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q129]

1. 1 [Option ID = 1113]
2. 2 [Option ID = 1114]
3. 3 [Option ID = 1115]
4. 4 [Option ID = 1116]

2) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

अपने जीवन के कठिनतम समय में भी फालके फिल्म बनाने की इस नई तलाश में जुटे रहे। हर दिन कोई न कोई प्रयोग करते। लंदन से छपनेवाली सिनेमा संबंधी पत्रिकाएँ मँगाने लगे। धीरे – धीरे घर की चीजें बिकने लगीं। उनकी जगह सिनेमा उपकरणों की मूल्य सूचियाँ, सिनेमा संबंधी पुस्तकें और प्रयोगों की सामग्री का अंबार लगने लगा। वह लगातार अपने प्रयोगों में जुटे रहे। अगले छह महीने केवल तीन घंटे सोना ही नसीब हुआ। लगातार फिल्में देखने अनिद्रा और प्रयोगों में जुटे रहने से उनकी आँखें थकने लगीं और दिखना लगभग बंद हो गया। आँखों के कार्निया में अल्सर हो गया था। एक वर्ष तक डॉक्टर प्रभाकर के इलाज के बाद आँखों में रोशनी वापिस लौटी। बीमारी के दौरान ही उन्होंने अपनी कला के प्रदर्शन का सही तरीका खोज लिया था। बीमारी से उठने के बाद उन्होंने एक मटर का दाना खुले गमले में बो दिया और धैर्यपूर्वक उसके अंकुरण और विकसित होने के चित्र लेने लगे। एक दिन जब पौधा पूरा उग आया तो फालके की पहली फिल्म 'मटर के पौधे का विकास', भी बनकर तैयार हो गई। इस फिल्म को देखने के बाद एक व्यापारी मित्र नाडकर्णी ने सूद पर रकम देने का प्रस्ताव रखा ताकि लंदन जाकर फिल्म संबंधी उपकरण लाए जा सकें।

फ़ालके जी के पास धन का अभाव था। यह बात किस वाक्य से ज्ञात होती है?

(1) तीन घंटे सोना नसीब हुआ

(2) उनकी आँखें थकने लगीं

(3) दिखना लगभग बंद हो गया

(4) घर की चीज़ें बिकने लगीं

[Question ID = 280][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q130]

1. 1 [Option ID = 1117]
2. 2 [Option ID = 1118]
3. 3 [Option ID = 1119]
4. 4 [Option ID = 1120]

3) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

अपने जीवन के कठिनतम समय में भी फालके फिल्म बनाने की इस नई तलाश में जुटे रहे। हर दिन कोई न कोई प्रयोग करते। लंदन से छपनेवाली सिनेमा संबंधी पत्रिकाएँ मँगाने लगे। धीरे – धीरे घर की चीजें बिकने लगीं। उनकी जगह सिनेमा उपकरणों की मूल्य सूचियाँ, सिनेमा संबंधी पुस्तकें और प्रयोगों की सामग्री का अंबार लगने लगा। वह लगातार अपने प्रयोगों में जुटे रहे। अगले छह महीने केवल तीन घंटे सोना ही नसीब हुआ। लगातार फिल्में देखने अनिद्रा और प्रयोगों में जुटे रहने से उनकी आँखें थकने लगीं और दिखना लगभग बंद हो गया। आँखों के कार्निया में अल्सर हो गया था। एक वर्ष तक डॉक्टर प्रभाकर के इलाज के बाद आँखों में रोशनी वापिस लौटी। बीमारी के दौरान ही उन्होंने अपनी कला के प्रदर्शन का सही तरीका खोज लिया था। बीमारी से उठने के बाद उन्होंने एक मटर का दाना खुले गमले में बो दिया और धैर्यपूर्वक उसके अंकुरण और विकसित होने के चित्र लेने लगे। एक दिन जब पौधा पूरा उग आया तो फालके की पहली फिल्म 'मटर के पौधे का विकास', भी बनकर तैयार हो गई। इस फिल्म को देखने के बाद एक व्यापारी मित्र नाडकर्णी ने सूद पर रकम देने का प्रस्ताव रखा ताकि लंदन जाकर फिल्म संबंधी उपकरण लाए जा सकें।

फ़ालके जी की आँखों के कार्निया में अल्सर क्यों हो गया था?

(1) प्रयोगों की सूची बनाने, पत्रिकाएँ पढ़ने के कारण

(2) लगातार फ़िल्में देखने और अनिद्रा के कारण

(3) लगातार प्रयोगों में जुटे रहने और नई तलाश करने के कारण

(4) पत्रिकाएँ पढ़ने और घर का सामान बिकने के कारण

[Question ID = 281][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q131]

1. 1 [Option ID = 1121]
2. 2 [Option ID = 1122]
3. 3 [Option ID = 1123]
4. 4 [Option ID = 1124]

4) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

अपने जीवन के कठिनतम समय में भी फालके फिल्म बनाने की इस नई तलाश में जुटे रहे। हर दिन कोई न कोई प्रयोग करते। लंदन से छपनेवाली सिनेमा संबंधी पत्रिकाएँ मँगाने लगे। धीरे – धीरे घर की चीजें बिकने लगीं। उनकी जगह सिनेमा उपकरणों की मूल्य सूचियाँ, सिनेमा संबंधी पुस्तकें और प्रयोगों की सामग्री का अंबार लगने लगा। वह लगातार अपने प्रयोगों में जुटे रहे। अगले छह महीने केवल तीन घंटे सोना ही नसीब हुआ। लगातार फिल्में देखने अनिद्रा और प्रयोगों में जुटे रहने से उनकी आँखें थकने लगीं और दिखना लगभग बंद हो गया। आँखों के कार्निया में अल्सर हो गया था। एक वर्ष तक डॉक्टर प्रभाकर के इलाज के बाद आँखों में रोशनी वापिस लौटी। बीमारी के दौरान ही उन्होंने अपनी कला के प्रदर्शन का सही तरीका खोज लिया था। बीमारी से उठने के बाद उन्होंने एक मटर का दाना खुले गमले में बो दिया और धैर्यपूर्वक उसके अंकुरण और विकसित होने के चित्र लेने लगे। एक दिन जब पौधा पूरा उग आया तो फालके की पहली फिल्म 'मटर के पौधे का विकास', भी बनकर तैयार हो गई। इस फिल्म को देखने के बाद एक व्यापारी मित्र नाडकर्णी ने सूद पर रकम देने का प्रस्ताव रखा ताकि लंदन जाकर फिल्म संबंधी उपकरण लाए जा सकें।

फ़ालके जी केवल तीन घंटे ही क्यों सो पाते थे?

(1) पत्रिकाएँ पढ़ने और मूल्य –सूची बनाने के कारण

(2) पुस्तकें पढ़ने फिल्म देखने और प्रयोग करने के कारण

(3) उन्हें अनिद्रा का रोग हो गया था

(4) उनकी आँखें जल्दी थक जाती थीं

[Question ID = 282][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q132]

1. 1 [Option ID = 1125]
2. 2 [Option ID = 1126]
3. 3 [Option ID = 1127]
4. 4 [Option ID = 1128]

5) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

अपने जीवन के कठिनतम समय में भी फालके फिल्म बनाने की इस नई तलाश में जुटे रहे। हर दिन कोई न कोई प्रयोग करते। लंदन से छपनेवाली सिनेमा संबंधी पत्रिकाएँ मँगाने लगे। धीरे – धीरे घर की चीजें बिकने लगीं। उनकी जगह सिनेमा उपकरणों की मूल्य सूचियाँ, सिनेमा संबंधी पुस्तकें और प्रयोगों की सामग्री का अंबार लगने लगा। वह लगातार अपने प्रयोगों में जुटे रहे। अगले छह महीने केवल तीन घंटे सोना ही नसीब हुआ। लगातार फिल्में देखने अनिद्रा और प्रयोगों में जुटे रहने से उनकी आँखें थकने लगीं और दिखना लगभग बंद हो गया। आँखों के कार्निया में अल्सर हो गया था। एक वर्ष तक डॉक्टर प्रभाकर के इलाज के बाद आँखों में रोशनी वापिस लौटी। बीमारी के दौरान ही उन्होंने अपनी कला के प्रदर्शन का सही तरीका खोज लिया था। बीमारी से उठने के बाद उन्होंने एक मटर का दाना खुले गमले में बो दिया और धैर्यपूर्वक उसके अंकुरण और विकसित होने के चित्र लेने लगे। एक दिन जब पौधा पूरा उग आया तो फालके की पहली फिल्म 'मटर के पौधे का विकास', भी बनकर तैयार हो गई। इस फिल्म को देखने के बाद एक व्यापारी मित्र नाडकर्णी ने सूद पर रकम देने का प्रस्ताव रखा ताकि लंदन जाकर फिल्म संबंधी उपकरण लाए जा सकें।

फ़ालके ने नाडकर्णी से ब्याज पर पैसा माँगा ताकि वे –

(1) निरंतर प्रयोग कर सकें

(2) लंदन से उपकरण आ सकें

(3) लंदन से उपकरण उधार ले सकें

(4) बीमारी का खर्चा उठाने के लिए

[Question ID = 283][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q133]

1. 1 [Option ID = 1129]
2. 2 [Option ID = 1130]
3. 3 [Option ID = 1131]
4. 4 [Option ID = 1132]

6) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

अपने जीवन के कठिनतम समय में भी फालके फिल्म बनाने की इस नई तलाश में जुटे रहे। हर दिन कोई न कोई प्रयोग करते। लंदन से छपनेवाली सिनेमा संबंधी पत्रिकाएँ मँगाने लगे। धीरे – धीरे घर की चीजें बिकने लगीं। उनकी जगह सिनेमा उपकरणों की मूल्य सूचियाँ, सिनेमा संबंधी पुस्तकें और प्रयोगों की सामग्री का अंबार लगने लगा। वह लगातार अपने प्रयोगों में जुटे रहे। अगले छह महीने केवल तीन घंटे सोना ही नसीब हुआ। लगातार फिल्में देखने अनिद्रा और प्रयोगों में जुटे रहने से उनकी आँखें थकने लगीं और दिखना लगभग बंद हो गया। आँखों के कार्निया में अल्सर हो गया था। एक वर्ष तक डॉक्टर प्रभाकर के इलाज के बाद आँखों में रोशनी वापिस लौटी। बीमारी के दौरान ही उन्होंने अपनी कला के प्रदर्शन का सही तरीका खोज लिया था। बीमारी से उठने के बाद उन्होंने एक मटर का दाना खुले गमले में बो दिया और धैर्यपूर्वक उसके अंकुरण और विकसित होने के चित्र लेने लगे। एक दिन जब पौधा पूरा उग आया तो फालके की पहली फिल्म 'मटर के पौधे का विकास', भी बनकर तैयार हो गई। इस फिल्म को देखने के बाद एक व्यापारी मित्र नाडकर्णी ने सूद पर रकम देने का प्रस्ताव रखा ताकि लंदन जाकर फिल्म संबंधी उपकरण लाए जा सकें।

'बीमारी' शब्द है –

(1) भाववाचक संज्ञा

(2) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(3) जातिवाचक संज्ञा

(4) सार्वनामिक विशेषण

[Question ID = 284][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q134]

1. 1 [Option ID = 1133]
2. 2 [Option ID = 1134]
3. 3 [Option ID = 1135]
4. 4 [Option ID = 1136]

7) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

अपने जीवन के कठिनतम समय में भी फालके फिल्म बनाने की इस नई तलाश में जुटे रहे। हर दिन कोई न कोई प्रयोग करते। लंदन से छपनेवाली सिनेमा संबंधी पत्रिकाएँ मँगाने लगे। धीरे – धीरे घर की चीजें बिकने लगीं। उनकी जगह सिनेमा उपकरणों की मूल्य सूचियाँ, सिनेमा संबंधी पुस्तकें और प्रयोगों की सामग्री का अंबार लगने लगा। वह लगातार अपने प्रयोगों में जुटे रहे। अगले छह महीने केवल तीन घंटे सोना ही नसीब हुआ। लगातार फिल्में देखने अनिद्रा और प्रयोगों में जुटे रहने से उनकी आँखें थकने लगीं और दिखना लगभग बंद हो गया। आँखों के कार्निया में अल्सर हो गया था। एक वर्ष तक डॉक्टर प्रभाकर के इलाज के बाद आँखों में रोशनी वापिस लौटी। बीमारी के दौरान ही उन्होंने अपनी कला के प्रदर्शन का सही तरीका खोज लिया था। बीमारी से उठने के बाद उन्होंने एक मटर का दाना खुले गमले में बो दिया और धैर्यपूर्वक उसके अंकुरण और विकसित होने के चित्र लेने लगे। एक दिन जब पौधा पूरा उग आया तो फालके की पहली फिल्म 'मटर के पौधे का विकास', भी बनकर तैयार हो गई। इस फिल्म को देखने के बाद एक व्यापारी मित्र नाडकर्णी ने सूद पर रकम देने का प्रस्ताव रखा ताकि लंदन जाकर फिल्म संबंधी उपकरण लाए जा सकें।

'विकसित' शब्द में __________ प्रत्यय है।

(1) सित

(2) इत

(3) त

(4) सीत

[Question ID = 285][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q135]

1. 1 [Option ID = 1137]
2. 2 [Option ID = 1138]
3. 3 [Option ID = 1139]
4. 4 [Option ID = 1140]

Topic:- HIN_Q136-150_L2_P2_CTET

1) 'भाषा अन्तरण' (ट्रान्सलैंग्युजिंग) __________ ।

(1) एक लिपि से अनेक लिपियों के प्रयोग पर केन्द्रित है

(2) भाषा को दो या अधिक व्यवस्थाओं के रूप में देखती है

(3) भाषा शिक्षा के केन्द्र में भाषा अधिगम के मुद्दे को स्थान देती है

(4) भाषा अधिगम की समझ के एकलभाषी तरीके को चुनौती देती है

[Question ID = 286][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q136]

1. 1 [Option ID = 1141]
2. 2 [Option ID = 1142]
3. 3 [Option ID = 1143]
4. 4 [Option ID = 1144]

2) कौन–सा कथन भाषा कक्षा में रचनात्मकता के लिए रूकावट **नहीं** है?

(1) अनापेक्षित और कल्पनात्मक विचारों को हतोत्साहित करना

(2) विद्यार्थियों से आज्ञा का पालन करने और अनुमोदन करने की अपेक्षा करना

(3) ग्रेड और अंकों पर ज़ोर देना

(4) विद्यार्थियों के प्रश्नों पर कक्षा में शिक्षण

[Question ID = 287][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q137]

1. 1 [Option ID = 1145]
2. 2 [Option ID = 1146]
3. 3 [Option ID = 1147]
4. 4 [Option ID = 1148]

3) निम्नलिखित में से कौन–सी अवधारणा व्याकरण शिक्षण से संबंधित **नहीं** है?

(1) समय की क्रियाओं और अवधि में संबंध

(2) किसी कार्य के कारक की पहचान

(3) अवधि

(4) विषम जोड़े

[Question ID = 288][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q138]

1. 1 [Option ID = 1149]
2. 2 [Option ID = 1150]
3. 3 [Option ID = 1151]
4. 4 [Option ID = 1152]

4) जब एक शिक्षार्थी 'i' अवस्था में है और उसे इस स्तर से कुछ अधिक ऊँचे स्तर 'i+1' पर पहुँचने के लिए अवसर दिए जाते है तो भाषा अधिगम अर्जन होता है। इस अवस्था को स्टीफन क्रैशन द्वारा क्या नाम दिया गया है?

(1) बोधगम्य निवेश

(2) बोधगम्य उत्पाद

(3) बोधगम्य ग्रहणक्षमता

(4) बोधगम्य भाषा

[Question ID = 289][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q139]

1. 1 [Option ID = 1153]
2. 2 [Option ID = 1154]
3. 3 [Option ID = 1155]
4. 4 [Option ID = 1156]

5) पठन में मुख्यत: क्या शामिल है?

(1) परिकल्पना बनाना, अनुमान लगाना और अपने अनुमानों को सुनिश्चित करना

(2) परिकल्पना बनाना, अपरिचित शब्दों का अनुमान लगाना और उन्हें उच्चारित करना सीखना

(3) लिपि और खाका: शीर्षक, चित्र और सामग्री के टंकण को समझना

(4) पाठ्यसामग्री को प्रथम भाषा में मानसिक रूप से अनुदित करने की योग्यता

[Question ID = 290][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q140]

1. 1 [Option ID = 1157]
2. 2 [Option ID = 1158]
3. 3 [Option ID = 1159]
4. 4 [Option ID = 1160]

6) जहाँ तक संभव हो, प्रामाणिक पाठ्य सामग्री का प्रयोग करना चाहिए। निम्नलिखित में से एक प्रामाणिक सामग्री के प्रयोग का कारण **नहीं** है। प्रामाणिक सामग्री ___________ ।

(1) विद्यार्थियों को वास्तविक समय की सामग्री प्रस्तुत करती है

(2) प्रकृति से सम्प्रेषणात्मक है

(3) भाषा की संस्कृति को शामिल करती हैं

(4) चित्र होती हैं और तुलनात्मक रूप से रूचिकर होती हैं

[Question ID = 291][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q141]

1. 1 [Option ID = 1161]
2. 2 [Option ID = 1162]
3. 3 [Option ID = 1163]
4. 4 [Option ID = 1164]

7) सारिका ने व्याकरण शिक्षण के लिए एक 'श्रव्य सामग्री' का प्रयोग किया। उसने उदाहरण दिए, विद्यार्थियों को नियम बताए और अभ्यास करने के लिए कहा। विद्यार्थी अभी भी सही तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। नीचे सारिका के लिए सुझाव दिए गए हैं। जो सही **नहीं** है, उसका चयन करें :

(1) विद्यार्थियों के साथ अपने संप्रेषण पर बात करें और अक्सर विद्यार्थियों को अभ्यास करने में मदद करें

(2) विद्यार्थियों की पठन क्षमताओं पर कार्य करें

(3) व्याकरण पढ़ाने के लिए मौखिक ड्रिल का इस्तेमाल करें

(4) अपनी कक्षा में अक्सर 'ऑडियो रिकॉर्डिंग' सुनवाए

[Question ID = 292][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q142]
1. 1 [Option ID = 1165]
2. 2 [Option ID = 1166]
3. 3 [Option ID = 1167]
4. 4 [Option ID = 1168]

8) 'अनुच्छेद में से उस शब्द को ढूँढ़ों जिसका अर्थ 'आशाहीन' है।'

यह प्रश्न ___________ ।

(1) तथ्यात्मक पठन की जाँच करता है

(2) निष्कर्ष संबंधी पठन की जाँच करता है

(3) सूचनाएँ सामने लाता है

(4) शब्द संपदा की जाँच करता है

[Question ID = 293][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q143]
1. 1 [Option ID = 1169]
2. 2 [Option ID = 1170]
3. 3 [Option ID = 1171]
4. 4 [Option ID = 1172]

9) 'द्विभाषावाद' से निकट संबंध रखने वाली पदावली कौन-सी है?

(1) भाषा अंतरण

(2) सार्वभौमिक व्याकरण

(3) त्रुटि विश्लेषण

(4) भाषायी निपुणता

[Question ID = 294][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q144]
1. 1 [Option ID = 1173]
2. 2 [Option ID = 1174]
3. 3 [Option ID = 1175]
4. 4 [Option ID = 1176]

10) 'चार असम्बद्ध अनुच्छेदों को सही क्रम में लगाओ।' यह प्रश्न किस पर आधारित है?

(1) पठन में व्याकरण की समझ

(2) लेखन में संयोजन

(3) शब्द भंडार

(4) उच्चारण

[Question ID = 295][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q145]
1. 1 [Option ID = 1177]
2. 2 [Option ID = 1178]
3. 3 [Option ID = 1179]
4. 4 [Option ID = 1180]

11) काजल वाचन अभ्यास में अच्छा पाठ प्रदर्शन नहीं कर पाई है। पहचान करें कि उसे क्या नहीं करना चाहिए था?

(1) उसे विद्यार्थियों को दो-दो के जोड़ों में बैठाना चाहिए था।

(2) रोल प्ले के बारे में विस्तार से बताना चाहिए था।

(3) रोल प्ले का अभ्यास शुरू होने से पहले निर्देशों को लिखित रूप से देना चाहिए था।

(4) उसे एक स्थान पर खड़े होना चाहिए था और कक्षा के सामने खड़े होकर विषय पर बात करनी चाहिए थी।

[Question ID = 296][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q146]
1. 1 [Option ID = 1181]
2. 2 [Option ID = 1182]
3. 3 [Option ID = 1183]
4. 4 [Option ID = 1184]

12) कक्षा पाँच की एक अध्यापिका अपने विद्यार्थियों का ध्यान वाचन और लेखन में उनकी गलतियों की ओर दिलाना चाहती है। यद्यपि वह यह नहीं बताती है कि किसने गलती की है। वह क्या कर रही है?

(1) वह प्रतिपुष्टि दे रही है

(2) वह उपचारात्मक शिक्षण कर रही है

(3) वह अपनी त्रुटियों को संशोधित कर रही है

(4) वह कक्षा में व्याकरण पढ़ा रही है

[Question ID = 297][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q147]
1. 1 [Option ID = 1185]
2. 2 [Option ID = 1186]
3. 3 [Option ID = 1187]
4. 4 [Option ID = 1188]

13) व्याकरण शिक्षण के संदर्भ में कौन-सा कथन उपयुक्त **नहीं** है?

(1) शब्दों के मध्य सम्बद्धता स्थापित करने के लिए मानसिक छवियाँ सृजित करना

(2) शिक्षण में वाक्यों के स्थान पर अनुच्छेद का प्रयोग करना

(3) वाचन में त्रुटियों के बारे में बातचीत करने के लिए विद्यार्थियों की गलत भाषा का प्रयोग करना

(4) व्याकरण शिक्षण के लिए श्रवण का प्रयोग करना

[Question ID = 298][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q148]
1. 1 [Option ID = 1189]
2. 2 [Option ID = 1190]
3. 3 [Option ID = 1191]
4. 4 [Option ID = 1192]

14) भाषा संगम क्या है?

(1) यह भाषाओं पर एक कार्यक्रम है

(2) यह भाषाओं का समागम है

(3) यह विद्यालय में भारतीय भाषाओं को समुन्नत करने का भारत सरकार का कार्यक्रम है

(4) यह विद्यालय में भाषाओं के अध्ययन का भारत सरकार का कार्यक्रम है

[Question ID = 299][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q149]
1. 1 [Option ID = 1193]
2. 2 [Option ID = 1194]

3. 3 [Option ID = 1195]
4. 4 [Option ID = 1196]

15) भाषा का अध्ययन क्या कहलाता है?

(1) व्याकरण

(2) भाषा विज्ञान

(3) शिक्षा शास्त्र

(4) भाषा नीति

[Question ID = 300][Question Description = S10_Hindi Content/Pedagogy_Q150]

1. 1 [Option ID = 1197]
2. 2 [Option ID = 1198]
3. 3 [Option ID = 1199]
4. 4 [Option ID = 1200]